एयरपोर्ट पर सुरक्षा कतार लांघ... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 11 | गाजियाबाद / बुधवार 15 अप्रैल 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

प्रियंका चोपड़ा ने किए स्वर्ण मंदिर... 11

मुख्यमंत्री ने पंचकूला में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को समर्पित समता मैराथन को दिखाई हरी झंडी

पंचकूला (एजेंसी) । हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज यवनिका पार्क सेक्टर-5 से भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को समर्पित समता मैराथन को झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि यह दौड सामाजिक न्याय, समानता और अधिकारों के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इससे पूर्व, मैराथन स्थल पर पहुंचने पर युवाओं और बच्चों ने मुख्यमंत्री का जोरदार स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने भी स्नेहपूर्वक लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। उन्होंने न केवल मैराथन को झंडी दिखाकर रवाना किया, बल्कि प्रतिभागियों पर पुष्प वर्षा कर उनका मनोबल भी बढ़ाया। प्रतिभागियों ने भारत माता की जयऔर वंदे मातरम् के नारों के साथ एकता और भाईचारे का संदेश देते हुए ताऊ देवी लाल खेल स्टेडियम, सेक्टर-3 तक मैराथन में उत्साहपूर्वक भाग लिया। बाबा साहेब की 135वीं जयंती की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघर्ष, त्याग और संकल्प की एक अद्भुत गाथा है। उन्होंने अपने पूरे जीवन को समाज के उस वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित किया जो सदियों से वंचित और शोषित रहा। उन्होंने हमें केवल संविधान ही नहीं दिया बल्कि एक ऐसी विचारधारा दी जो समानता, न्याय और बंधुत्व के सिद्धांत पर आधारित हैं। आज की यह समता मैराथन उसी विचारधारा को जन जन तक पंहुचाने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि यह मैराथन हमें यह संदेश देती है कि समाज में किसी भी प्रकार का भेदभाव, असमानता या अन्याय स्वीकार नहीं है। हमें मिलकर ऐसे भारत का निर्माण करना है जहां हर व्यक्ति को समान अवसर मिले, हर नागरिक को सम्मान मिले और कोई भी व्यक्ति अपने अधिकारों से वंचित ना रहे। यही बाबा साहेब का सपना था और यही हमारे संविधान की आत्मा है।

दिल्ली देहरादून आर्थिक गलियारे का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया उद्घाटन, उत्तर भारत के विकास को मिलेगी नई गति

देहरादून/नई दिल्ली (शिखर समाचार)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को दिल्ली देहरादून आर्थिक गलियारे का उद्घाटन करते हुए इसे देश की विश्वस्तरीय अवसंरचना परियोजनाओं में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह गलियारा कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा, अर्थव्यवस्था को गति देगा और पर्यटन के नए अवसर पैदा करेगा। उन्होंने देशवासियों को बैसाखी, बोहाग बिहू और पुथंडू के अवसर पर शुभकामनाएं भी दीं और कहा कि इस परियोजना का उद्घाटन उत्सवों के बीच हो रहा है, जो इसे और विशेष बनाता है।

प्रधानमंत्री ने देवभूमि उत्तराखंड की पवित्र धरती को नमन करते हुए कहा कि यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ जैसे चार धाम की यात्रा शीघ्र प्रारंभ होने वाली है, जिसका देशभर के श्रद्धालु बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने मां दात काली और अन्य पूजनीय स्थलों का उल्लेख करते हुए कहा कि इस परियोजना की सफलता में उनका आशीर्वाद भी महत्वपूर्ण रहा है।

प्रधानमंत्री ने बताया कि उत्तराखंड ने अपने गठन के 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं और अब 26वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। ऐसे में दिल्ली देहरादून एक्सप्रेसवे का उद्घाटन राज्य के विकास में एक नई उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि यह मार्ग केवल एक सड़क नहीं है, बल्कि पूरे क्षेत्र को बदलने वाला विकास का माध्यम है। इससे यात्रा का समय कम होगा, ईंधन की बचत होगी और परिवहन तथा माल ढुलाई की लागत में कमी आएगी।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना के निर्माण में लगभग 12 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया गया है, जिससे हजारों लोगों को रोजगार मिला है। साथ ही किसानों और पशुपालकों को भी लाभ होगा, क्योंकि उनकी उपज अब तेजी से बड़े बाजारों तक पहुंच सकेगी। यह गलियारा गाजियाबाद, बागपत, शामली और सहारनपुर जैसे शहरों को जोड़ते हुए क्षेत्रीय विकास को नई दिशा देगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस एक्सप्रेसवे के बनने से देहरादून, हरिद्वार, ऋषिकेश और मसूरी जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुंच और आसान हो जाएगी। इससे पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और होटल, ढाबा, टैक्सी तथा होमस्टे जैसे स्थानीय व्यवसायों को भी लाभ पहुंचेगा। पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इस परियोजना में लगभग 12 किलोमीटर लंबा ऊंचा वन्यजीव गलियारा बनाया गया है, जिससे हाथियों सहित अन्य वन्यजीवों की आवाजाही प्रभावित न हो। उन्होंने पर्यटकों और श्रद्धालुओं से अपील की कि वे देवभूमि की पवित्रता बनाए रखें और प्लास्टिक कचरा न फैलाएं।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने बाबा साहेब बीआर अंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि भी अर्पित की और कहा कि उनकी विचारधारा देश को आगे बढ़ाने की प्रेरणा देती है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम का उल्लेख किया और सभी दलों से इसके समर्थन की अपील की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण के लिए प्रगति, प्रकृति और संस्कृति का संतुलन जरूरी है। उन्होंने इस अवसर पर दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पूरे देशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि यह आर्थिक गलियारा आने वाले समय में विकास का नया मार्ग प्रशस्त करेगा।

शहरी गरीबों को मिलेगा अपना घर, 2,646 मकानों को मंजूरी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा में शहरी गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों के लिए घर का सपना साकार होने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी के तहत 60 शहरी स्थानीय निकायों में 2,646 आवासों को मंजूरी दी गयी। बैठक में 51 निकायों के 2,409 और नौ निकायों के 237 अतिरिक्त लाभार्थियों की परियोजनाओं को स्वीकृति दी गयी। इस योजना के तहत अब तक 1.69 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें बीएलसी और एएचपी दोनों श्रेणियां शामिल हैं। बीएलसी के तहत 46,902 आवेदनों का सत्यापन किया गया, जिनमें 17,465 स्वीकृत और 29,437 अस्वीकृत हुए। 12,552 मकानों की जियो-टैगिंग भी पूरी हो चुकी है।

केंद्रीय टीम ने पंजाब में लिए गेहूं के सैंपल

● रिपोर्ट आने के बाद ही शुरू होगी खरीद

फाजिल्का (एजेंसी)। बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से गेहूं की फसल को हुए नुकसान के बाद अनाज मंडियों में बिकने आए गेहूं के नमूने लेने के लिए केंद्रीय टीम पंजाब में पहुँची। इस दौरान अधिकारियों ने फाजिल्का, श्री मुक्तसर साहिब और बठिण्डा जिलों में अधिकारियों ने गेहूं के ढेरों से अलग-अलग सैंपल लेकर जांच-पड़ताल की प्रक्रिया शुरू कर दी। टीम ने फाजिल्का की अनाज मंडी से करीब पांच सैंपल लिए। अधिकारियों ने बताया कि बारिश और ओलावृष्टि से सबसे अधिक नुकसान श्री मुक्तसर साहिब, बठिंडा और फाजिल्का जिलों में हुआ है। टीम ने कहा कि सैंपलों की जांच जल्द पूरी करने का प्रयास किया जा रहा है ताकि रिपोर्ट आने के बाद सरकारी खरीद शुरू की जा सके। खरीद एजेंसियों के अनुसार, बारिश और ओलावृष्टि से गेहूं की फसल जमीन पर बिछ गई, जिससे दाना काला पड़ गया है और टूट भी अधिक हो रही है। किसानों ने मांग की है कि खरीद में कुछ नियमों में ढील दी जाए ताकि समय पर सरकारी खरीद हो सके।

सरकारी नौकरियों में समानता के अधिकार का पालन अनिवार्य : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी में कहा कि अगर सेवा नियमों में अनुभव, योग्यता या वरिष्ठता के आधार पर छूट का प्रावधान है, तो किसी कर्मचारी को केवल डिग्री न होने की वजह से प्रमोशन से वंचित नहीं किया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के उस फैसले को रद्द कर दिया जिसमें एक सहकारी समिति के कर्मचारी को पदोन्नति देने से इनकार कर दिया गया था। न्यायालय ने माना कि जब अन्य कर्मचारियों को समान छूट दी गई, तो इस मामले में शैक्षिक योग्यता में रियायत न देना संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 का उल्लंघन है। न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति एन. वी. अंजारिया की पीठ ने कहा कि 'भेदभाव अन्याय का ही दूसरा नाम है।' अदालत ने जोर दिया कि सरकारी नौकरियों में समानता के अधिकार का पालन करना अनिवार्य है। न्यायालय ने यह टिप्पणी एक प्राथमिक कृषि सहकारी समिति के कर्मचारी से जुड़े मामले के दौरान की, जिसने लगभग तीन दशकों तक सेवा की थी। समिति के निदेशक मंडल ने उनकी लंबी सेवा, वरिष्ठता और अनुभव के आधार पर उन्हें 'सोसाइटी मैनेजर' के पद पर पदोन्नत करने की सिफारिश की थी। सिफारिश में उनकी शैक्षणिक योग्यता की आवश्यकता में छूट शामिल थी। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के एकल न्यायाधीश ने कर्मचारी की याचिका को स्वीकार करते हुए छूट का लाभ देने का निर्देश दिया था, हालांकि खंडपीठ ने इस निर्णय को पलटते हुए कहा था कि कर्मचारी के पास अपेक्षित योग्यता नहीं थी और रजिस्ट्रार द्वारा छूट देने से इनकार करना उचित था।

भिवाड़ी की मदरसन कंपनी के संयंत्र को श्रमिकों ने घेरा

अलवर (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के नोएडा में चल रहे श्रमिकों के आंदोलन का असर अब राजस्थान में सीमावर्ती क्षेत्र एवं औद्योगिक नगरी भिवाड़ी पर भी नजर आने लगा है। सोमवार को श्रमिकों ने सुप्राजित इंजीनियरिंग कंपनी में काम बंद करके विरोध प्रदर्शन किया था, तो मंगलवार को सुबह पथरेडी स्थित मदरसन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के श्रमिकों ने काम बंद करके संयंत्र को घेर लिया और कंपनी के द्वार पर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार हंगामे की जानकारी मिलते ही पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। श्रमिकों को समझने का प्रयास किया। श्रमिकों का आरोप है कि उनके साथ कंपनी में गलत व्यवहार होता है। एक दिन की छुट्टी के 900 रुपये काटे जाते हैं। शौचालय जाने के लिए भी महिलाओं को अनुमति लेनी पड़ती है। कई बार तो शौचालय जाने के लिए पास नहीं मिलने के कारण महिलाओं को परेशानी होती है। सूत्रों ने बताया कि मजदूरों की प्रमुख मांगों में वेतन वृद्धि, काम के घंटों में संतुलन और कंपनी प्रबंधन द्वारा कथित अभद्र व्यवहार पर रोक शामिल है। कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें नौकरी से निकालने की धमकियां देकर दबाव बनाया जाता है।

ड्रग ओवरडोज से हुई थी छात्रों की मौत, 6 गिरफ्तार

मुंबई में लाइव कॉन्सर्ट का मामला

मुंबई (एजेंसी)। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 11 अप्रैल को एक म्यूजिक इवेंट में दो छात्रों की मौत के मामले में अहम् खुलासा हुआ। पुलिस की जांच में खुलासा हुआ कि छात्रों की मौत ज्यादा ड्रग्स लेने से हुई। पुलिस ने बताया कि मुंबई के एक प्रसिद्ध एमबीए कॉलेज की 24 वर्षीय छात्रा और 28 वर्षीय छात्र की मृत्यु हुई है। वहीं, 25 वर्षीय छात्रा गंभीर हालत में आईसीयू में भर्ती है। मुंबई पुलिस के अनुसार, जिन छात्र-छात्रा की मौत हुई है, उनमें से एक ने इवेंट के दौरान कैब में ही ड्रग्स की गोलियां लीं और फिर इवेंट के दौरान दूसरी टेबलेट ली, जिससे ओवरडोज की स्थिति बन गई। डॉक्टरों ने भी ओवरडोज की पुष्टि की है। ड्रग्स के मामले में वनराई पुलिस ने अब तक छह लोगों को गिरफ्तार किया है। इस इवेंट में मुंबई के एक नामचीन कॉलेज के करीब 15-16 छात्रों का एक ग्रुप गया था। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि 2 बच्चे जिनकी मौत हुई है।

आयकर विभाग ने शुरू किया 'फॉर्म 141', 4 अलग-अलग टीडीएस फॉर्म का लेगा स्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। इनकम टैक्स विभाग ने फॉर्म 141 को शुरू किया है, यह एक कंसोलिडेटेड चालान-कम-स्टेटमेंट है, जो कि चार अलग-अलग टीडीएस फॉर्म का स्थान लेगा। यह नया फॉर्म, फॉर्म 26क्यूबी, फॉर्म 26क्यूसी, फॉर्म 26क्यूडी और फॉर्म 26क्यूई को मिलाकर बनाया गया है, जिनका उपयोग पहले क्रमशः संपत्ति की खरीद पर टीडीएस, किराए पर टीडीएस, ठेकेदारों या पेशेवरों को किए गए भुगतान पर टीडीएस और वर्चुअल डिजिटल एसेट्स के हस्तांतरण पर टीडीएस दाखिल करने के लिए किया जाता था। नए संशोधित नियमों के मुताबिक, फॉर्म 141 का उपयोग अब 50,000 रुपए प्रति महीने के भुगतान पर टीडीएस और 50 लाख रुपए की संपत्ति की खरीद पर टीडीएस जमा करने के लिए किया जा सकता है।

77 जगह छापे

नई दिल्ली (एजेंसी)। केन्द्रीय जांच ब्यूरो ने बिल्डरों और वित्तीय संस्थानों के अधिकारियों के बीच कथित सांठगांठ से जुड़ी 22 नई पंजीकृत प्राथमिकी के सिलसिले में आठ राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों में 77 जगहों पर बड़े पैमाने पर तलाशी ली है। सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के बाद अलग-अलग बिल्डरों के खिलाफ 22 नए मामले दर्ज किए हैं। सीबीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अलग-अलग राज्यों में किए गए ये समन्वित तलाशी अभियान देश भर में चल रही कार्रवाई का हिस्सा हैं। इन तलाशियों के नतीजे में आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस और दूसरी चीजें जब्त की, जिनकी अभी जांच की जा रही है।

प. बंगाल विस चुनाव में 2,926 उम्मीदवार मैदान में

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने मंगलवार को घोषणा की कि नामांकन वापस लेने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में कुल 2,926 उम्मीदवार मैदान में बने हुए हैं। पश्चिम बंगाल (द्वितीय चरण) के लिए जहां 29 अप्रैल को मतदान होना है, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 9 अप्रैल थी, जिसके बाद 10 अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच की गई। उम्मीदवारों को 13 अप्रैल को दोपहर 3 बजे तक अपने नामांकन वापस लेने की अनुमति थी। नाम वापस लेने की अंतिम तिथि के बाद उम्मीदवारों की कुल संख्या को अंतिम रूप दे दिया गया है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 152 विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं, इसमें 1,478 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। दूसरे चरण में 142 क्षेत्र शामिल हैं।

50 करोड़ का धन शोधन मामला: आईपैक के निदेशक को 10 दिन की हिरासत में भेजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 50 करोड़ रुपये के धन शोधन मामले में सोमवार देर रात गिरफ्तार किए गए इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी (आईपैक) के निदेशक विनेश चंदेल को 10 दिनों की हिरासत में ले लिया। चंदेल इस कंपनी के संस्थापक, निदेशक और 33 प्रतिशत के शेयरधारक हैं। ईडी ने दिल्ली पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी के आधार पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपनी जांच शुरू की थी। जांच में अब तक आईपैक द्वारा वित्तीय अनियमितताओं और धन शोधन के कई मामले सामने आए हैं।

प्रधानमंत्री को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने किया फोन

पश्चिम एशिया संकट पर की मर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया संकट के बीच भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फोन कॉल किया। पीएम मोदी ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसकी जानकारी दी। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, "मेरे मित्र, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का फोन आया। हमने विभिन्न क्षेत्रों में अपने द्विपक्षीय सहयोग में हुई महत्वपूर्ण प्रगति की समीक्षा की। हम सभी क्षेत्रों में अपनी 'व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी' को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमने पश्चिम एशिया की स्थिति पर भी चर्चा की और 'होर्मुज जलडमरूमध्य' को खुला और सुरक्षित रखने के महत्व पर भी जोर दिया।" अस्थाई संघर्ष विराम के बाद पीएम मोदी और ट्रंप के बीच ये पहली बातचीत है। वहीं, ये बीस दिन में दूसरी बार बातचीत हुई है। इससे पहले 24 मार्च को फोन पर बात हुई थी। उस बातचीत में भी दोनों नेताओं ने मिडिल ईस्ट के हालात पर बात की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि भारत चाहता है कि तनाव कम हो और जल्द से जल्द शांति बहाल हो।

यूपी में श्रमिकों के न्यूनतम वेतन में 21% तक बढ़ोतरी

नोएडा-गाजियाबाद समेत प्रदेशभर में लागू नई दरें, 1 अप्रैल 2026 से मिलेगा लाभ

लखनऊ/नोएडा (एजेंसी)। योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गठित उच्च स्तरीय समिति की सिफारिशों के आधार पर प्रदेश सरकार ने नोएडा और गाजियाबाद के श्रमिकों को बड़ी राहत देते हुए न्यूनतम वेतन में अंतरिम वृद्धि का ऐलान किया है। इस निर्णय के तहत श्रमिकों के वेतन में करीब 3000 तक की बढ़ोतरी की गई है, जिससे कुल वृद्धि 21 प्रतिशत तक पहुंच गई है। नई दरें 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होंगी।सरकार द्वारा जारी नई दरों के अनुसार अकुशल श्रमिकों का वेतन 11313 से बढ़ाकर 13690, अर्धकुशल का 12445 से बढ़ाकर 15059 और कुशल श्रमिकों का वेतन 13940 से बढ़ाकर 16868 कर दिया गया है। अन्य नगर निगम क्षेत्रों और जनपदों में भी श्रेणीवार वेतन वृद्धि लागू की गई है।

पूरे प्रदेश में लागू होगा निर्णय

सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह वेतन वृद्धि केवल नोएडा और गाजियाबाद तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रदेश के अन्य नगर निगम क्षेत्रों और जिलों में भी श्रेणीवार लागू की जाएगी। इससे संगठित और असंगठित दोनों क्षेत्रों के श्रमिक लाभान्वित होंगे।

सरकार का कहना है कि बढ़ती महंगाई को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है, ताकि श्रमिकों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके। वेतन वृद्धि से उनकी क्रय शक्ति बढ़ेगी और दैनिक जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करना आसान होगा।

श्रमिकों के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

श्रमिकों की समस्याओं के समाधान के लिए जनपद स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। इसके माध्यम से श्रमिक अपनी शिकायतें और सुझाव दर्ज करा सकेंगे।सरकार ने संकेत दिए हैं कि आगामी समय में वेज बोर्ड के जरिए स्थायी वेतन निर्धारण के साथ ही श्रमिकों के स्वास्थ्य, पेंशन और शिक्षा से जुड़ी योजनाओं पर भी काम किया जाएगा।

हिंसा पर सख्ती, बाहरी तत्वों की जांच

हालिया घटनाओं के मद्देनजर सरकार ने किसी भी प्रकार की हिंसा पर सख्त रुख अपनाया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि औद्योगिक शांति भंग करने वाले असामाजिक और बाहरी तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

20,000 न्यूनतम वेतन की खबरें भ्रामक

औद्योगिक विकास आयुक्त दीपक कुमार ने स्पष्ट किया कि 20,000 रू मासिक न्यूनतम वेतन लागू होने की खबरें पूरी तरह भ्रामक और निराधार हैं। उन्होंने बताया कि केंद्र स्तर पर 'फ्लोर वेज' तय करने की प्रक्रिया जारी है, जिसके आधार पर भविष्य में स्थायी समाधान निकाला जाएगा।

श्रमिकों और उद्योगों के बीच संतुलन पर जोर

सरकार ने श्रमिक संगठनों और नियोक्ताओं से व्यापक संवाद के बाद यह निर्णय लिया है। जहां श्रमिकों ने वेतन वृद्धि, ओवरटाइम का दोगुना भुगतान और बेहतर कार्य परिस्थितियों की मांग रखी, वहीं उद्योग जगत ने वैश्विक आर्थिक दबावों का हवाला दिया। इसके बावजूद दोनों पक्षों ने समाधान की दिशा में सहमति जताई।

जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में सुबह-सुबह लगे भूकंप के झटके, प्रशासन अलर्ट पर

श्रीनगर (एजेंसी)। देश के पहाड़ी राज्यों जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में मंगलवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई। हालांकि, राहत की बात यह रही कि दोनों ही क्षेत्रों से अभी तक किसी भी प्रकार के जान-माल के बड़े नुकसान की कोई आधिकारिक सूचना प्राप्त नहीं हुई है। भूकंप की जानकारी मिलते ही संबंधित जिला प्रशासन और आपदा प्रबंधन इकाइयां तुरंत सक्रिय हो गईं। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले की भदेरवाह घाटी और उसके आसपास के इलाकों में सुबह 4:55 बजे भूकंप आया। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 2.9 दर्ज की गई है। डोडा जिले के लिए इस तरह की हलचलें चिंता का विषय बनी हुई हैं, क्योंकि इससे पहले 12 अप्रैल को भी यहां 4.6 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप महसूस किया गया था, जिसका समय सुबह 04:32 बजे दर्ज हुआ था। इतना ही नहीं, मार्च की शुरुआत में भी क्षेत्र ने 4.2 तीव्रता के झटके झेले थे। लगातार आ रहे इन झटकों ने घाटी के लोगों को डरा दिया है। दूसरी ओर, उत्तराखंड के सीमावर्ती जिले पिथौरागढ़ में भी मंगलवार सुबह 7:07 बजे धरती कांपी। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.4 मापी गई है। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन ने स्थिति का जायजा लेने के लिए भूकंप केंद्र और संवेदनशील इलाकों का निरीक्षण किया। गनीमत रही कि वहां भी स्थिति सामान्य है और संपत्तियों को कोई क्षति नहीं पहुंची है। भूकंप की यह सक्रियता केवल उत्तर भारत तक ही सीमित नहीं रही है। हाल ही में महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र, विशेषकर हिंगोली जिले में भी 4.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। हिंगोली के जिलाधिकारी के अनुसार, पांगरा शिंदे गांव में कुछ घरों और सामुदायिक केंद्रों की दीवारों में दरारें देखी गई थीं। देश के विभिन्न हिस्सों में बार-बार आ रहे ये झटके भूकंपीय संवेदनशीलता को दर्शाते हैं, जिसके चलते प्रशासन ने लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षा मानकों का पालन करने की अपील की है।

बीजेपी विधायक संजय गुप्ता सड़क हादसे में घायल, डॉक्टरों की टीम कर रही निगरानी

पटना (एजेंसी)। बीजेपी के कुम्हरार से विधायक संजय गुप्ता सड़क हादसे में घायल हो गए हैं। जानकारी के मुताबिक संजय गुप्ता पश्चिम बंगाल में चुनावी कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद सिलीगुड़ी से पटना लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में उनका वाहन हादसे का शिकार हो गया। दुर्घटना कितनी गंभीर थी, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन बताया जा रहा है कि हादसे में उन्हें सीने में चोट लगी है। हादसे के तुरंत बाद उन्हें नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की टीम उनकी निगरानी कर रही है। फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डॉक्टरों द्वारा जांचें की जा रही हैं ताकि किसी अंदरूनी चोट की स्थिति का सही आकलन किया जा सके। इधर, घटना की खबर मिलते ही बीजेपी कार्यकर्ताओं और समर्थकों में चिंता का माहौल है। पार्टी के कई नेता और करीबी अस्पताल पहुंचकर उनका हालचाल जान रहे हैं। साथ ही पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने भी उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना की है।

पटना में 78 हजार नशीले इंजेक्शन बरामद, चार गिरफ्तार, 7 पर मामला दर्ज

पटना (एजेंसी)। पटना में औषधि नियंत्रण प्रशासन ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। सोमवार को रानीगंज स्थित एक गोदाम से भारी मात्रा में नशीले इंजेक्शन जब्त किए गए। अधिकारियों ने 39 कार्टन में रखे करीब 78 हजार नशीले इंजेक्शन बरामद किए। इसकी कीमत 27.30 लाख है। इस मामले में सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जिनमें से चार आरोपियों को मौके से गिरफ्तार किया है। औषधि नियंत्रण प्रशासन के अधिकारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक पिकअप वाहन से नशीले इंजेक्शन की बड़ी खेप शहर में लाई जा रही थी। सूचना मिलते ही टीम ने पिकअप वाहन को रोका और शुरुआती खेप बरामद की। पकड़े गए आरोपियों की निशानदेही पर रानीगंज इलाके के गोदाम पर छापेमारी की गई। सोमवार सुबह करीब 11 बजे गोदाम की तलाशी ली गई। इस दौरान भारी मात्रा में इंजेक्शन के कार्टन मिले। अधिकारियों के मुताबिक कुल 39 कार्टन में करीब 78 हजार इंजेक्शन थे, जिनकी कीमत लाखों रुपए बताई जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक औषधि नियंत्रण प्रशासन ने इसे अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई बताया है। जांच में पता चला है कि जब्त किए गए इंजेक्शन का उत्पादन नारोडियन फार्मासिस्ट नामक कंपनी ने किया था। इसकी मार्केटिंग क्रिक फार्मा एजेंसी के जरिए की जा रही थी। दोनों कंपनियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। अधिकारियों ने इसे जांच का अहम पहलू बताया।

पुणे के रेस्क्यू फाउंडेशन से 13 बांग्लादेशी युवतियां फरार, केयरटेकर को बंधक बनाकर रची साजिश

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां हडपसर इलाके के मोहम्मदवाड़ी रोड पर स्थित रेस्क्यू फाउंडेशन से 13 बांग्लादेशी युवतियां केयरटेकर पर हमला कर फरार हो गईं। यह घटना 23 मार्च की है, लेकिन इसका खुलासा करीब 20 दिन बाद 12 अप्रैल को हुआ। फरार हुई इन सभी युवतियों को मानव तस्करी के चंगुल से छुड़ाया गया था और हाल ही में उन्हें वापस बांग्लादेश भेजने के अदालती आदेश जारी हुए थे। पूरी वारदात संस्थान के सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है, जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना वाले दिन सुबह करीब 6:30 बजे, जब परिसर में सफाई चल रही थी, एक युवती ने पेट दर्द का बहाना बनाया। जैसे ही केयरटेकर लक्ष्मी कांबले दवा लेकर कमरे में पहुंचीं, युवतियों ने उन पर हमला कर दिया। एक लड़की ने उन्हें पीछे से पकड़ा, जबकि अन्य ने उन्हें पीटा और उनके हाथ-पैर बांध दिए। केयरटेकर के मुंह में कपड़ा ठूंसकर उन्हें कमरे में बंद कर दिया गया। सफाई कार्य के कारण उस समय मुख्य द्वार खुला रह गया था, जिसका लाभ उठाते हुए ये युवतियां बाहर की ओर भागीं। रास्ते में जब सुरक्षा गार्ड ने उन्हें रोकने की कोशिश की, तो युवतियों ने उसे भी नहीं बख्शा; उसे घसीटा गया और उसके हाथ पर दांत से काट लिया गया। इस अफरातफरी के बीच सभी 13 युवतियां परिसर से बाहर निकलने में कामयाब रहीं। सूचना मिलते ही पुलिस ने तलाशी अभियान शुरू किया और अब तक सैयद नगर व हडपसर इलाके से दो लड़कियों को बरामद कर लिया गया है, जबकि 11 अब भी लापता हैं।

बंगाल चुनाव: विधानसभाओं में गूंज रहा हृदय माझे काबा और नयने मदीना...गाना

-मुस्लिम वोटरों को लुभाने में जुटी टीएमसी, बीजेपी ने बताया तुष्टीकरण

कोलकाता (एजेंसी)। हृदय माझे काबा और नयने मदीना...यानी दिल में काबा और आंखों में मदीना...पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बीच यह गाना विधानसभाओं में गूंज रहा है। यह गीत टीएमसी की सभाओं में उसकी सांसद सायनी घोष गा रही हैं। इस गीते की रील सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है तो वहीं रैलियों में वह खुद पूरा गीत गाकर मुस्लिम वोटरों का भरोसा जीतने में जुटी हैं। वहीं बीजेपी का कहना है कि यह मुस्लिम तुष्टीकरण है।

बता दें सायनी घोष टीएमसी सांसद हैं और पेशे से अभिनेत्री भी हैं। उन्होंने कई बांग्ला फिल्मों और सीरियल्स में काम किया। सायनी घोष ने बांग्ला टेलीफिल्म इच्चे दाना से अपने करियर की शुरुआत की थी। वह 2021 में टीएमसी में आई थीं और फिर 2024 में जादवपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ी और जीत हासिल की। हालांकि इससे पहले 2021 में उन्हें आसनसोल दक्षिण विधानसभा सीट से हार का सामना करना पड़ा था। इस चुनाव के बाद ही जून 2021 में उन्हें टीएमसी की यूथ विंग का अध्यक्ष बनाया था। उन्होंने अभिषेक बनर्जी की जगह ली थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक की जगह उन्होंने यूथ टीएमसी की जिम्मेदारी संभाली थी। इससे समझा जा सकता है कि ममता की वह कितनी करीबी हैं। सायनी घोष का नाम विवादों में भी जुड़ता रहा है। कई बार उनके बयान चर्चा में रहे हैं तो वहीं एक घोटाले में भी उनका नाम आया था। कम उम्र में ही बड़ी राजनीतिक सफलता पाने वालीं सायनी घोष अब अपनी गाने की क्षमता का इस्तेमाल राजनीतिक मंच पर कर रही हैं। वहीं बीजेपी इसे मुस्लिम तुष्टीकरण बता रही है।

बीजेपी समर्थकों की ओर से कई रील शेयर किए गए हैं और लिखा जा रहा है कि आखिर एक सांसद कैसे मंच से इस तरह का गाना गा सकती है। सायनी घोष को बीजेपी पर तीखे हमलों के लिए जाना जाता है। हाल ही में उनका दिया एक नारा भी चर्चा में रहा था, जिसमें उन्होंने कहा था कि बंगाल दिखाएगा- ममता की क्षमता। माना जा रहा है कि मुस्लिम बहुल इलाकों में इस गाने के जरिए टीएमसी माहौल बनाना चाहती है।

एयरपोर्ट पर सुरक्षा कतार लांघ गई अभिनेत्री करीना, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस

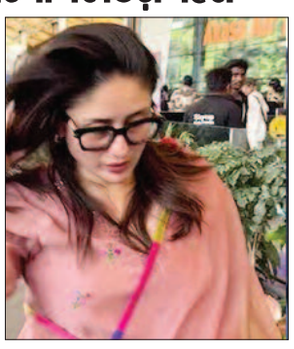

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री करीना कपूर खान एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह उनकी कोई फिल्म नहीं बल्कि मुंबई एयरपोर्ट का एक वीडियो है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में करीना कपूर सुरक्षा जांच (सिक्योरिटी चेक) के दौरान लंबी कतार को छोड़कर सीधे सिक्योरिटी गेट की ओर जाती दिख रही हैं। इस वीडियो के सामने आने के बाद इंटरनेट पर सेलिब्रिटी प्रिविलेज यानी मशहूर हस्तियों को मिलने वाले विशेषाधिकारों को लेकर एक नई बहस शुरू हो गई है।

वीडियो वायरल होते ही माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। कई उपयोगकर्ताओं ने करीना के इस व्यवहार पर नाराजगी जताई और इसे आम नागरिकों के साथ नाइंसाफी करार दिया। एक यूजर ने पोस्ट करते हुए लिखा कि करीना कपूर ने कतार तोड़कर सीधे गेट पर पहुंचकर नियमों का उल्लंघन किया है। यूजर ने सवाल उठाया कि सेलिब्रिटी को यह विशेषाधिकार किसने दिया, जबकि अन्य यात्रियों की उड़ानें भी उतनी ही जरूरी होती हैं। कुछ लोगों ने इसे अहंकार बताया और सरकारी अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए।

हालांकि, बहस के बीच कई लोग करीना कपूर के बचाव में भी उतरे। सोशल मीडिया पर एक वर्ग ने स्पष्ट किया कि अधिकांश अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर पेड वीआईपी सर्विस (सशुल्क वीआईपी सेवा) उपलब्ध होती है। इस सेवा के तहत कोई भी यात्री एक निश्चित शुल्क (जैसे 6,000 रुपये) देकर एक्सप्रेस सुरक्षा जांच और त्वरित क्लियरेंस की सुविधा प्राप्त कर सकता है। समर्थकों का तर्क है कि यह कोई फ्री कल्चर नहीं बल्कि एक वैध व्यवसायिक सेवा है, जिसे करीना ने संभवतः खरीदा होगा। कुछ उपयोगकर्ताओं ने यह भी कहा कि जब राजनेताओं या क्रिकेटरों को ऐसी सुविधाएं मिलती हैं, तब कोई विरोध नहीं होता, लेकिन एक अभिनेत्री के मामले में समानता की बात उठाना गलत है।

इस विवाद ने देश में कतार संस्कृति और सेलिब्रिटी सुरक्षा पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। कुछ समर्थकों का मानना है कि सेलिब्रिटी अक्सर भीड़ और सुरक्षा कारणों से आम कतारों से बचते हैं। फिलहाल इस पूरे विवाद पर करीना कपूर खान की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। यह घटना एक बार फिर भारत में सार्वजनिक स्थलों पर मिलने वाली विशेष सुविधाओं और आम जनता की उनके प्रति धारणा के बीच के बड़े अंतर को उजागर करती है।

महिलाओं का इंतजार खत्म हो, जल्द लागू हो आरक्षण: डॉ. रंजना कुमारी

नई दिल्ली (शिखर समाचार)।
भारत की महिलाओं ने अपनी राजनीतिक भागीदारी के लिए बहुत लंबा इंतजार किया है, अब उनके साथ न्याय करने का समय आ गया है। यह बात सेंटर फॉर सोशल रिसर्च (सीएसआर) की निदेशक और विमेन पावर कनेक्ट (डब्ल्यूपीसी) की अध्यक्ष डॉ. रंजना कुमारी ने प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से वैचारिक मतभेदों से ऊपर उठकर आगामी विशेष सत्र में इस ऐतिहासिक सुधार को प्रभावी ढंग से लागू करने की अपील की है।

लोकतंत्र में सुधार की जरूरत

लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण (नारी शक्ति वंदन अधिनियम) का लागू होना भारतीय लोकतंत्र में प्रतिनिधित्व की कमी को दूर करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। वर्तमान में लोकसभा में महिलाओं की स्थिति वैश्विक औसत (27.2%) के मुकाबले मात्र 14% के आसपास है, जो काफी चिंताजनक है। नागरिक समाज का मानना है कि यह सुधार केवल सीटों के आरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शासन को अधिक समावेशी और जवाबदेह बनाने के लिए जरूरी है।

जमीनी स्तर पर सफल रहा है प्रयोग

प्रेस वार्ता के दौरान यह रेखांकित किया गया कि पंचायती

राज संस्थाओं में आरक्षण का अनुभव बेहद सफल रहा है। आज स्थानीय निकायों में 14.6 लाख से अधिक निर्वाचित महिला प्रतिनिधि अपनी नेतृत्व क्षमता और सामुदायिक विकास के प्रति प्रतिबद्धता साबित कर रही हैं। विधानसभा और लोकसभा में आरक्षण मिलने से स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा और देखभाल जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे शासन की मुख्यधारा में आ सकेंगे।

देरी होने की आशंका पर जताई चिंता

नागरिक समाज ने इस बात पर चिंता जताई है कि कार्यान्वयन की प्रक्रिया को जनगणना और परिसीमन जैसी लंबी प्रक्रियाओं से जोड़ने से इसमें और देरी हो सकती है। डॉ. रंजना कुमारी ने कहा कि प्रशासनिक स्पष्टता महत्वपूर्ण है, लेकिन इसके कारण महिला आरक्षण की गति धीमी नहीं होनी चाहिए। भारत की महिलाओं ने पहले ही दशकों तक इंतजार किया है, अब और देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

राजनीतिक दलों से प्रमुख मांगें

वर्ष 2029 तक आरक्षण लागू करने के लिए सभी दल आपसी सहमति बनाएं।

दलीय राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रहित को प्राथमिकता दें।

पार्टी के भीतर भी महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी को बढ़ावा दिया जाए।

महिला नेताओं की एक मजबूत कतार तैयार की जाए और उन्हें जरूरी संसाधन उपलब्ध कराए जाएं।

इस कार्यक्रम को विमेन पावर कनेक्ट, जॉइंट विमेन प्रोग्राम , सेक्विन और एक्शन इंडिया जैसे 1,500 से अधिक संगठनों के नेटवर्क का समर्थन प्राप्त था। प्रेस वार्ता में विमेन पावर कनेक्ट की निदेशक गायत्री शर्मा, सलाहकार डॉ. एन. हंसा और श्री प्रणब मुखर्जी फाउंडेशन की अध्यक्ष शर्मिष्ठा मुखर्जी ने भी अपने विचार साझा किए।

कल्याण में भीषण सड़क हादसा : डंपर और कार की सीधी भिड़ंत में मरने वालों की संख्या हुई 11

मुंबई। महाराष्ट्र के कल्याण इलाके में सोमवार को हुए एक हृदयविदारक सड़क हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। अस्पताल में उपचार के दौरान दो और घायलों द्वारा दम तोड़ने के बाद प्रशासन ने इस आंकड़े की पुष्टि की। यह भीषण दुर्घटना कल्याण-मुरबाड मार्ग पर रायता पुल के पास सुबह करीब 11 बजे हुई, जब एक तेज रफ्तार कार और मिक्सर डंपर के बीच आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। मिली जानकारी के अनुसार, कार कल्याण से मुरबाड की ओर जा रही थी, जिसमें क्षमता से अधिक कुल 12 यात्री सवार थे। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू किया और घायलों को मलबे से निकालकर अस्पताल पहुंचाया। हालांकि, इलाज के दौरान तीन अन्य लोगों ने भी दम तोड़ दिया, जिससे मृतकों का कुल आंकड़ा 11 पहुंच गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से पीड़ितों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि नेशनल हाईवे 61 पर हुआ यह हादसा बेहद दुखद है। उन्होंने आश्वासन दिया कि स्थानीय प्रशासन लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए है और घायलों को बेहतर उपचार प्रदान किया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक, घटना की सूचना मिलते ही टिटवाला पुलिस स्टेशन की टीम मौके पर पहुंची और यातायात बहाल कराने के साथ ही शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

तमिलनाडु चुनाव प्रचार में एआई का इस्तेमाल, डिजिटल अवतार में वोट मांग रहे विजय

-चुनाव आयोग ने चार दिनों तक इस टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल की दी इजाजत

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार जोरों शोरों से जारी है। इस बीच चुनाव प्रचार में एक उम्मीदवार ने एआई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया, जिसकी चर्चा पूरे देश में हो रही है। दरअसल कुंभकोणम में तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) के एक उम्मीदवार ने होलोग्राफिक एआई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके, चुनावी रैलियों में पार्टी अध्यक्ष विजय की असली जैसी बड़ी और जीवंत छवि दिखाई, जिससे कई कार्यक्रमों में उनकी गैर-मौजूदगी की भरपाई हो जा रही है। राज्य में विधानसभा चुनावों के लिए 23 अप्रैल को मतदान होना है, और विजय कई चुनावी कार्यक्रमों में शामिल नहीं हो पा रहे हैं, ऐसे में उम्मीदवार मतदाताओं का जुड़ाव बनाए रखने के लिए दूसरे तरीके ढूंढ रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस बीच टीवीके के तंजावुर पूर्वी जिले के सचिव और कुंभकोणम से चुनाव लड़ रहे 32 साल के विनोद रवि ने इस एआई टेक्नोलॉजी हैक का इस्तेमाल किया। जानकारी के मुताबिक यह सिस्टम उन्होंने कामा टेक्नोलॉजीज से लिया है, जिसका रोजाना का किराया 50,000 रुपए है। रवि ने कहा कि चुनाव आयोग ने मुझे चार दिनों तक इस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने की इजाजत दी है। इससे मुझे बहुत ज्यादा जोश और आत्मविश्वास महसूस होता है, मानो हमारे थलापति मेरे ठीक बगल में खड़े होकर सीधे लोगों से बात कर रहे हों।

बता दें चुनावी वाहन पर लगा यह सिस्टम दृष्टि की निरंतरता के सिद्धांत पर आधारित होलोग्राफिक प्रोजेक्शन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करता है। इसमें एक प्रोजेक्शन फैन डिस्प्ले, तेज रफ्तार वाली मोटरें और एक सिंक्रोनाइज्ड ऑडियो सिस्टम लगा है, जिसे वाहन का जेनरेटर बिजली देता है।

यह सेटअप विजय की सिर से लेकर पैर तक की एक बहुत ही असली जैसी 3डी छवि बनाता है। इसे देखकर लगता है कि वे वाहन की छत से बाहर खड़े होकर लोगों की भीड़ को सीधे संबोधित कर रहे हैं। यह सिस्टम विजय के पुराने भाषणों की ऑडियो के साथ सिंक्रोनाइज्ड होता है, जिससे लगता है कि वे चुनावी वाहन से सीधे भाषण दे रहे हैं।

नोएडा हिंसा विकास को बाधित करने की साजिश, इसमें हो सकता है पाक कनेक्शन : राजभर

अराजकता और उग्र प्रदर्शन किसी भी समस्या का समाधान नहीं

नोएडा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के श्रम मंत्री अनिल राजभर ने सोमवार को नोएडा में हुई श्रमिक हिंसा को राज्य के विकास को बाधित करने की एक सुनियोजित साजिश बताया है। यह बवाल वेतन वृद्धि की मांग को लेकर हुआ था, जहां आगजनी और पथराव से सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचा गया। हाल ही में मेरठ और नोएडा से पकड़े गए चार संदिग्ध आतंकियों के तार पाकिस्तान से जुड़े होने के कारण एजेंसियां अब इस हिंसा में बाहरी ताकतों की भूमिका की जांच कर रही है। सीएम के निर्देश पर वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचकर बातचीत के जरिए स्थिति को सामान्य बनाने और मजदूरों की समस्याओं को सुलझाने में जुटे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक श्रम मंत्री अनिल राजभर ने कहा है कि यह घटना महज एक विरोध प्रदर्शन नहीं है। हाल के दिनों में मेरठ और नोएडा से चार संदिग्धों की गिरफ्तारी हुई है, जिनके हैंडलर पाकिस्तान में बैठे थे। इस पृष्ठभूमि में राज्य में अस्थिरता पैदा करने की साजिश की आशंका को बल मिलता है। मंत्री ने अंदेशा जताया कि इस अशांति का मकसद मुजफ्फरनगर में मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में बाधा डालना भी हो सकता था।

बता दें वेतन वृद्धि की मांग कर रहे फैक्ट्री मजदूरों का प्रदर्शन देखते ही देखते हिंसक हो गया था। नोएडा के फेज-2, सेक्टर 60, 62 और 84 में उपद्रवियों ने वाहनों को आग के हवाले कर दिया और जमकर तोड़फोड़ की। पत्थरबाजी की घटनाओं के कारण प्रमुख रास्तों पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया। राजभर ने स्पष्ट किया कि अराजकता और उग्र प्रदर्शन किसी भी समस्या का समाधान नहीं हैं और सरकार मजदूरों की हर जायज बात सुनने को तैयार है। मंत्री ने श्रमिकों से किसी भी तरह के बहकावे या उकसावे में न आने की अपील की है।

होर्मुज संकट के बीच चीन ने श्रीलंका को दिया दगा, भारत ने की आपातकालीन मदद

-भारत को पीएलसी में 51फीसदी नियंत्रक की हिस्सेदारी देकर अहसान चुका रहा श्रीलंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। होर्मुज संकट में जब चीन ने ईरान के साथ दोस्ती का ढोंग रचा और श्रीलंका से दगा किया तब भारत ने श्रीलंका का हाथ थाम लिया। ईंधन की कमी, आर्थिक दबाव और ऊर्जा संकट से जूझ रहे श्रीलंका को भारत ने आपातकालीन मदद पहुंचाई। अब श्रीलंका इस अहसान का बदला चुकाने जा रहा है। भारत की प्रमुख रक्षा शिपयार्ड मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने श्रीलंका के सबसे बड़े शिपयार्ड कोलंबो डॉकयार्ड पीएलसी में 51 फीसदी नियंत्रक हिस्सेदारी हासिल कर ली है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह सौदा एमडीएल का पहली अंतरराष्ट्रीय अधिग्रहण है, जिसकी कीमत 26.8 मिलियन डॉलर यानी करीब 249.5 करोड़ रुपए है। मुंबई स्थित इस डिफेंस पीएसयू ने 9 अप्रैल को जारी बयान में कहा था कि इस डील से श्रीलंका का सबसे बड़ा शिपयार्ड अब उसके परिचालन नियंत्रण में आ गया है। यह सौदा जापान की ओनोमिची डॉकयार्ड से शेयर खरीदकर पूरा हुआ है। यह अधिग्रहण सिर्फ व्यापारिक नहीं, बल्कि जियो पॉलिटिक्स के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है।

चीन श्रीलंका में हम्बनटोटा बंदरगाह पर 99 साल का पट्टा ले चुका है और कोलंबो में नियमित रूप से अपने नौसैनिक जहाज खड़े कर रहा है। भारतीय हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती पैठ को देखते हुए दिल्ली इस अधिग्रहण को अपने समुद्री विस्तार रणनीति का हिस्सा बता रही है। रिपोर्ट के मुताबिक एमडीएल के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर (रिटायर्ड) कैप्टन जगमोहन ने कहा कि एमडीएल द्वारा सीडीपीएलसी का अधिग्रहण हमारे दोनों संगठनों के लिए ही नहीं, बल्कि भारत और श्रीलंका के बीच समुद्री सहयोग के लिए मील का पत्थर है।

ईरान की अमेरिका-इजराइल से जंग के दौरान होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है। श्रीलंका जैसे छोटे देश ईंधन संकट, महंगाई और आर्थिक दबाव से जूझ रहे थे, जबकि चीन ने ईरान के साथ संबंधों का दावा किया, लेकिन व्यावहारिक रूप से श्रीलंका को तत्काल राहत नहीं दी। इसके उलट भारत ने श्रीलंका को डीजल और अन्य ईंधन की इमर्जेंसी सप्लाई की। पड़ोसी पहले सिद्धांत के तहत नई दिल्ली ने श्रीलंका का साथ दिया, जिससे कोलंबो में आर्थिक स्थिरता बनी रही। अब यह अधिग्रहण उस सहायता का प्रत्युत्तर माना जा रहा है।

यह डील भारत की समुद्री अमृत काल विज़न 2047 के अनुरूप है, जिसके तहत देश को वैश्विक समुद्री शक्ति बनाने का लक्ष्य है। एमडीएल जैसी कंपनियां अब विदेशों में पैर पसार रही हैं, जिससे भारतीय जहाज निर्माण और रिपेयर क्षमता बढ़ेगी। विश्लेषकों का मानना है कि मुख्य शिपिंग

रूट्स पर कोलंबो डॉकयार्ड की रणनीतिक स्थिति भारत को हिंद महासागर में मजबूत पकड़ देगी और चीन की 'स्ट्रिंग ऑफपर्ल्स' रणनीति को प्रभावी चुनौती मिलेगी। श्रीलंका के लिए भी यह फायदेमंद साबित होगा।

आईएमएस गाज़ियाबाद में नवाचार और स्टार्टअप पर ज्ञानवर्धक कार्यशाला आयोजित

गाज़ियाबाद (शिखर समाचार)। आईएमएस गाज़ियाबाद में इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के सहयोग से एक ज्ञानवर्धक कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इनोवेट, इम्प्लीमेंट, इन्फ्लुएंस थीम पर आधारित इस कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों को व्यावहारिक उद्यमशीलता का ज्ञान देना और उन्हें अपने विचारों को प्रभावी स्टार्टअप में बदलने के लिए प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के जनरल सेक्रेटरी सीए (डॉ.) राकेश छारिया, मुख्य वक्ता रविंद्र चंदन (संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, बिजौल), प्रशांत सिरोही (स्किल रिपोर्टर, द एडु प्रेस), निदेशक प्रो. (डॉ.) जसकिरण कौर एवं अकादमिक डीन डॉ. गीति शर्मा ने सरस्वती प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर किया।

कार्यशाला को दो सत्रों में विभाजित किया गया। पहले सत्र में रविंद्र चंदन ने स्टार्टअप्स के लिए पूंजी जुटाना और वित्तीय प्रबंधन विषय पर अपने विचार रखते हुए बूटस्ट्रैपिंग के महत्व को समझाया। उन्होंने पीयर-टू-पीयर, रिवार्ड आधारित और रेवेन्यू आधारित फंडिंग जैसे विकल्पों पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने कहा कि किसी भी स्टार्टअप की सफलता में निष्पादन (एक्जीक्यूशन) की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है और निवेश प्राप्त करने से पहले पायलट चरण पूरा करना आवश्यक है। दूसरे सत्र में प्रशांत सिरोही ने स्टार्टअप के कानूनी एवं नैतिक पहलू विषय पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि

कई स्टार्टअप इक्विटी विवाद, कानूनी जटिलताओं और सह संस्थापकों के बीच मतभेद के कारण असफल हो जाते हैं। उन्होंने इक्विटी वितरण से पहले स्पष्ट समझ और आपसी विश्वास की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही, आइडिया वैलिडेशन के व्यावहारिक तरीकों और सही ब्रांड

नाम चयन के महत्व को भी समझाया। कार्यशाला के दौरान स्टार्टअप की पूरी प्रक्रिया आइडिएशन से लेकर रजिस्ट्रेशन और अनुदान प्राप्ति तक पर विस्तृत चर्चा की गई। विद्यार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई, जिससे वे अपने उद्यम को सशक्त बना सकें।

इस अवसर पर निदेशक प्रो. (डॉ.) जसकिरण कौर ने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धी दौर में नवाचार ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने विचारों पर विश्वास रखने, निरंतर सीखने और प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि असफलता सफलता की पहली सीढ़ी है और हर अनुभव से सीखकर आगे बढ़ना ही सच्ची उद्यमशीलता है।

कार्यक्रम के अंतर्गत बिजनेस प्लान (बी-प्लान) प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों ने अपने स्टार्टअप आइडिया प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता का मूल्यांकन स्वेता सिन्हा, श्रीलेखा अनुराग एवं तपनजीत द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में आईआईएम विशाखापत्तनम के प्रियांशु ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि द्वितीय स्थान पर एनएसयूटी के आयुष रहे। विजेताओं को नकद पुरस्कार एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुरभि जौहरी ने किया तथा अंत में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

रोहित भारद्वाज बने सर्व ब्राह्मण महासभा के प्रदेश युवा अध्यक्ष, युवाओं को एकजुट कर संगठन मजबूत करने की जिम्मेदारी

बिजनौर (शिखर समाचार)। सर्व ब्राह्मण महासभा की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में संगठन के विस्तार और मजबूती को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। मथुरा में आयोजित इस बैठक में बिजनौर जनपद के ग्राम किशनपुर (चंदक) निवासी रोहित भारद्वाज को सर्व ब्राह्मण महासभा के प्रदेश युवा प्रकोष्ठ का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। इस नियुक्ति को संगठन के युवा वर्ग को सक्रिय करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

रोहित भारद्वाज

प्रदेश अध्यक्ष अनिल शर्मा तथा महासचिव अरविंद पंडित ने रोहित भारद्वाज के मनोनयन की आधिकारिक पुष्टि करते हुए उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा। इस अवसर पर प्रदेश नेतृत्व ने कहा कि संगठन की मजबूती में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है और इसी को ध्यान में रखते हुए युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने नवनियुक्त युवा अध्यक्ष से अपेक्षा व्यक्त की कि वे प्रदेश भर में युवाओं को जोड़कर संगठन को और अधिक सशक्त तथा प्रभावी बनाएंगे। बैठक के दौरान संगठन के विस्तार, सामाजिक एकजुटता तथा आगामी कार्यक्रमों को लेकर भी विस्तृत चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने कहा कि समाज के उत्थान के लिए संगठित प्रयास आवश्यक हैं और युवा शक्ति इसके लिए सबसे बड़ी ताकत है। रोहित भारद्वाज की इस नियुक्ति पर बिजनौर जनपद सहित उनके पैतृक गांव किशनपुर में हर्ष का माहौल है। स्थानीय लोगों और समाज के लोगों ने इसे गर्व का विषय बताते हुए उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में युवाओं को नई दिशा मिलेगी और समाज के हितों को मजबूती के साथ आगे बढ़ाया जाएगा। समर्थकों का कहना है कि रोहित भारद्वाज की सक्रियता, नेतृत्व क्षमता और समाजसेवा के प्रति समर्पण संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

विकास भवन में मनाई गई डॉ.भीमराव अंबेडकर जयंती, सीडीओ ने किए चित्र पर पुष्प भेंट

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। अभिनव गोपाल, मुख्य विकास अधिकारी गाजियाबाद के द्वारा विकास भवन सभागार में भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर विकास भवन के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। डॉ. भीमराव अंबेडकर का जीवन संघर्ष, शिक्षा एवं सामाजिक न्याय के प्रति अद्वितीय समर्पण का प्रतीक है। अत्यंत विपरीत परिस्थितियों में जन्म लेने के बावजूद उन्होंने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति एवं उच्च शिक्षा के माध्यम से न केवल स्वयं को स्थापित किया, बल्कि समाज के वंचित एवं शोषित वर्गों के उत्थान हेतु आजीवन कार्य किया। भारतीय संविधान के शिल्पकार के रूप में उन्होंने समानता, स्वतंत्रता एवं बंधुत्व के सिद्धांतों

पर आधारित एक मजबूत राष्ट्र की नींव रखी। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा बाबा साहेब के विचारों एवं उनके द्वारा स्थापित सामाजिक न्याय, समानता एवं संवैधानिक मूल्यों पर अपने विचार व्यक्त किए गए। डॉ. अंबेडकर के आदर्श हमें समाज के अंतिम पायदान पर खड़े प्रत्येक व्यक्ति तक विकास की रोशनी पहुंचाने की प्रेरणा देते हैं। विशेष रूप से महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने तथा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक शत-प्रतिशत पहुंचाने हेतु सभी अधिकारियों को संवेदनशीलता एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए। शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक पात्र व्यक्ति को योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं पारदर्शी ढंग से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाए, जिससे समावेशी एवं न्यायपूर्ण समाज की स्थापना हो सके।

साधना और तप से ही प्राप्त होते हैं भगवान शिवः कौशल कृष्ण शास्त्री

दादरी (शिखर समाचार)। नगर के रेलवे रोड स्थित तुलसी विहार कॉलोनी में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा के दौरान पंडित कौशल कृष्ण शास्त्री ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान शिव की प्राप्ति समस्त सुखों का सार है और उन्हें पाने का मार्ग केवल साधना, तप और सच्ची लगन से होकर ही गुजरता है। उन्होंने कहा कि भगवान शिव कल्याण के प्रतीक हैं और बिना तप के कल्याण की प्राप्ति संभव नहीं है। माता पार्वती का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए सैकड़ों वर्षों तक कठोर साधना और तप किया। इससे स्पष्ट होता है कि बिना परिश्रम और तपस्या के शिव की प्राप्ति असंभव है। पंडित कौशल कृष्ण शास्त्री ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में साधना, तप, परिश्रम और सच्ची लगन को अपनाना चाहिए। इसी मार्ग पर चलकर मनुष्य अपने जीवन को सुखद, सुंदर और आनंदमय बना सकता है तथा वास्तविक कल्याण को प्राप्त कर सकता है। इस अवसर पर देवी राम प्रधान, आनंद सिसोदिया, प्रवीण कुमार, जीवेन्द्र गोयल, संजू देवी, सोनिया देवी, रेखा शर्मा, नीतू शर्मा, मिथिलेश सिसोदिया, रजनी शर्मा, विक्रम देवी, सत्येंद्र देवी और वंदना गोयल सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

नगीना में हर्षोल्लास से मनाई गई अंबेडकर जयंती, भव्य शोभायात्रा निकाली गई

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती नगर में पूरे हर्षोल्लास, श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर बैंड बाजों और आकर्षक झांकियों के साथ नगर के प्रमुख मार्गों से भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें भारी संख्या में लोग शामिल हुए। शोभायात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए पुलिस बल भी तैनात रहा। अंबेडकर जयंती के अवसर पर बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर स्मारक समिति के तत्वावधान में मंगलवार को मोहल्ला चौधराना स्थित देवता मंदिर से हवन पूजन के उपरांत शोभायात्रा का शुभारंभ किया गया। शोभायात्रा में आधा दर्जन से अधिक आकर्षक एवं मनोहारी झांकियां शामिल रहीं, जो बाबा साहब के जीवन दर्शन और उनके सामाजिक योगदान को प्रदर्शित कर रही थीं। यह शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्गों और बाजारों से होती हुई मुंसिफी के पास स्थित अंबेडकर पार्क पहुंची, जहां यह एक सभा में परिवर्तित हो गई। अंबेडकर पार्क में आयोजित कार्यक्रम में डॉ.

अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके उपरांत समिति के अध्यक्ष सुगम चंद्र की अध्यक्षता एवं रविकांत के संचालन में विचार गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में क्षेत्रीय विधायक मनोज पारस, पूर्व विधायक सतीश गौतम, आर.के. सिंह सहित अनेक वक्ताओं ने बाबा साहब के जीवन संघर्ष, उनके विचारों और भारतीय समाज में उनके योगदान पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने उपस्थित लोगों से बाबा साहब के आदर्शों को अपनाने और उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। शोभायात्रा के दौरान नगर के विभिन्न स्थानों पर लोगों द्वारा पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। विशेष रूप से महिलाओं की भागीदारी उल्लेखनीय रही, जो बाबा साहब की तस्वीरें हाथों में लेकर शोभायात्रा में शामिल हुईं। वहीं दूसरी ओर वाल्मीकि बस्ती स्थित वाल्मीकि धर्मशाला में भी भारतरत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में बाबा साहब के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई और प्रसाद के रूप में हलवे का भोग लगाया गया। इस अवसर पर आयोजित विचार गोष्ठी की अध्यक्षता जयपाल सिंह ने की, जबकि संचालन श्याम सुंदर लाल द्वारा किया गया। गोष्ठी को लाल बहादुर, राजकुमार चावला और विनय कुमार सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित करते हुए बाबा साहब के विचारों को जन जन तक पहुंचाने पर जोर दिया।

बिजनौरः शोभायात्रा और गोष्ठी के साथ धूमधाम से मनाई गई बाबा साहेब की जयंती

बिजनौर (शिखर समाचार)। संविधान निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मंगलवार को जनपद में हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ धूमधाम से मनाई गई। जन कल्याण समिति के तत्वावधान में नगर के प्रमुख मार्गों से भव्य शोभायात्रा और प्रभात फेरी निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में अनुयायियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जगह-जगह बाबा साहेब के जयकारों से पूरा वातावरण गूंजता रहा। प्रभात फेरी का शुभारंभ आवास विकास कॉलोनी स्थित अंबेडकर भवन से किया गया। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाकर प्रभात फेरी को रवाना किया। यह प्रभात फेरी नगर के विभिन्न मार्गों से होकर गुजरी, जहां नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। नगर पालिका चौराहे पर पालिका अध्यक्ष इंदिरा सिंह तथा वन कार्यालय पर क्षेत्रीय वन अधिकारी द्वारा प्रभात फेरी का भव्य स्वागत किया गया। आवास विकास के मुख्य द्वार पर वीर सिंह प्रधान और देवेंद्र सिंह द्वारा विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

शोभायात्रा के दौरान सामाजिक समरसता और भाईचारे का संदेश भी दिया गया। शोभायात्रा के उपरांत अंबेडकर भवन में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन हरीराज केसरी ने किया। गोष्ठी में वक्ताओं ने डॉ. अंबेडकर के ह्यशिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करोह्न के संदेश को अपनाने का आह्वान किया और उनके विचारों को आज के समय में प्रासंगिक बताया। गोष्ठी को संबोधित करने वालों में जन कल्याण समिति के अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह, नरेंद्र सिंह, राजेंद्र सिंह चौधरी, पूर्व एडीएम सीपी सिंह, मणिकांत सिंह, गुरशरण सिंह, गुरदयाल सिंह बौद्ध, देवेंद्र सिंह, सुमित्रानंदनी, वंदना आजाद, चरण सिंह, मनीष सिंह, हरि सिंह भारती, परमिंदर सिंह, हरज्ञान सिंह, चंद्रहास, शिवराज सिंह, डॉ नेतराम, अतर सिंह, उदयपाल सिंह और बबीता सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त नगर के अन्य स्थानों पर भी अंबेडकर जयंती उत्साहपूर्वक मनाई गई। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में पदाधिकारियों ने बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं विभिन्न शिक्षण संस्थानों और सामाजिक संगठनों द्वारा भी इस अवसर पर विविध कार्यक्रम आयोजित कर बाबा साहेब के विचारों को जन जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।

मंत्री असीम अरुण ने गांव औरंगाबाद गदाना में संतोष मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल को दिया एक्सीलेंस इन मेडिकल एजुकेशन एंड सर्विसेज अवार्ड

मोदीनगर/गाजियाबाद (शिखर समाचार)। समाज सेवा और जनस्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए संतोष मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल को उत्तर प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार मंत्री असीम अरुण द्वारा एक्सीलेंस इन मेडिकल एजुकेशन एंड सर्विसेज अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अस्पताल की जनरल मैनेजर डॉ श्वेता चौधरी ने आभार व्यक्त करते हुए इसे पूरी टीम की मेहनत का परिणाम बताया।

इसी क्रम में संतोष हॉस्पिटल द्वारा ब्लॉक भोजपुर के गांव औरंगाबाद गदाना में एक विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और लोगों को विभिन्न बीमारियों के प्रति जागरूक करना रहा।

शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की गई। विशेषज्ञ चिकित्सकों ने मरीजों को उचित परामर्श दिया तथा जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी

किया गया। इस पहल का ग्रामीणों ने भरपूर लाभ उठाया और अस्पताल के प्रयासों की सराहना की।

स्वास्थ्य शिविर में मेडिसिन, बाल रोग (पीडियाट्रिक), नेत्र रोग (ऑप्थल्मोलॉजी) तथा डाइटिशियन विभाग के चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। डॉक्टरों ने ग्रामीणों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, संतुलित आहार लेने और समय समय पर स्वास्थ्य जांच कराने के लिए प्रेरित किया।

यह शिविर गांव में आयोजित एक सामाजिक कार्यक्रम के उपलक्ष्य में लगाया गया, जिसमें क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। कार्यक्रम में मंत्री असीम अरुण और मोदीनगर विधायक मंजू शिवाच सहित ग्राम प्रधान और अन्य जनसेवकों ने भाग लिया।

इस दौरान मंत्री और विधायक ने संतोष हॉस्पिटल द्वारा जनकल्याण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर अत्यंत लाभकारी होते हैं। कार्यक्रम में डॉ श्वेता चौधरी को प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

संतोष हॉस्पिटल वर्तमान में ब्लॉक रजापुर और ब्लॉक भोजपुर के लगभग 100 गांवों को टीबी मुक्त बनाने के लक्ष्य के साथ निरंतर कार्य कर रहा है। इसके तहत विभिन्न गांवों में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, टीबी जागरूकता अभियान और दवा वितरण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं, ताकि समय पर जांच और उपचार उपलब्ध हो सके।

शिविर को सफल बनाने में डॉ श्वेता चौधरी के नेतृत्व में सीनियर मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव सोनू भारती, मनीष कुमार और सोनू कुमार का विशेष योगदान रहा। सभी ने आयोजन और व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करते हुए ग्रामीणों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने संतोष हॉस्पिटल की इस पहल की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे शिविरों के आयोजन की अपेक्षा जताई।

गढ़ क्षेत्र में डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती हर्षोल्लास के साथ धूमधाम से संपन्न

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। संविधान के रचयिता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती गढ़ क्षेत्र में पूरे उत्साह, उमंग और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर क्षेत्र के गढ़ नगर, बक्सर, सिंभावली, ढाना, देवली, गांव फरीदपुर सिंभावली, बहादुरगढ़ सहित अनेक स्थानों पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनमें समाज के सभी वर्गों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली। जयंती समारोह के दौरान विभिन्न स्थानों पर डॉ. अंबेडकर के चित्र एवं प्रतिमाओं पर पुष्प एवं माल्यार्पण कर अतिथियों और आयोजकों ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। वक्ताओं ने उनके जीवन, संघर्ष और संविधान निर्माण में दिए गए अमूल्य योगदान पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। इसके उपरांत कई स्थानों पर आकर्षक झांकियां एवं भव्य शोभायात्राएं निकाली गईं। शोभायात्राओं में युवाओं, महिलाओं और बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पूरे मार्ग पर देशभक्ति गीतों और सामाजिक जागरूकता से जुड़े संदेशों के माध्यम से लोगों को प्रेरित किया गया। माहौल पूरी तरह उत्सवमय और श्रद्धा से ओत-प्रोत नजर आया। जयंती के अवसर पर कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा। संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी गई, जिससे सभी कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। क्षेत्रवासियों ने शांतिपूर्ण आयोजन के लिए प्रशासन की सराहना की। इस प्रकार गढ़ क्षेत्र में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती सामाजिक एकता, श्रद्धा और उल्लास के साथ यादगार रूप में मनाई गई।

ग्राम पंचायत सरूरपुर खुर्द में धूमधाम से मनाई गई बाबा साहब की 135वीं जयंती, संविधान यात्रा को दिखाई गई हरी झंडी

मेरठ (शिखर समाचार)

एक भारत श्रेष्ठ भारत सर्वसमावेशी भारत की संकल्पना को साकार रूप देने वाले भारतीय संविधान के महान शिल्पकार डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 135वीं जन्म जयंती ग्राम पंचायत सरूरपुर खुर्द में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा नेता पंडित आदेश फौजी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान पंडित आदेश फौजी ने बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें कोटि कोटि नमन किया तथा केक काटकर उनका अवतरण दिवस मनाया। इसके साथ ही उन्होंने डॉ. भीमराव अम्बेडकर संविधान यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

अपने संबोधन में पंडित आदेश फौजी ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश की भाजपा सरकार बाबा साहब की जयंती को पूरे देश में बड़े उत्साह के साथ मना रही है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब का संपूर्ण जीवन सामाजिक न्याय, समानता और मानवाधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने भारतीय समाज को एक मजबूत संवैधानिक आधार प्रदान किया, जिसमें प्रत्येक वर्ग, व्यक्ति और समुदाय के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है।

उन्होंने आगे कहा कि बाबा साहब के विचार आज भी हमें भेदभाव से ऊपर उठकर समतामूलक, समरस और सशक्त भारत के निर्माण की प्रेरणा देते हैं। उनका जीवन यह संदेश देता है कि शिक्षा, संघर्ष और आत्मविश्वास के माध्यम से हर प्रकार की विषमता को समाप्त कर राष्ट्र को नई दिशा दी जा सकती है। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने बाबा साहब के आदर्शों को अपनाते हुए सामाजिक समरसता, न्याय और राष्ट्र निर्माण के मार्ग पर आगे बढ़ने का संकल्प लिया।

संविधान यात्रा का आयोजन पिछले कई वर्षों से जगदीश प्रमुख, देवेन्द्र प्रजापति, रामफल प्रजापति, बोबी प्रधान, राकेश जाटव, अनूप जाटव और मनोज मास्टर के नेतृत्व में किया जा रहा है, जिसमें सर्व समाज का सहयोग रहता है। कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में संजय चौधरी (मंडल उपाध्यक्ष) और प्रदीप शर्मा भी मौजूद रहे।

भीमराव अंबेडकर 35 वीं जयंती : नगर निगम में अधिकारियों ने चित्र पर किया पुष्प अर्पित

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर शहर में अनेको कार्यक्रम आयोजित हुए, जिसमें गाजियाबाद नगर निगम द्वारा सफाई व्यवस्था से लेकर पार्कों को सुसज्जित करने का भी कार्य किया गया। कार्यक्रम स्थलों पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया तथा चुना इत्यादि की व्यवस्था भी की गई। ऐसे पार्क जहां पर बाबासाहेब की मूर्ति है, उनको फूलों से सजाया गया। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार गाजियाबाद नगर निगम में भी बाबासाहेब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 135 वी जयंती मनाई गई। अपर नगर आयुक्त जंग बहादुर यादव, प्रभारी उद्यान डॉक्टर अनुज, महाप्रबंधक जल केपी आनंद तथा अन्य उपस्थित जनों ने माल्या अर्पण करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की। नगर आयुक्त ने बाबासाहेब की मूर्ति को माल्या अर्पण करते हुए नमन किया।

डॉ. अनुज ने बताया गया बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती से पूर्व कार्यक्रम स्थलों तथा पार्कों में मालियों द्वारा व्यवस्था को

संभाल गया। सभी मूर्तियों पर आवश्यक रूप से पेंट करने का कार्य भी कराया गया। आसपास पार्क में भी मरम्मत रंगाई पुताई का कार्य भी कराया गया। बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा वाले स्थानों पर विशेष रूप से कार्य कराए गए। अंबेडकर जयंती के उपलक्ष में सभी वार्डों में भव्य रूप से कार्यक्रम के आयोजन भी कराए गए, जिसमें स्वच्छ भारत मिशन की टीम द्वारा भी विशेष सहयोग किया गया। आंतरिक वार्डों में पार्षदों द्वारा भी बाबा साहेब जी की मूर्ति को माला और पुष्प अर्पित किए गए तथा नमन करते हुए उनके द्वारा दिखाए गए।बनाए गए मार्गों पर चलने का प्रण लिया बाबा साहब के जय घोष के नारे भी लगाए गए बहुत ही उत्साह के साथ शहर में आने को स्थान पर भारत रत्न बाबा साहब अंबेडकर जी की जयंती मनाई गई।

संक्षिप्त समाचार

नशीले पदार्थों को छोड़ने का लिया संकल्प

मेरठ, एजेंसी। भारत विकास परिषद गंगा शाखा ने रविवार को सूरजकुंड सड़क स्थित एपेक्स इन्फाटेन्ट इंडिया में नशा मुक्ति अभियान चलाया। इस अभियान में लगभग 20 लोगों ने नशीले पदार्थों को छोड़ने का संकल्प लिया। शाखा संरक्षक लोकेश कुमार ने नशे से होने वाली हानियों के बारे में सभी को बताया। दीप्ति सिंह ने नशे से मुक्त होकर परिवार को संपन्न बनाने का संदेश दिया। अध्यक्ष ममता गोयल ने नशे से होने वाली दुर्घटनाओं और स्वास्थ्य हानि पर जानकारी दी। अंजू लोचब ने सभी से नशे की आदत से दूर रहने और बच्चों में सुधार लाने की अपील की। अभियान में प्रदीप गोयल का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर शारदा पंवार, आभा गोयल, अरुणा और प्रियंका गुप्ता सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

पक्की सूची में खामियों की भरमार, एक घर के पते पर 28 से 56 नाम

कानपुर, एजेंसी। एसआईआर पूरा होने पर बीते शुक्रवार को ही विधानसभा की पक्की मतदाता सूची जारी की गई है। अब सूची देखने पर खामियां सामने आ रही हैं। कच्ची सूची में मिली खामियां सुधर नहीं सकी हैं। हालात ये हैं कि अंतिम सूची में एक घर के पते पर 56 तो कहीं 28 वोटरों के नाम दर्ज हैं। इसको लेकर मतदाता चिंतित हैं। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण में मतदाता सूची की खामियों को दुरुस्त करने और सही वोटरों के नाम शामिल करने पर जोर रहा। चुनाव आयोग के निर्देश का पालन कराने का अधिकारी दावा जरूर करते रहे लेकिन धरातल पर अपेक्षित काम नहीं हुआ। गणना प्रपत्र भरने से लेकर नोटिस की सुनवाई तक वोटर परेशान रहे। खूब भागदौड़ हुई। मांगे गए दस्तावेज जुटाने में खासी परेशानी हुई। 10 अप्रैल को पक्की सूची जारी कर दी गई। सूची देखने पर खामियां सामने आ रही हैं।अकबरपुर-रनियां विधानसभा में अकबरपुर में भाग संख्या 114 की मतदाता सूची में मकान नंबर एक में 56 लोगों के नाम दर्ज हैं। एक घर में कई बिरादरी के लोगों का रहना दिखाया गया है। वहीं, तिगाईं की मतदाता सूची में भाग संख्या 508 में एक घर में 28 लोगों के नाम दर्ज हैं। यह दो केस तो उदाहरण भर हैं। इस तरह की खामियां हर बूथ की मतदाता सूची में हैं। इससे एसआईआर पर सवाल उठ रहे हैं।

कृषि विवि के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर हुई चर्चा

मेरठ, एजेंसी। सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. त्रिवेणी दत्त ने लखनऊ में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही से भेंट की। इस दौरान विश्वविद्यालय के विकास से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर चर्चा हुई। बैठक में परिसर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और छात्रों को आधुनिक सुविधाएं देने पर जोर दिया गया।कुलपति डॉ. त्रिवेणी दत्त ने अत्याधुनिक सुविधाओं वाले खेल स्टेडियम के निर्माण का प्रस्ताव रखा। उन्होंने मौजूदा खेल मैदान के नवीनीकरण की भी बात कही। कुलपति ने कहा कि बेहतर खेल सुविधाएं छात्रों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देंगी। इससे छात्र राष्ट्रीय स्तर पर भी बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। कृषि क्षेत्र में नवाचार के लिए आधुनिक बायोगैस संयंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव भी दिया गया। यह परियोजना कृषि अपशिष्ट का प्रभावी उपयोग कर ऊर्जा उत्पादन में सहायक होगी। साथ ही यह पर्यावरण संरक्षण और शोध एवं प्रशिक्षण गतिविधियों के लिए भी उपयोगी होगी।कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सभी प्रस्तावों पर सकारात्मक रुख दिखाया। उन्होंने आश्वासन दिया कि आवश्यक स्वीकृतियां जल्द दिलाई जाएंगी। मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार कृषि शिक्षा और अनुसंधान संस्थानों को सशक्त करने में लगी है। उन्होंने विश्वविद्यालयों के विकास में कोई कमी न आने देने की बात कही। कुलपति ने उम्मीद जताई कि इन योजनाओं से विश्वविद्यालय की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर सुदृढ़ होगी।

देर तक कुर्सी पर बैठना पड़ सकता है भारी...हो जाएगी दिल और शुगर की बीमारी

गोरखपुर, एजेंसी। एक जगह लगातार पांच से छह घंटे बैठकर काम करना सेहत के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। मांसपेशियां निष्क्रिय होनी शुरू हो जाती हैं और शरीर में फैट जमा होने लगता है। हृदयघात और शुगर जैसी बीमारियों का खतरा तेजी से बढ़ जाता है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज में पिछले दो सालों में मेडिसिन विभाग में किए गए एक अध्ययन में ये बात सामने आई हैं। मेडिसिन विभाग के डॉ. राजकिशोर सिंह ने बताया कि इतनी देर तक बैठना एक दिन में 10 से 15 सिगरेट पीने के बराबर नुकसान पहुंचाता है। ऐसे लोगों में 80 प्रतिशत तक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं विकसित होने की आशंका रहती है। मेडिकल कॉलेज की ओपीडी में अब 30 से 40 वर्ष के युवाओं की संख्या तेजी से बढ़ी है, जो फैटी लिवर और प्री-डायबिटीज जैसी समस्याओं से पिछले दो सालों में ग्रसित हुए हैं। इसका मुख्य कारण शारीरिक श्रम में कमी और लगातार बैठकर काम करने की आदत है।डॉ. राजकिशोर सिंह ने बताया कि पहले इस तरह की बीमारियां वृद्धावस्था में देखने को मिलती थीं लेकिन अब युवाओं में तेजी से बढ़ रही हैं। घंटों बैठना एक धीमी मौत की तरह है, जिसका असर धीरे-धीरे सामने आता है। हर 30 मिनट के बाद कम से कम दो मिनट टहलें ताकि शरीर सक्रिय बना रहे और गंभीर बीमारियों से बचाव हो सके।

सहारनपुर में ऐतिहासिक स्वागत, प्रधानमंत्री मोदी के रोड शो में उमड़ी भारी भीड़

प्रवीण वशिष्ठ

सहारनपुर (शिखर समाचार)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सहारनपुर आगमन पर जनपद ने एक ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनते हुए उनका भव्य और गर्मजोशी से स्वागत किया। दिल्ली देहरादून ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे के लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री का भव्य रोड शो आयोजित हुआ, जिसमें भारी संख्या में जनसमूह उमड़ पड़ा। सड़कों के दोनों ओर खड़े लोगों ने पुष्प वर्षा कर प्रधानमंत्री का अभिनंदन किया और पूरा क्षेत्र उत्साह से भर उठा। प्रधानमंत्री हेलीकॉप्टर से गणेशपुर मनोहरपुर स्थित हेलीपैड पर पहुंचे, जहां उनकी अगुवानी आनंदीबेन पटेल, योगी आदित्यनाथ केशव प्रसाद मौर्य बृजेश पाठक पंकज चौधरी सहित कई जनप्रतिनिधियों ने की। इस अवसर पर नितिन गडकरी भी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री मोदी ने रोड शो के दौरान वाहन की खिड़की से खड़े होकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। स्थानीय युवतियों ने लोकगीतों के माध्यम से उनका स्वागत किया, जिससे वातावरण सांस्कृतिक रंग में रंग गया।

विशेष रूप से प्रधानमंत्री ने 12 किलोमीटर लंबे वन्य जीव गलियारे का निरीक्षण किया। उन्होंने दूरबीन के माध्यम से वन्य जीवों का अवलोकन किया और एनएचएआई अधिकारियों के साथ परियोजना की समीक्षा भी की। यह गलियारा पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

इसके बाद प्रधानमंत्री ने सुरंग के प्रवेश द्वार पर स्थित जय माँ डाट काली मंदिर में विधि विधान से पूजा अर्चना की। मंदिर में पुजारियों ने मंत्रोच्चार के साथ उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने भक्ति भाव से देवी के दर्शन किए और वहां उपस्थित छात्राओं के साथ भजन में भी सहभागिता की। पूरे कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित अन्य नेताओं ने प्रधानमंत्री का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। प्रधानमंत्री के काफिले के गुजरने के दौरान जनसमूह ने सड़क किनारे मानव श्रृंखला बनाकर उनका अभिनंदन किया।

करीब एक घंटे तक सहारनपुर में रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह दौरा जनपद के लिए ऐतिहासिक रहा। इसके पश्चात वह देहरादून के लिए रवाना हुए, जहां उन्होंने इस महत्वाकांक्षी परियोजना का औपचारिक लोकार्पण करेंगे।

मेट्रो के किराये में 10 फीसदी की छूट, यात्रियों को दिया गया बड़ा तोहफा; उप महाप्रबंधक ने दी जानकारी

आगरा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन ने रामबाग से शाहदरा तक मेट्रो ट्रैक निर्माण कार्य तेज कर दिया है। दिसंबर तक कालिंदी विहार तक ट्रैक तैयार होने की उम्मीद है, साथ ही यात्रियों को किराये में 10त्न छूट की सुविधा भी मिलेगी।

उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (यूपीएमआरसी) ने रामबाग से शाहदरा तक मेट्रो ट्रैक बनाने का कार्य तेज कर दिया है। यहां से रविवार को होर्डिंग, बैनर और स्टैंड हटाए गए। पिलर बनाने और इसकी खुदाई के लिए चार मशीनें लगाई हैं। दिसंबर तक कालिंदी विहार तक ट्रैक बन जाएगा। इससे लोग मेट्रो से सफर कर सकेंगे।

आगरा कालेज से कालिंदी विहार तक ट्रैक दिसंबर तक बन जाएगा

यूपीएमआरसी के उप महाप्रबंधक पंचानन मिश्रा ने बताया कि दूसरे कॉरिडोर में रामबाग से शाहदरा तक हाईवे और सर्विस रोड पर कई होर्डिंग्स, पोल और स्टैंड लगे हुए हैं। इससे मशीनों को पिलर की खुदाई करने में दिक्कत आ रही थी। सभी पोल, होर्डिंग्स और स्टैंड हटाए हैं। इसके लिए थोड़ी देर के लिए एहतियातन यातायात भी रोका गया। इसमें यातायात पुलिस का भी सहयोग लिया। अब पिलर और पाइलिंग का कार्य तेज हो जाएगा। इसके लिए चार मशीनें लगाई हैं, अब छह मशीनें कार्य कर रही हैं। दिसंबर तक आगरा कॉलेज से कालिंदी विहार तक ट्रैक बन जाएगा।

मेट्रो के किराये में 10 फीसदी की छूट

यूपीएमआरसी के उप महाप्रबंधक ने बताया कि मेट्रो में नियमित सफर करने वाले यात्री नेशनल कॉमन मॉबिलिटी कार्ड बनवा सकते हैं। इससे मेट्रो के किराये में 10 फीसदी की छूट मिलेगी। साथ ही ये देश के किसी भी मेट्रो सेवा में उपयोग हो सकता है। इसे मेट्रो के किसी भी स्टेशन से बनवा सकते हैं।

प्रदेशभर में सिख समाज की गिनती का अभियान शुरू

लखनऊ , एजेंसी। सिख समाज की सटीक जनगणना और जागरूकता के लिए प्रदेशस्तरीय अभियान की शुरुआत रविवार को लखनऊ से की गई। सिक्खी मेरी पहचान फाउंडेशन की ओर से हुई बैठक में अभियान के तहत पूरे प्रदेश में सिख समाज के लोगों की गणना का निर्णय लिया गया। शहर के एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में भारतीय सिख संगठन के अध्यक्ष सरदार जसबीर सिंह ने कहा कि जनसंख्या के सही आंकड़े समाज के विकास और अधिकारों की सुरक्षा के लिए जरूरी हैं। वरिष्ठ उपाध्यक्ष सरदार लखविंदर पाल सिंह ने कहा कि यह अभियान समाज को अपनी पहचान और अधिकारों के प्रति जागरूक करेगा।

सिक्खी मेरी पहचान फाउंडेशन के अध्यक्ष दिलप्रीत सिंह डीपी ने इसे समाज को एकजुट करने और युवाओं को विरासत से जोड़ने की पहल बताया। वहीं, उपाध्यक्ष सरदार रणबीर सिंह कलसी ने लोगों से बढ़-चढ़कर भागीदारी की अपील की।

अभियान को प्रदेशभर में फैलाने के लिए विभिन्न जिलों में जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। बैठक में बरेली से परविंदर सिंह, शाहजहांपुर से जोधवीर सिंह, लखीमपुर से पाल सिंह और पीलीभीत से परमीत सिंह शामिल हुए। सभी ने मिलकर अभियान को प्रदेश स्तर पर सफल बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में कुलवीर सिंह सोढ़ी, कुलवंत सिंह, मनमोहन सिंह मोनी, जसपाल सिंह, जसकरन सिंह, सुदीप सिंह, सिमरन सिंह, निरवेर सिंह, ओंकार सिंह पनेसर व राजिंदर सिंह बग्गा आदि मौजूद रहे।

कलादृश्य प्रदर्शनी में समकालीन सृजन की सजीव अभिव्यक्ति

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी स्थित राज्य ललित कला अकादमी के लाल बारादरी में रविवार को 'कलादृश्य' विषय पर आयोजित कला प्रदर्शनी समकालीन सृजन का जीवंत दस्तावेज बनकर सामने आई। कलरव, आईसा और जन संस्कृति मंच के संयुक्त तत्वावधान में लगी इस प्रदर्शनी ने कला को केवल दृश्य अनुभव तक सीमित न रखकर, उसे समय की स्मृतियों, संघर्षों, संवेदनाओं और जन प्रतिरोध की अभिव्यक्ति के रूप में प्रस्तुत किया। प्रदर्शनी में कलाकारों, विद्यार्थियों, सांस्कृतिक कार्यकर्ताओं, शिक्षकों और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली, जिससे आयोजन एक सशक्त जन-सांस्कृतिक संवाद में परिवर्तित हो गया।

राज्य ललित कला अकादमी के पूर्व अध्यक्ष प्रो. लालजीत अहीर ने कहा कि कला समाज की चेतना को दिशा देती है और भविष्य की सांस्कृतिक राह तय करती है। वहीं, वरिष्ठ कला समीक्षक शहंशाह हुसैन ने कलाकारों को असाधारण बताते हुए कहा कि वे अपनी कृतियों के माध्यम से अपने समय का इतिहास रचते हैं। प्रदर्शनी में चित्रकला, वस्त्र कला और मूर्तिकला सहित कुल 78 कलाकृतियां प्रदर्शित की गईं, जिनमें 46 कलाकारों ने सहभागिता की।

एक्सप्रेस-वे प्रदेश की ओर बढ़ता उत्तर प्रदेश, सहारनपुर में सीएम योगी का बड़ा बयान

प्रवीण वशिष्ठ

सहारनपुर (शिखर समाचार)। योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को सहारनपुर में कहा कि उत्तर प्रदेश अब बीमारू राज्य की छवि को पीछे छोड़ते हुए एक्सप्रेस-वे प्रदेश के रूप में तेजी से उभर रहा है। उन्होंने नरेंद्र मोदी द्वारा दिल्ली देहरादून एक्सप्रेस वे के लोकार्पण को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विकास के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया।

गणेशपुर मनोहरपुर में आयोजित सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2017 से अब तक के अपने नौ साल के कार्यकाल में प्रदेश को दंगा मुक्त बनाने के साथ-साथ निवेश का सबसे पसंदीदा केंद्र बनाने में सफलता मिली है। उन्होंने बिना नाम लिए विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग समाज को बांटने और दंगों को संरक्षण देने का काम करते हैं, वे विकास नहीं कर सकते।

मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली देहरादून आर्थिक कॉरिडोर का यह महत्वपूर्ण हिस्सा 12 किलोमीटर लंबे एलीवेटेड वन्यजीव कॉरिडोर के माध्यम से सहारनपुर को सीधे उत्तराखंड से जोड़ता है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश तेजी से विकास की राह पर अग्रसर है और प्रदेश में देश के सबसे अधिक एक्सप्रेस वे विकसित किए गए हैं। नोएडा के जेवर में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा

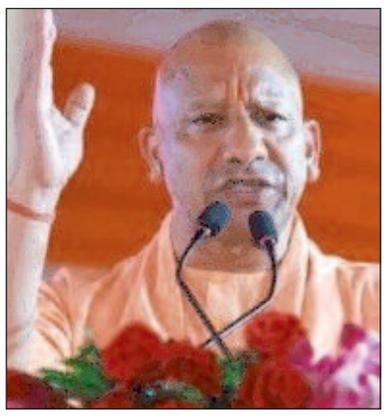

और फिल्म सिटी जैसी परियोजनाएं प्रदेश को नई दिशा दे रही हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने भीमराव अंबेडकर की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सरकार महापुरुषों के सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने डबल इंजन सरकार की ताकत का जिक्र करते हुए कहा कि अब उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में बड़े प्रोजेक्ट लाने में कोई बाधा नहीं है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि एक्सप्रेस वे के शुरू होने से चारधाम यात्रा पर जाने वाले लाखों श्रद्धालुओं को बड़ी सुविधा मिलेगी और उत्तराखंड में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि सड़कें ही राष्ट्र निर्माण की आधारशिला होती हैं और उत्तर प्रदेश आज सुरक्षा, सुशासन, बुनियादी ढांचे और निवेश के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है।

कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक सहित कई जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने भी भाग लिया। सभा के उपरांत मुख्यमंत्री सरसावा हवाई अड्डे के लिए रवाना हुए, जहां विभिन्न जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने उनसे भेंट कर सहारनपुर आगमन पर आभार व्यक्त किया।

यमुना के लिए जनआक्रोश

बैराज की मांग पर गरजी जनता; सरकार को घेरा

आगरा, एजेंसी। आगरा में यमुना की बदहाली को लेकर लोगों ने सरकार के खिलाफ आवाज उठाई और जल्द बैराज निर्माण की मांग की। साथ ही नदी की सफाई, जल संरक्षण और डूब क्षेत्र में टाउनशिप रोकने की चेतावनी दी गई।

आगरा में यमुना आरती स्थल पर रविवार को रिवर कनेक्ट कैंपेन के सदस्यों ने नदी की बदहाली और प्रशासनिक उपेक्षा पर गहरा रोष व्यक्त किया। सभा में प्रदेश सरकार से वर्षों से लंबित आगरा यमुना बैराज का निर्माण तत्काल शुरू करने की मांग की गई। वक्ताओं ने कहा कि बैराज के अभाव में हर गर्मी में यमुना का अस्तित्व संकट में पड़ जाता है और शहर बूंद-बूंद पानी को तरसता है।

अभियान के संयोजक बृज खंडेलवाल ने कहा कि प्रशासन ग्रीष्मकाल से पूर्व पोइया घाट से ताजमहल तक नदी की तलहटी की विशेष सफाई कराए। तलहटी खुरचने से वर्षा जल का संचयन बढ़ेगा और भूजल स्तर में सुधार होगा। बैठक में मथुरा नाव त्रासदी के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देते हुए गोकुल बैराज की तलीझाड़ सफाई की मांग की गई, ताकि भविष्य में ऐसे हादसे न हों।

यमुना भक्तों ने एत्मादपुर में प्रस्तावित ग्रेटर आगरा की 10 नई टाउनशिप को लेकर आगाह किया। कहा कि इन्हें यमुना के डूब क्षेत्र से बाहर रखा जाए, अन्यथा यह बड़ा पर्यावरणीय संकट बनेगा। साथ ही, नालों को टैप करने और अवैध निर्माण हटाने पर जोर दिया गया। बैठक में डॉ. देवाशीष भट्टाचार्य, चतुर्भुज तिवारी, पद्मिनी अय्यर, मुकेश चौधरी, दीपक राजपूत और विशाल सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। सदस्यों ने संकल्प लिया कि यमुना की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रहेगा।

कार व बाइक रैली से बाबा साहब के सिद्धांतों का दिया संदेश

लखनऊ , एजेंसी। डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती से दो दिन पहले पारख महासंघ के तत्वाधान में पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और पारख महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कौशल किशोर तथा विधायक जय देवी कौशल के नेतृत्व में कार व बाइक रैली निकाली गई। रैली का शुभारंभ दुबग्गा स्थित जॉगर्स पार्क से हुआ। रैली काकोरी ब्लॉक के झाखरबाग में संपन्न हुई। पूरे मार्ग में समानता, न्याय और बाबा साहब के सिद्धांतों का संदेश दिया गया। इस दौरान कौशल किशोर ने कहा कि बाबा साहब ने हमें सिखाया कि समानता सिर्फ शब्द नहीं, जीवन का आधार है। रैली में मुख्य रूप से भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष विकास किशोर (आशु) ब्लॉक प्रमुख नीतू यादव प्रतिनिधि शिशिर यादव, मंडल अध्यक्ष विपिन गोपी राजपूत रहीं। प्रधान सर्वेश रावत समेत पारख महासंघ के दो हजार से ज्यादा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रंगबिरंगी रोशनी में लिपटे जांबाजों के शौर्य व पराक्रम देख दर्शक रोमांचित

लखनऊ, एजेंसी। छावनी स्थित युद्ध स्मृतिका पर रविवार को मध्य कमान की ओर से लेजर लाइट एवं साउंड शो की विशेष स्क्रीनिंग की गई। रंग-बिरंगी रोशनी में लिपटे जांबाजों के शौर्य व पराक्रम को देख दर्शक रोमांचित और भावुक हो गए। भारतीय सेना की शक्ति और आधुनिकीकरण ने उनका सीना गर्व से चौड़ा कर दिया।

मध्य कमान के जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि 32 मिनट के इस शो को चार हिस्सों में बांटा गया है। महानायक अमिताभ बच्चन के वॉयस ओवर ने शो में जान फूंक दी है। शो में गैलेंट्री अवार्डी नायक जदुनाथ सिंह, हवलदार अब्दुल हमीद, कैप्टन मनोज पांडेय, मेजर शैतान सिंह भाटी, कर्नल नरेंद्र कुमार, ब्रिगेडियर मोहम्मद उस्मान के शौर्य व पराक्रम को दर्शाया गया है। इसके अतिरिक्त मध्य कमान के ऐतिहासिक महत्व पर भी रोशनी डाली गई। स्मृतिका पर कलाकृतियां

भी बनाई गई हैं। साथ ही तस्वीरें लेने के लिए सेल्फी पॉइंट्स भी बनाए गए हैं। शो को जल्द ही दर्शकों के लिए भी शो की व्यवस्था होगी।

पीआरओ शांतनु प्रताप सिंह ने बताया कि युद्ध स्मृतिका पर बंकर बनाया गया है। ऐसे बंकर जम्मू-कश्मीर जैसे फॉरवर्ड एरिया में बनाए जाते हैं, जहां जवान रहते हैं और दुश्मनों पर नजर भी रखते हैं। दर्शकों को दुश्मन पर निशाना लगाने का भी मौका मिलेगा। वहां लगीं गनों से लेजर लाइट के जरिये लक्ष्य पर निशाना भी लगा सकेंगे।

न्यूनतम वेतन में अंतरिम बढ़ोतरी से श्रमिकों को राहत, 1 अप्रैल 2026 से नई दरें लागू

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनपद गौतम बुद्ध नगर में औद्योगिक सामंजस्य और शांति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए न्यूनतम वेतन में अंतरिम बढ़ोतरी की घोषणा की है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर गठित उच्च स्तरीय समिति ने ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण में आयोजित पत्रकार वार्ता में यह जानकारी साझा की। औद्योगिक विकास आयुक्त दीपक कुमार ने बताया कि श्रमिकों की मांगों और वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए सरकार ने संतुलित दृष्टिकोण अपनाया है। इस निर्णय के तहत गौतम बुद्ध नगर और गाजियाबाद में अधिकतम 21 प्रतिशत तक वेतन वृद्धि की गई है, जिसमें सबसे अधिक लाभ कुशल श्रमिकों को मिला है। नई वेतन दरें 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होंगी। गौतम बुद्ध नगर और गाजियाबाद में संशोधित वेतन के अनुसार अकुशल श्रमिकों का वेतन 11,313 रुपये से बढ़ाकर 13,690 रुपये, अर्धकुशल श्रमिकों का वेतन 12,445 रुपये से बढ़ाकर 15,059 रुपये तथा कुशल श्रमिकों का वेतन 13,940 रुपये से बढ़ाकर 16,868 रुपये कर दिया गया है। अन्य नगर निगम क्षेत्रों में अकुशल श्रमिकों का वेतन 13,006 रुपये, अर्धकुशल का 14,306 रुपये और कुशल श्रमिकों का 16,025 रुपये निर्धारित किया गया है। वहीं अन्य जनपदों में अकुशल श्रमिकों का वेतन 12,356 रुपये, अर्धकुशल का 13,591 रुपये तथा कुशल श्रमिकों का 15,224 रुपये किया गया है।

सरकार ने स्पष्ट किया कि यह व्यवस्था अंतरिम है और आगामी माह में वेतन निर्धारण बोर्ड के गठन के

बाद स्थायी न्यूनतम वेतन तय किया जाएगा। साथ ही श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य, पेंशन और बच्चों की शिक्षा से संबंधित नई योजनाओं पर भी विचार किया जा रहा है। बैठक में प्रमुख सचिव (श्रम) डॉ. एम. के. एस. सुंदरम, अपर मुख्य सचिव सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, निर्यात प्रोत्साहन, खादी एवं ग्रामोद्योग विभाग आलोक कुमार, श्रम आयुक्त मार्कण्डेय शाही, यमुना विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह तथा जिलाधिकारी मेधा रूपम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। समिति ने हाल ही में हुए घटनाक्रमों पर भी स्थिति स्पष्ट की। बताया गया कि 20,000 रुपये मासिक न्यूनतम वेतन लागू होने संबंधी खबरें पूरी तरह भ्रामक और निराधार हैं। भारत सरकार द्वारा नई श्रम संहिताओं के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर पर आधार वेतन निर्धारित करने की प्रक्रिया जारी है, जिसका उद्देश्य देशभर में न्यूनतम वेतन की एक समान आधार रेखा तय करना है। समिति द्वारा श्रमिकों और नियोक्ताओं के साथ कई चरणों में वार्ता की गई। श्रमिक प्रतिनिधियों ने अपने आंदोलन को शांतिपूर्ण बताते हुए वेतन वृद्धि, साप्ताहिक अवकाश, अतिरिक्त समय कार्य का दोगुना भुगतान और सुरक्षित कार्य वातावरण की मांग रखी। वहीं नियोक्ताओं ने वैश्विक आर्थिक चुनौतियों के बावजूद इन मांगों को उचित और विचारणीय बताया। जनपद स्तर पर श्रमिकों की समस्याओं के समाधान और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जहां 120-2978231, 120-2978232, 120-2978862 और 120-2978702 नंबरों पर संपर्क किया जा सकता है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि औद्योगिक सौहार्द बिगाड़ने वाले असामाजिक और बाहरी तत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे तत्वों की पहचान के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें तकनीकी निगरानी, खुफिया तंत्र और स्थानीय स्तर पर सूचना एकत्रण को मजबूत किया गया है। दोषियों के खिलाफ गिरफ्तारी, आपराधिक मुकदमे दर्ज करने सहित कठोर कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। प्रदेश सरकार ने दोहराया है कि औद्योगिक शांति, श्रमिकों के अधिकारों की सुरक्षा और निवेश के अनुकूल वातावरण बनाए रखना उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा गौतम बुद्ध नगर में विकास की गति निरंतर बनाए रखी जाएगी।

गाजियाबाद में दमकल विभाग ने मनाया अपना अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। 14 अप्रैल को मनाए जाने वाले अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस के अवसर पर फायर स्टेशन वैशाली में भावपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान वर्ष 1944 में शहीद हुए 66 अग्निशमन कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मौन रखा गया। कार्यक्रम की शुरूआत स्मृति दिवस परेड से हुई, जिसमें अग्निशमन विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया। उपस्थित सभी लोगों को पिन फ्लैग लगाकर शहीदों के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। अग्निशमन सेवा सुरक्षा सप्ताह का शुभारंभ भी किया गया। इस अवसर पर फायर स्टेशन वैशाली से अग्निशमन वाहनों की एक भव्य जागरूकता रैली निकाली गई, जिसे अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय केशव कुमार चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली ने शहर के विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों- डाबर तिराहा, मोहननगर, मेरठ तिराहा, हापुड़ मोड़, कचहरी, हापुड़ चुंगी, पुराना बस अड्डा, संजयनगर और राजनगर एक्सटेंशन में भ्रमण कर लोगों को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक किया। फायर स्टेशन वैशाली परिसर में आधुनिक अग्निशमन एवं रेस्क्यू उपकरणों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। इसमें स्कूलों के छात्र-छात्राओं, होटल व अस्पताल कर्मियों तथा अन्य संस्थानों से आए लोगों ने भाग लेकर उपकरणों की कार्यप्रणाली को समझा। विभाग द्वारा एक विशेष क्यूआर कोड प्रणाली भी शुरू की गई है, जिसे प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर लगाया जाएगा। किसी भी आग की घटना के समय इस कोड को स्कैन कर सीधे दमकल विभाग से संपर्क किया जा सकेगा, जिससे त्वरित सहायता मिल सकेगी। एडिशनल सीपी केशव कुमार चौधरी ने बताया कि अग्निशमन सेवा सप्ताह के दौरान शहर के विभिन्न बहुमंजिला भवनों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, स्कूलों, होटलों और अस्पतालों में मॉक ड्रिल एवं इवैक्यूएशन ड्रिल आयोजित कर लोगों को आग से बचाव और सुरक्षित निकासी के उपाय सिखाए जाएंगे। दमकल विभाग लगातार लोगों को जागरुक करते हुए आग से बचने के तरीका सिखाता आ रहा है। आगे भी इसी तरह से जागरूकता अभियान जारी रहेंगे, जिससे अग्निकांड में कोई जनहानि नहीं हो।इस अवसर पर मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल, अग्निशमन अधिकारी शेष नाथ यादव, प्रभारी अधिकारी मूलचंद सिंह, प्रभारी अधिकारी गगन कुमार सहित विभिन्न संस्थानों के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

मोदीनगर में धूमधाम से मनाई गई डॉ भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती, भव्य शोभायात्रा ने बांधा समां

मोदीनगर (शिखर समाचार)। संविधान निमार्ता डॉ भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती नगर में पूरे उत्साह, श्रद्धा और भव्यता के साथ मनाई गई। इस अवसर पर नगर के विभिन्न क्षेत्रों में शोभायात्राएं निकाली गईं तथा मुख्य कार्यक्रम दिल्ली मेरठ मार्ग स्थित बस स्टैंड के पास बाबा साहेब की प्रतिमा स्थल पर आयोजित किया गया। दोपहर में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में डॉ अंबेडकर शिक्षा प्रचार एवं प्रसार संस्थान के तत्वावधान में प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा विधायक मंजू सिवाच ने कहा कि डॉ भीमराव अंबेडकर का जीवन संघर्ष, शिक्षा, समानता और संविधान के प्रति समर्पण का अद्वितीय उदाहरण है, जो सदैव समाज को प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने बाबा साहेब के जीवन और उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली, संस्थान के अध्यक्ष देशराज भारती और महासचिव ओमप्रकाश ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सभी उपस्थित लोगों ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए।

कार्यक्रम में रालोद के वरिष्ठ नेता अमरजीत सिंह बिड्डी, जिला अध्यक्ष रामपाल चौधरी, सत्येंद्र तोमर, राम भरोसे लाल मौर्य, सभासद ललित सेन, धर्म प्रकाश और सुरेंद्र त्यागी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। अंत में देशराज भारती ने सभी का आभार व्यक्त किया।

इसके उपरांत शाम के समय भूपेंद्र पुरी स्थित अंबेडकर

पार्क से डॉ भीमराव अंबेडकर जन्मोत्सव समिति के तत्वावधान में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा तिबड़ा रोड रेलवे फाटक से होते हुए दिल्ली मेरठ मार्ग पर पहुंची और सीकरी रोड तक गई, जहां से पुनः वापस बस स्टैंड स्थित प्रतिमा स्थल पर आकर संपन्न हुई। शोभायात्रा का नेतृत्व समिति के अध्यक्ष विनोद गौतम सहित अन्य पदाधिकारियों ने किया। शोभायात्रा में बाबा साहेब के जीवन और विचारों पर आधारित दर्जनों आकर्षक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। नगर के विभिन्न स्थानों पर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया। शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन की ओर से भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। शोभायात्रा के दौरान दिल्ली मेरठ मार्ग पर कई घंटों तक यातायात प्रभावित रहा, लेकिन श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं देखी गई।

युवाओं ने याद किए बाबा साहेब के आदर्श, मेरा युवा भारत द्वारा अंबेडकर जयंती समारोह आयोजित

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। मेरा युवा भारत (माय भारत) गाजियाबाद द्वारा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में आर्य नगर, लोनी में भारत रत्न, भारतीय संविधान के निमार्ता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में युवाओं की बड़ी भागीदारी देखने को मिली, जहां सभी ने बाबा साहेब के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ माया चौहान सहित अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात उपस्थित प्रतिभागियों ने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए देवेंद्र कुमार, संयुक्त निदेशक, मेरा युवा भारत, गाजियाबाद ने बताया कि डॉ. भीमराव अंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल 1891 को हुआ था। वे बचपन से ही अत्यंत मेधावी छात्र रहे और उन्होंने अपनी उच्च शिक्षा कोलंबिया

विश्वविद्यालय तथा लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से प्राप्त की। वर्ष 1926 में उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत की और आगे चलकर भारतीय संविधान के मुख्य शिल्पकार बने। उन्होंने बताया कि बाबा साहेब स्वतंत्र भारत के प्रथम कानून मंत्री रहे और मसौदा समिति के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने एक समतामूलक, न्यायपूर्ण और बंधुत्व पर आधारित संविधान का निर्माण किया। उनके द्वारा तैयार संविधान में दलितों, महिलाओं एवं पिछड़े वर्गों के अधिकारों को विशेष महत्व दिया गया। स्वतंत्र भारत की पहली कैबिनेट में उन्हें पंडित जवाहरलाल नेहरू के मंत्रिमंडल में कानून मंत्री के रूप में शामिल किया गया। अपनी असाधारण शिक्षा और संघर्ष के बल पर उन्होंने समाज में एक विशिष्ट स्थान बनाया और लगभग 32 डिग्रियां अर्जित कीं। इस अवसर पर विभिन्न प्रतिभागियों ने बाबा साहेब के जीवन और विचारों पर अपने विचार प्रस्तुत किए तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से उनके व्यक्तित्व को जीवंत किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में जागरूकता रैली का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं ने समाज में समानता, शिक्षा और अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने का संदेश दिया। समापन अवसर पर सभी अतिथियों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

यमुना एक्सप्रेसवे पर बिगड़ी उमा भारती की तबीयत, उपचार के बाद मिली छुट्टी

जेवर (शिखर समाचार)। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेता उमा भारती की तबीयत सोमवार देर रात अचानक बिगड़ गई। वह वृंदावन से दर्शन कर दिल्ली लौट रही थीं। इसी दौरान यमुना एक्सप्रेसवे पर जेवर टोल से पहले टप्पल क्षेत्र में उन्हें अस्वस्थता महसूस होने लगी। स्थिति गंभीर होते देख उनके साथ चल रहे सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही टप्पल पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें तत्काल जेवर स्थित एक निजी चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों की निगरानी में पूरी रात उनका उपचार चलता रहा। मंगलवार सुबह स्वास्थ्य में सुधार होने पर चिकित्सकों ने उन्हें छुट्टी दे दी। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधि एवं परिचित उनका हालचाल जानने अस्पताल पहुंचे। इनमें

संजय शर्मा, शशांक सिंह, नीरज गोयल (पूर्व मंडल अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी), अमित कौशिक, विकास चौधरी (खेरली) एवं अंकित जैन सहित अन्य लोग शामिल रहे। चिकित्सकों के अनुसार अब उनकी स्थिति सामान्य है और किसी प्रकार की चिंता की बात नहीं है।

फेलिक्स के सहयोग से पारस टियरा में मेडिकल रूम का पुनः शुभारंभ

नोएडा (शिखर समाचार)। सेक्टर-137 स्थित पारस टियरा सोसाइटी में स्वास्थ्य सुविधाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक अहम पहल के तहत मेडिकल रूम का पुनः शुभारंभ किया गया। फेलिक्स हॉस्पिटल के सहयोग से शुरू हुई इस सुविधा का उद्देश्य सोसाइटी निवासियों को त्वरित और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है।

इस अवसर पर फेलिक्स हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ डीके गुप्ता ने कहा कि आज के शहरी जीवन में समय पर इलाज मिलना सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है। अक्सर छोटी समस्याएं समय पर ध्यान न मिलने के कारण गंभीर रूप ले लेती हैं। हमारा प्रयास है कि मरीजों को उनके घर के पास ही प्राथमिक और आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध हों, ताकि समय रहते उपचार शुरू हो सके। इस मेडिकल रूम को ह्यहम हर समय सतर्क रहते हैंह्ण की अवधारणा के साथ विकसित किया गया है। जिसका अर्थ है कि यह सुविधा हर समय मरीजों की सेवा के लिए तैयार रहेगी। कई मामलों में त्वरित प्रतिक्रिया ही जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर तय करती है। इसलिए 247 हेल्पलाइन और इमरजेंसी सेवाओं पर विशेष जोर दिया गया है। इस तरह की पहलें भविष्य में अन्य रिहायशी परिसरों में भी लागू की जाएंगी। शहरी क्षेत्रों में इस तरह के मेडिकल रूम की स्थापना एक सकारात्मक कदम है। इससे न केवल स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ती है, बल्कि इमरजेंसी के दौरान प्रतिक्रिया समय भी कम होता है, जो कई बार मरीज की जान बचाने में निर्णायक साबित होता है। हमारी प्राथमिकता मरीजों की सुरक्षा और सुविधा है। आने वाले समय में हम और भी ऐसे प्रोजेक्ट्स के माध्यम से लोगों के करीब स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम में सोसाइटी के निवासी, आरडब्ल्यूए प्रतिनिधि और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। इस दौरान मेडिकल रूम की सुविधाओं का निरीक्षण किया गया और स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर विस्तृत जानकारी साझा की गई। स्थानीय निवासियों ने इस सुविधा का स्वागत करते हुए कहा कि इससे उन्हें बड़ी राहत मिलेगी। खासकर अचानक बीमार होने या छोटे-मोटे स्वास्थ्य समस्याओं के लिए अब दूर अस्पताल जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। प्राथमिक उपचार, जांच और दवाइयां अब आसानी से उपलब्ध होंगी।

अंबेडकर जयंती पर शामली में निकली भव्य शोभायात्रा, कई स्थानों पर हुआ जोरदार स्वागत

शामली (शिखर समाचार)। शहर में गत वर्षों की भांति इस वर्ष भी संविधान के निमार्ता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के 135वें जन्मोत्सव पर अंबेडकर चौक, रोडवेज बस स्टैंड के निकट स्थित अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उपरांत शहर में एक विशाल शोभायात्रा निकाली गई, जिसका विभिन्न स्थानों पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

मंगलवार को अंबेडकर चौक से शोभायात्रा का शुभारंभ प्रमुख समाजसेवी कुशांक चौहान, चेयरमैन अरविन्द संगल और रालोद प्रदेश महासचिव विजय कौशिक ने संयुक्त रूप से किया। इससे पूर्व आयोजित विचार गोष्ठी में अतिथियों ने अंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके विचारों को आत्मसात करने का संदेश दिया। वक्ताओं ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर का जीवन संघर्ष, शिक्षा और समानता का प्रतीक है, जिसे अपनाकर समाज को सशक्त बनाया जा सकता है। समाजसेवी कुशांक चौहान ने शिक्षा के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि बच्चों को

शिक्षित करना और समाज को संगठित करना बेहद आवश्यक है। इसके बाद शोभायात्रा अंबेडकर प्रतिमा स्थल से प्रारंभ होकर विजय चौक, नौकुआ, बरखंडी, नंदू प्रसाद क्षेत्र, छात्रावास, बड़ी माता मंदिर, बीच की आल, बड़ी आल, बैंड मार्केट, भिक्की मोड़, शिव चौक, गांधी चौक, बड़ा बाजार, कबाड़ी बाजार, वीवी इंटर कॉलेज रोड, हनुमान रोड और बुढ़ाना रोड से होते हुए पुनः अंबेडकर प्रतिमा स्थल पर संपन्न हुई।

शोभायात्रा में विभिन्न आकर्षक झांकियां शामिल रहीं, जिनमें डॉ. भीमराव अंबेडकर, भगवान वाल्मीकि, संत रविदास, मीरा बाई और कबीर दास के जीवन प्रसंग दर्शाए गए। इसके अलावा अंबेडकर के माता पिता, अंबेडकर और रमाबाई, बौद्ध भिक्षु तथा सुसज्जित रथ भी शोभायात्रा का प्रमुख आकर्षण रहे। बैंड बाजों, ढोल नगाड़ों के साथ निकली इस यात्रा ने पूरे शहर में उत्साह का माहौल बना दिया।

शहर के बड़ी माता मंदिर रोड पर सभासद संदीप कुमार द्वारा शोभायात्रा का स्वागत किया गया तथा गर्मी से राहत के लिए श्रद्धालुओं को मीठा शर्बत वितरित किया गया।

इस अवसर पर मौहम्मद अनीस, प्रमोद सैनी, सागर कुमार, अरुण कुमार, राजेश कुमार, विकास कुमार सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

विपरीत परिस्थितियों में भी बच्चों को पढ़ाएं: मंत्री अनिल कुमार

खतौली/मुजफ्फर नगर (शिखर समाचार)। नगरपालिका परिसर में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रदेश मंत्री अनिल कुमार ने फीता काटकर किया। अपने संबोधन में मंत्री अनिल कुमार ने कहा कि देश का संविधान सभी धर्मों और जातियों को समान अधिकार और सम्मान देता है। उन्होंने समाज से ऊंच-नीच और भेदभाव की भावना को समाप्त करने का आह्वान करते हुए कहा कि यह हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों की शिक्षा पर जोर देते हुए कहा कि विपरीत परिस्थितियों में भी बच्चों की पढ़ाई नहीं रुकनी चाहिए। शिक्षा ही वह माध्यम है, जो बच्चों को बौद्धिक रूप से सशक्त बनाकर उन्हें प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ाती है। कार्यक्रम के उपरांत नगरपालिका परिसर से एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और बाबा साहेब के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में एडवोकेट नवाब सिंह, जयपाल सिंह, डॉ. जोशी, महेन्द्र सिंह सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे। वहीं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। एएसपी रामाशीष यादव और एसएचओ दिनेश बघेल के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात रहा, जिससे कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

बोल्डर्स क्लासिक 2026: वशिष शर्मा ने पहले दिन बनाई बढ़त, कोर्स रिकॉर्ड भी किया अपने नाम

हैदराबाद (शिखर समाचार)। हैदराबाद के 19 वर्षीय उभरते गोल्फ खिलाड़ी वशिष शर्मा ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए बोल्डर्स क्लासिक 2026 के उद्घाटन दिन सात अंडर 65 का बेहतरीन स्कोर बनाया और प्रतियोगिता में एक शॉट की बढ़त हासिल कर ली। एक करोड़ रुपये की इनामी राशि वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का आयोजन हैदराबाद स्थित बोल्डर हिल्स गोल्फ एंड कंट्री क्लब में किया जा रहा है।

वशिष शर्मा का 65 का स्कोर इस कोर्स का नया रिकॉर्ड भी साबित हुआ। उनके इस शानदार राउंड में पार-5 के 14वें होल पर एक बेहतरीन ईगल, छह बर्डी और केवल एक बोगी शामिल रही। खासतौर पर 14वें होल पर किया गया उनका प्रदर्शन निर्णायक रहा, जहां उन्होंने सटीक शॉट लगाकर गेंद को लगभग 10 फीट के दायरे में पहुंचाया और शानदार पट के साथ ईगल हासिल किया।

दो बार के डीपी वर्ल्ड टूर विजेता शुभांकर शर्मा ने भी बेहतरीन खेल दिखाते हुए छह अंडर 66 का स्कोर बनाया और दिल्ली के खिलाड़ी विनय कुमार यादव के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे। यह मुकाबला शुभांकर शर्मा के लिए भी खास रहा, क्योंकि उन्होंने दिसंबर 2021 में जमशेदपुर में आयोजित टूर चैंपियनशिप के बाद इस प्रतियोगिता में वापसी की है।

पिछले वर्ष पेशेवर गोल्फ में कदम रखने वाले वशिष शर्मा ने वर्ष 2025

में पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में 44वां स्थान प्राप्त किया था। इस बार उन्होंने अपने घरेलू मैदान की परिस्थितियों का पूरा लाभ उठाते हुए आत्मविश्वास से भरा प्रदर्शन किया। अपने खेल के बारे में वशिष शर्मा ने बताया कि शुरूआत में उन्होंने संयम बनाए रखा और सही स्थान पर गेंद पहुंचाने पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने कहा कि 14वें होल पर मिला ईगल उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने में निर्णायक साबित हुआ। इसके बाद उन्होंने अपनी लय को बरकरार रखते हुए 10 से 15 फीट की दूरी से मिले अवसरों को भुनाया और सटीक पट लगाकर स्कोर को बेहतर किया। टूर्नामेंट के पहले दिन के इस प्रदर्शन ने वशिष शर्मा को खिताब के मजबूत दावेदार के रूप में स्थापित कर दिया है और आगे के राउंड में उनसे इसी तरह के दमदार खेल की उम्मीद की जा रही है।

डॉ अंबेडकर ने हर वर्ग को समान अधिकार प्रदान किए: सोनू कश्यप

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर कस्बे में विभिन्न स्थानों पर श्रद्धा एवं उत्साह के साथ कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस दौरान भव्य शोभायात्रा भी निकाली गई, जिसमें सामाजिक संगठनों और श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा जगह जगह प्रसाद वितरण किया गया। कस्बा निवासी समाजसेवी डॉ सोनू कश्यप सहित अन्य गणमान्य लोगों ने अंबेडकर चौक पहुंचकर डॉ अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर डॉ सोनू कश्यप ने कहा कि बाबा साहब ने अपने जीवन भर सामाजिक न्याय और समानता के लिए संघर्ष किया। उन्होंने देश को ऐसा संविधान दिया, जिसने हर वर्ग को समान अधिकार

प्रदान किए। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि युवा देश का भविष्य हैं और उन्हें बाबा साहब के आदर्शों पर चलते हुए समाज में व्याप्त असमानता को दूर करने के लिए आगे आना चाहिए। अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में महावीर चौक, कांधला रोड, डीएवी पब्लिक रोड, दयानंद चौक एवं मुख्य बाजार मार्गों से होते हुए सुंदर झांकियों के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया, जिससे पूरा वातावरण उत्सवमय हो गया। इस दौरान सतीश भारती, शेखर कुमार, अनुज जाटव, विशाल पाल, सुनील सागर, मुकेश कश्यप (नानू), रामधन, जगत सिंह सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

संपादकीय

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे: विकास की रफ्तार या नई चुनौतियों की शुरूआत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 14 अप्रैल 2026 को दिल्ली देहरादून एक्सप्रेस वे का उद्घाटन केवल एक इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना का शुभारंभ नहीं है, बल्कि यह भारत के बदलते विकास मॉडल की एक बड़ी तस्वीर भी प्रस्तुत करता है। यह एक्सप्रेस वे राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली को उत्तराखंड की राजधानी देहरादून से जोड़ते हुए यात्रा समय को लगभग आधा कर देता है, जो निस्संदेह आर्थिक, सामाजिक और पर्यटन की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। लेकिन इस उपलब्धि के साथ कुछ गंभीर सवाल और चुनौतियाँ भी जुड़ी हुई हैं, जिन पर विचार करना उतना ही आवश्यक है जितना कि इस परियोजना की सराहना करना।

दिल्ली देहरादून एक्सप्रेस वे को अत्याधुनिक तकनीकों के साथ तैयार किया गया है, जिसमें वन्यजीवों के लिए विशेष कॉरिडोर, ग्रीन हाईवे के मानक, और बेहतर सुरक्षा प्रबंधन शामिल हैं। यह परियोजना न केवल यातायात को सुगम बनाएगी, बल्कि दिल्ली और उत्तराखंड के बीच व्यापारिक गतिविधियों को भी गति देगी। खासतौर पर पर्यटन उद्योग को इससे बड़ा लाभ मिलने की उम्मीद है, क्योंकि अब देहरादून और आसपास के हिल स्टेशनों तक पहुंचना पहले से कहीं अधिक आसान और तेज हो जाएगा। सरकार का यह दावा है कि यह एक्सप्रेस वे न्यू इंडिया के विजन का हिस्सा है, जहां बुनियादी ढांचे का विस्तार विकास की रीढ़ बन रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत में एक्सप्रेस वे और हाईवे निर्माण की गति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो देश की आर्थिक प्रगति को दशार्ती है। इस दृष्टि से देखा जाए तो दिल्ली देहरादून एक्सप्रेस वे एक प्रतीकात्मक परियोजना है, जो यह दिखाती है कि भारत अब वैश्विक स्तर पर आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के मामले में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

हालांकि, इस विकास के साथ पर्यावरणीय संतुलन का मुद्दा भी उतनी ही मजबूती से सामने आता है। एक्सप्रेस-वे के निर्माण के दौरान बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई और वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों पर प्रभाव को लेकर पर्यावरणविदों ने चिंता जताई है। भले ही सरकार ने वन्यजीव कॉरिडोर और हरित उपायों का दावा किया हो, लेकिन यह देखना जरूरी होगा कि इन उपायों का वास्तविक प्रभाव कितना कारगर साबित होता है। विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाना आज के समय की सबसे बड़ी चुनौती है, और इस परियोजना को उसी कसौटी पर परखा जाएगा।

इसके अलावा, तेजी से बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर का एक सामाजिक पहलू भी है। बड़े प्रोजेक्ट्स के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया अक्सर स्थानीय समुदायों के लिए कठिनाइयों का कारण बनती है। कई बार मुआवजा और पुनर्वास की व्यवस्थाएं पर्याप्त नहीं होतीं, जिससे लोगों में असंतोष पैदा होता है। दिल्ली देहरादून एक्सप्रेस वे के संदर्भ में भी यह सवाल उठता है कि क्या प्रभावित लोगों को न्यायपूर्ण और संतोषजनक समाधान मिला है या नहीं। विकास की असली कसौटी यही है कि वह कितनी समावेशी है और समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलती है।

एक और महत्वपूर्ण पहलू सड़क सुरक्षा का है। भारत में सड़क दुर्घटनाएं एक गंभीर समस्या बनी हुई हैं। एक्सप्रेस वे जैसे हाई स्पीड कॉरिडोर पर दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ जाती है, यदि उचित निगरानी और नियमों का पालन न हो। इसलिए यह जरूरी है कि इस एक्सप्रेस वे पर अत्याधुनिक ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम, सख्त नियमों का पालन और जागरूकता अभियान भी समानांतर रूप से चलाए जाएं। राजनीतिक दृष्टिकोण से भी यह परियोजना महत्वपूर्ण है। चुनावी माहौल में इस तरह की बड़ी परियोजनाएं सरकार की उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत की जाती हैं। लेकिन लोकतंत्र में यह आवश्यक है कि जनता केवल उद्घाटन और घोषणाओं से आगे बढ़कर इन परियोजनाओं के वास्तविक प्रभाव का मूल्यांकन करे। क्या यह एक्सप्रेस-वे आम नागरिक के जीवन को बेहतर बनाएगा? क्या इससे क्षेत्रीय असमानताएं कम होंगी? ये सवाल समय के साथ ही स्पष्ट होंगे।

~ मौलिक चिंतन ~

जो कभी किसी का नहीं हुआ होता, वह भी यही चाहता है कि सब उसके हो जाएं।

~~~~~~~~~

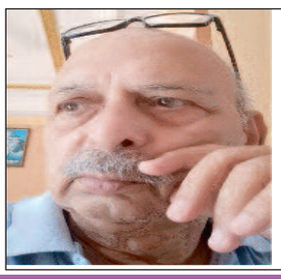

© विनय संकोची

कैनवास पर जिंदगी: जब कला और नवाचार बनते हैं बदलाव की भाषा

दिलीप कुमार पाठक

कहते हैं कि कोरे कागज पर जब पहली बार कोई टेढ़ी-मेढ़ी लकीर खींची जाती है, तो वह महज एक आकृति नहीं होती, बल्कि इंसान के भीतर पल रहे एक विचार का पहला भौतिक जन्म होता है। वह पहली लकीर गवाह होती है उस छटपटाहट की, जो कुछ नया रचने के लिए हमारे भीतर हमेशा मचलती रहती है। आज का समय केवल सूचनाओं का नहीं, बल्कि उन सूचनाओं को खूबसूरती से पेश करने और उनसे नए रास्ते तलाशने का है। कला और नवाचार, ये दो ऐसे शब्द हैं जो सुनने में तो अलग-अलग क्षेत्रों के लगते हैं, लेकिन असल में ये एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। कला जहाँ हमें संवेदनाओं से भरती है, वहीं नवाचार उन संवेदनाओं को समाधान में बदल देता है।

भारतीय परिदृश्य में देखें तो कला कभी भी केवल दिखाने या सजाने की वस्तु नहीं रही, बल्कि यह हमारे जीवन जीने का एक अभिन्न ढंग रही है। हमारे देश के गाँवों की कच्ची दीवारों पर जब कोई महिला बिना किसी औपचारिक डिग्री के अपनी उंगलियों से मधुबनी या वरली के जरिए सदियों का इतिहास उकेर देती है, तो वह उसकी रचनात्मकता का शिखर होता है। दक्षिण के मंदिरों की वह बारीक नक्काशी हो या बनारस के घाटों पर सुबह की पहली किरण के साथ गूँजती शास्त्रीय बंदिशें, हमारी हर परंपरा में एक इनोवेशन छिपा रहा है। हमने मिट्टी से घड़ा बनाया तो वह हमारी जरूरत थी, लेकिन उसी घड़े को जब एक खास शक्ल दी गई ताकि पानी शीतल रहे और देखने वाले की आँखों को भी सुकून मिले, तो वह कला और विज्ञान का अद्भुत संगम बन गया। दुनिया भर में हर साल 15 अप्रैल को विश्व कला दिवस के रूप में मनाया जाता है, जो महान खोजी और कलाकार लियोनार्डो दा विंची की याद दिलाता है। दा विंची एक ऐसे शख्सियत थे जिन्होंने सदियों पहले यह साबित कर दिया था कि एक कलाकार के भीतर ही एक वैज्ञानिक और एक इंजीनियर छिपा होता है। भारत में भी आज इसी सोच को नए सिरे से परिभाषित करने की जरूरत है। आज जब पूरी दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी मशीनी दिमाग के बढ़ते प्रभाव से सहमी हुई है, तब मानवीय संवेदनाओं वाली कला की अहमियत और बढ़ गई है। मशीनें करोड़ों आंकड़े जुटा सकती हैं, वे गणना कर सकती हैं, लेकिन वे उस एहसास को जन्म नहीं दे सकतीं जो एक कलाकार की मौलिक सोच से उपजता है। मशीन कभी भी उस दर्द, उस संघर्ष या उस निस्वार्थ मुस्कान को कैनवास पर वैसे नहीं उतार सकती, जैसा एक इंसान अपनी जिंदगी के अनुभवों से निचोड़कर लाता है।

बदलते भारत में अब कला और तकनीक का एक नया और गहरा रिश्ता बनता दिख रहा है। यह बदलाव की एक नई भाषा है। आज का युवा अपनी पारंपरिक विरासत को छोड़ नहीं रहा, बल्कि उसे तकनीक के पंख लगा रहा है। जब एक बुनकर सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म का सहारा लेकर अपनी साड़ियों के डिजाइन सीधे वैश्विक बाजार तक पहुँचाता है, तो वह अपनी विरासत को नया जीवन दे रहा होता है। यह नवाचार ही है जो हमारी मरती हुई कलाओं को ऑक्सीजन दे रहा है। हमें यह समझना होगा कि नयापन या इनोवेशन कोई रॉकेट साइंस नहीं है, बल्कि यह अपने पुराने काम को थोड़े अलग और बेहतर तरीके से करने का साहस है। शिक्षा के क्षेत्र में भी हमें इसी नजरिए की दरकार है। अक्सर हम बच्चों को तयशुदा ढर्रे पर चलाने की होड़ में उनके भीतर के सृजनात्मक पक्ष को नजरअंदाज कर देते हैं। हम उन्हें डॉक्टर या इंजीनियर तो बनाना चाहते हैं, लेकिन एक रचनात्मक इंसान बनाना भूल जाते हैं। हमें ऐसे समाज और ऐसी शिक्षा पद्धति की जरूरत है जहाँ लीक से हटकर सोचने को न केवल स्वीकार किया जाए, बल्कि उसे प्रोत्साहित भी किया जाए। यदि कोई बच्चा गणित के उलझे हुए सवालों को किसी धुन या चित्र के जरिए हल करता है, तो वह भविष्य के एक बड़े नवाचारी बनने की राह पर है।

अंततः, हमें कला को केवल दीघाओं या ड्राइंग रूम की सजावट तक सीमित नहीं रखना चाहिए। चाहे आप एक शिक्षक हों, खेत में पसीना बहाता किसान हों, घर संभालती गृहणी हों या कंप्यूटर पर कोडिंग करता सॉफ्टवेयर इंजीनियर-अपने काम को करने का आपका जो अपना मौलिक और बेहतर तरीका है, वही आपकी असली कला है। भारत की असली ताकत यहाँ के लोगों के हुनर और उनकी सांस्कृतिक विविधता में है। जब हम अपनी इस कलात्मक सोच को आधुनिक तकनीक और नए विचारों से पूरी तरह जोड़ देंगे, तभी एक ऐसे समाज का निर्माण होगा जहाँ हर हाथ में कौशल होगा और हर दिमाग में एक नया विचार। आइए, इस रचनात्मकता के सप्ताह को अपनी जिंदगी के कोरे कैनवास पर नए रंग भरने और समाज में एक सार्थक बदलाव लाने की शुरूआत बनाएं।

धोखा फरेब नाकामी की पटकथा रही इस्लामाबाद वार्ता

मनोज कुमार अग्रवाल

करीब डेढ़ महीने से से अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए पाकिस्तान की मध्यस्थता में हुई इस्लामाबाद वार्ता बेनतीजा खत्म हो गई। 21 घंटे की चर्चा के बावजूद ईरान और अमेरिका में आपसी सहमति नहीं बन पाई तो अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपने लाव-लश्कर के साथ अमेरिका वापस लौट गए और जाते-जाते कह गए कि यह ईरान के लिए बुरी खबर है कि कोई समझौता नहीं हुआ। लेकिन जो ईरान 28 फरवरी को अपने सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामनेई की शहादत से लेकर मिनाब में डेढ़ सौ बच्चियों की जान जाने तक कई बुरी खबरों को झेलकर भी अपनी शर्तों पर टिका हुआ है, उसे अमेरिका भला एक वार्ता के विफल होने से क्या हिला पाएगा। असल में तो इस्लामाबाद वार्ता की असफलता अमेरिका के लिए बुरी खबर है, क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य की चाबी अब भी ईरान के हाथ में ही है और इससे भी बढ़कर उसके पास सिर न झुकाने का जो जज्बा है, वो अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप के पास नहीं है। ट्रंप नेतन्याहू की मर्जी से युद्ध छेड़ते हैं और समझौता भी नहीं कर पाते, क्योंकि नेतन्याहू ऐसा नहीं चाहते।

आपको बता दें बीते दिनों न्यूयार्क टाइम्स ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसमें बताया गया कि बेंजामिन नेतन्याहू 11 फरवरी को अमेरिका में थे, जहां उन्होंने ट्रंप के सामने एक पूरी रणनीति बताई थी कि ईरान पर हमला करना चाहिए, क्योंकि वह अभी कमजोर है। इससे ईरान में सत्ता बदली जा सकती है और उसके संसाधनों पर कब्जा भी किया जा सकता है। नेतन्याहू ऐसे ही प्रस्ताव पहले बराक ओबामा, जो बाइडेन और जार्ज बुश को भी दे चुके थे, लेकिन इन तीनों राष्ट्रपतियों ने अपने कार्यकाल में ऐसा कोई फैसला नहीं लिया। यह खुलासा पूर्व विदेश मंत्री जॉन केरी ने हाल ही में किया है। लेकिन डोनाल्ड ट्रंप नेतन्याहू की बात मानने को मजबूर हो गए। क्या इसके पीछे एपस्टीन फाइल्स के खुलासे हैं, इस सवाल का जवाब अभी मिलना बाकी है। बहरहाल, यह वार्ता बेनतीजा रही, क्योंकि एक तरफ इजरायल लेबनान पर अपने हमले नहीं रोक रहा था, जबकि ईरान की 10 शर्तों में यह एक अहम शर्त थी कि लेबनान पर हमले रुकने चाहिए। दूसरी तरफ अमेरिका ने भी अपने रुख में इंच भर का बदलाव नहीं दिखाया।

अमेरिका-ईरान वार्ता बिना नतीजे के खत्म हो गई. लेकिन बातचीत के नाम पर असली फायदा डोनाल्ड ट्रंप ने उठाया है. अमेरिका ने होर्मुज में माइंस हटाने वाले जहाज भेज दिए हैं. वहीं पाकिस्तान ने भी सऊदी अरब में जेट भेजे हैं. इससे यह सवाल उठ रहा है कि क्या बातचीत के नाम पर ईरान पर दबाव बनाने की रणनीति अपनाई गई. कहीं बातचीत में उलझाकर उसे फिर से धोखा तो नहीं दिया गया। क्योंकि बातचीत के बीच ही अमेरिका ने माइंस हटाने के लिए अपने दो सैन्य जहाजों को होर्मुज के पार ईरान के पास भेज दिया है. करीब 21 घंटे तक चली मैराथन बातचीत के बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस को खाली हाथ लौटना पड़ा. वेंस ने साफ कहा कि अमेरिका ने अपनी ह्यरेड लाइनह्व बता दी थी, लेकिन ईरान ने उन्हें मानने से इनकार कर दिया. दूसरी तरफ ईरान का आरोप है कि अमेरिका ने जरूरत से ज्यादा शर्तें थोप दीं और बातचीत को संतुलित नहीं रखा.

यहां यह भी गौरतलब है कि दोनों पक्षों के बीच 5 अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। इनमें होर्मुज जलडमरूमध्य, परमाणु कार्यक्रम, युद्ध की भरपाई, ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाना और ईरान के खिलाफ तथा पूरे क्षेत्र में चल रहे युद्ध को पूरी तरह खत्म करने जैसे विषय शामिल रहे। लेकिन इन मुद्दों पर सहमति नहीं बन पाई। अमेरिका न ईरान पर लगे प्रतिबंध हटाने के लिए तैयार हुआ, न उसने होर्मुज पर अपना रुख साफ किया। दरअसल पिछले दस दिनों में ही ट्रम्प दो बिल्कुल अलग-अलग बातें कह चुके हैं। पहले उन्होंने कहा था कि होर्मज में अमेरिका की कोई खास दिलचस्पी नहीं है, अमेरिका को वहां से गुजरने वाले तेल की जरूरत नहीं है। फिर कुछ ही दिनों बाद उन्होंने कहा कि यह अमेरिका की मांगों का सबसे जरूरी हिस्सा है, और अगर इसे खुला नहीं रखा गया तो कोई बातचीत नहीं हो सकती। वैसे यह तय है कि होर्मुज बनारसमध्य पर अमेरिका अपना कब्जा चाहता है, क्योंकि ईरान ते इस पर न केवल नाकेबंदी की है, बल्कि अब शुल्क चिनेको एरुआत भी कर दी है और ट्रंप इससे बुरी तरह गए हैं। ईरानी संसद से मंजूरी मिलने के बाद अब नामिरिखोलूश्यनरी गाईस कॉर्पस को होर्मुज से गुजरने पाहा से शुल्क वसूलने का अधिकार मिल गया है। एक बेरल तेल पर एक डॉलर ईरान वसूलेगा, साथ ही क्रिप्टो करेंसी में भुगतान की व्यवस्था भी होगी, ताकि अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का कोई असर न पड़े। ईरान की इस रणनीति से उसे आर्थिक मजबूती मिलेगी, अमेरिका को इस बात का अहसास हो चुका है। इसलिए अब उसने फिर से अपने पत्ते फेंटने शुरू किए हैं, ताकि युद्ध को जायज ठहरा सके।

हालांकि इस युद्ध ने एक तरफ ईरान और खाड़ी देशों समेत पूरी दुनिया में घोर तबाही मचाई है, वहीं एक नयी वैश्विक व्यवस्था भी तैयार की है, जिसमें ईरान निस्संदेह एक आदर्श की तरह उभरा है। ईरान ने संदेश दे दिया है कि महाशक्ति की अवधारणा और उसके हौव्वे को आत्मबल से कैसे तोड़ा जा सकता है। अब अन्य देशों को भी यह प्रेरणा मिली है कि वे अमेरिकी शर्तों के आगे झुकने से इंकार करने की हिम्मत दिखाएं। पाकिस्तान ने सऊदी अरब में अपने फाइटर जेट तैनात कर दिए. यह तैनाती दोनों देशों के रक्षा समझौते के तहत की गई, लेकिन इसे ईरान के लिए एक सख्त संदेश के रूप में भी देखा जा रहा है. यह अमेरिका की दोहरी रणनीति थी ताकि एक तरफ बातचीत के जरिए समाधान का दिखावा किया जाए, दूसरी तरफ सैन्य दबाव बनाकर अपनी शर्तें मनवाई घटनाक्रम की तुलना 28 फरवरी की उस घटना से भी की जा रही है, जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमला किया था. यह हमला ऐसे समय में किया गया था जब दोनों देशों के बीच बातचीत चल रही थी. जब किसी को हमले की उम्मीद नहीं थी तब ईरान पर अटैक हुआ, जिसमें सुप्रीम लीडर अली खामेनेई मारे गए. इस बात का खतरा पहले से था कि कहीं अमेरिका बातचीत के बीच धोखा न दे दे वही हुआ अब ईरान को और मजबूती से खड़े होने की जरूरत होगी।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सूरों की आशा बनकर गूंजती रहेगी आशा भोसले

ललित गर्ग

आशा भोसले की आवाज में केवल स्वर नहीं, बल्कि एक दिव्य स्पंदन, एक अदृश्य करिश्मा और साधना की सिद्धि निहित थी। वह स्वर कभी श्रृंगार की मधुरता बनकर मन को मोह लेता, तो कभी विरह की वेदना बनकर आत्मा को छू जाता। उन्होंने अपने गायन के माध्यम से भारतीय संगीत को केवल सरस और मनोरंजक ही नहीं, बल्कि अर्थपूर्ण, भावपूर्ण, आध्यात्मिक और प्रेरणादायी बनाया। उनके गीतों में जीवन का दर्शन, संवेदना की गहराई और आत्मिक स्पर्श एक साथ विद्यमान रहता था।

भारतीय संगीत का आकाश आज कुछ अधिक मौन, कुछ अधिक रिक्त प्रतीत होता है। स्वर की वह चंचल चिड़िया, जन-जन को चमत्कृत करने वाली आवाज जिसने दशकों तक हर हृदय में मधुरता के बीज बोए, आज भले ही भौतिक रूप से हमारे बीच न हो, पर उसकी गूंज अनंत में विलीन होकर भी अमर बनी हुई है। आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, वे भारतीय आत्मा की वह स्वर-लहरी थीं, जो हर संस्कृति, हर भावना और हर युग में अपनी उपस्थिति दर्ज कराती रही। वे एक बेमिसाल गायिका, अनगिनत लोगों की आशा एवं अभिलाषा की करिश्माई आवाज बनकर करीब 12000 गीतों का सृजन कर विश्व रिकार्ड बनाया। हृदयाघात के कारण उनका जाना केवल एक कलाकार का जाना नहीं, बल्कि भारतीय संवेदना के एक पूरे युग का अवसान है, परंतु यह अवसान भी किसी अंत का नहीं, बल्कि उस अमरत्व का संकेत है जहाँ कलाकार अपने शरीर से परे होकर अपनी कृति में जीवित रहता है। 'अभी न जाओ छोड़ कर' जैसे गीत आज करोड़ों हृदयों की सच्ची पुकार बन गए हैं। जिनकी आवाज ने विरह को भी मधुर बना दिया, आज उन्हीं के बिछोह में संसार भाव-विह्वल है। आशा जी की आवाज में एक अद्भुत जीवंतता थी, वह कभी किशोरी की चंचलता बन जाती तो कभी विरहिणी की करुण पुकार। उनके गीतों में जीवन की सम्पूर्णता समाहित थी-हंसी, आंसू, प्रेम, पीड़ा, श्रृंगार और भक्ति का ऐसा समन्वय जो दुर्लभ है। यही कारण है कि उनकी गूंज केवल भारत तक सीमित नहीं रही, बल्कि विश्व के अनेक देशों में लोग उनके गीतों को गुनगुनाते रहे। यदि भारतीय संगीत को एक महासागर माना जाए तो आशा भोसले उसमें बहती वह नदी थीं, जिसने हर शैली को अपने भीतर समेट लिया। क्लासिकल से लेकर पॉप, जैज से लेकर गजल और कव्वाली तक, उन्होंने हर विधा में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी। यह मानना कठिन है कि एक ही स्वर इतनी विविधताओं को इतनी सहजता से व्यक्त कर सकता है, पर आशाजी ने इसे संभव कर दिखाया। वे केवल गाती नहीं थीं, वे हर गीत को जीती थीं और यही कारण है कि उनके गीत केवल ध्वनि नहीं बल्कि अनुभूति बन जाते थे।

8 सितंबर 1933 को जन्मी आशाजी ने संगीत को साधना के रूप में जिया। लता मंगेशकर जैसी विराट प्रतिभा की छाया में अपनी अलग पहचान बनाना सरल नहीं था। अनेक प्रतिभाएँ उस छाया में दबकर गुमनामी में खो गईं, पर आशाजी ने संघर्ष को अपनी शक्ति बनाया। पिता दीनानाथ मंगेशकर से मिली संगीत की विरासत को उन्होंने अपने परिश्रम और साहस से विस्तार दिया। निजी जीवन के उतार-चढ़ाव, सामाजिक दबाव और प्रतिस्पर्धा के बीच भी उन्होंने अपने स्वर की लौ को कभी मंद नहीं होने दिया। ओ.पी. नैयर जैसे संगीतकारों के साथ उनका जुड़ाव उनके करियर का निर्णायक मोड़ बना और उसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। उनकी उपलब्धियाँ केवल लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहीं। ग्रेमी अवार्ड से सम्मानित होना, पद्म विभूषण प्राप्त करना और गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड में सर्वाधिक गीत गाने का रिकॉर्ड दर्ज कराना, यह सब उनकी दीर्घ साधना और असाधारण प्रतिभा के प्रमाण हैं। परंतु इन सबसे बढ़कर उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि वह प्रेम है, जो उन्हें श्रोताओं से मिला और जो आज भी उनके गीतों के माध्यम से जीवित है।

आशा जी के गीतों की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे समय की सीमाओं को लांघ जाते हैं। 'पिया तू अब तो आजा', 'दम मारो दम', 'चुरा लिया है तुमने', 'दिल चीज क्या है' जैसे अनगिनत गीत आज भी उतने ही ताजगी भरे लगते हैं जितने अपने समय में थे। उनके गीतों में केवल संगीत नहीं, बल्कि एक जीवंत आत्मा थी, जो हर शब्द को अर्थपूर्ण बना देती थी और उसे कालजयी बना देती थी। संगीत उनके लिए केवल कला नहीं, जीवन का श्वास था। जैसे बिना सांस के जीवन असंभव है, वैसे ही बिना संगीत के जीवन नीरस और अर्थहीन हो जाता है। उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से यह सिद्ध किया कि संगीत केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि आत्मा का पोषण है। उनके हर गीत में कहीं न कहीं ईश्वर की स्तुति, जीवन की सार्थकता और भावनाओं की पवित्रता का स्पर्श मिलता है।

आज जब हम उन्हें स्मरण करते हैं, तो यह अनुभव होता है कि उनका जाना केवल एक व्यक्ति का जाना नहीं, बल्कि एक युग का समापन है। मो. रफी, मुकेश और किशोर कुमार के बाद आशा भोसले का जाना भारतीय संगीत की उस स्वर्णिम परंपरा के एक और दीप का बुझना है, जिसने इस देश की आत्मा को सुरों में पिरोया था। फिर भी यह भी उतना ही सत्य है कि ऐसे कलाकार कभी समाप्त नहीं होते, वे अपनी कृतियों में जीवित रहते हैं, अपने स्वरों में सांस लेते हैं और पीढ़ी दर पीढ़ी लोगों के हृदय में गूंजते रहते हैं। मोहन भागवत द्वारा व्यक्त श्रद्धांजलि इस सत्य को और गहराई देती है कि आशा भोसले केवल एक गायिका नहीं थीं, बल्कि भारत की सांस्कृतिक चेतना की प्रतीक थीं। उनका योगदान केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं था, बल्कि उन्होंने अपने गीतों के माध्यम से भारतीयता, संवेदनशीलता और जीवन के उत्सव को अभिव्यक्त किया। उनका जाना निस्संदेह एक अपूरणीय क्षति है, पर उनकी आवाज, उनकी लय, उनकी जीवंतता और उनकी आत्मा इस देश की माटी में सदैव गूंजती रहेगी। यही उनकी सच्ची अमरता है और यही हमारे लिए उनकी सबसे बड़ी विरासत है।

आशा भोसले का व्यक्तिगत जीवन जितना संघर्षमय रहा, उतना ही अदम्य साहस, जीवटता और आत्मविश्वास से भरा हुआ भी था। एक संगीत-साधक परिवार में जन्म लेकर उन्होंने बचपन से ही कठिन परिस्थितियों का सामना किया, परंतु हर चुनौती को उन्होंने अपनी शक्ति में रूपांतरित किया। लता मंगेशकर जैसी विराट विभूति की छाया में रहते हुए भी अपनी स्वतंत्र पहचान बनाना उनके असाधारण व्यक्तित्व का प्रमाण है। निजी जीवन के उतार-चढ़ाव, सामाजिक आलोचनाओं और पारिवारिक जटिलताओं के बीच उन्होंने कभी अपने आत्मबल को क्षीण नहीं होने दिया। उनकी जिंदादिली, बेबाकी, हाजिरजवाबी और जीवन के प्रति उत्सवधर्मी दृष्टिकोण उन्हें केवल एक कलाकार नहीं, बल्कि एक जीवंत प्रेरणा बनाते हैं। वे हर परिस्थिति में मुस्कराते हुए आगे बढ़ने की उस दुर्लभ कला की प्रतीक थीं, जो साधारण मनुष्यों को असाधारण बना देती है। आशाजी की प्रतिभा को तीन मुख्य संगीतकारों ने निखारा एवं संवारा, जिनमें ओ.पी.नैय्यर, रवि और आर.डी. बर्मन मुख्य है। उनका एक गीत मेरा कुछ सामान तुम्हारे पास पड़ा है, बहुत ही लोकप्रिय है, इसके लिये उन्हें नेशनल अवार्ड मिला था।

आशा भोसले की आवाज में केवल स्वर नहीं, बल्कि एक दिव्य स्पंदन, एक अदृश्य करिश्मा और साधना की सिद्धि निहित थी। वह स्वर कभी श्रृंगार की मधुरता बनकर मन को मोह लेता, तो कभी विरह की वेदना बनकर आत्मा को छू जाता। उन्होंने अपने गायन के माध्यम से भारतीय संगीत को केवल सरस और मनोरंजक ही नहीं, बल्कि अर्थपूर्ण, भावपूर्ण, आध्यात्मिक और प्रेरणादायी बनाया। उनके गीतों में जीवन का दर्शन, संवेदना की गहराई और आत्मिक स्पर्श एक साथ विद्यमान रहता था। उन्होंने हर शब्द में प्राण फूँककर उसे कालजयी बना दिया, जिससे संगीत केवल सुनने का विषय नहीं, बल्कि जीने का अनुभव बन गया। वास्तव में, आशा भोंसले वह अनंत स्वर-धारा थीं, जिन्होंने भारतीय संगीत को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाकर उसे वैश्विक चेतना में प्रतिष्ठित किया और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत बना दिया।
~~~~~~~~~

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

मित्रव्यवता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-4-5-7

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-3-5-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेहमानों का आगमन होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभांक-5-7-9

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-2-6-7

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

विवादों व मुकदमे बाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पायेंगें। भावनाओं में न बहें, सावधान रहें। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंग। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। मातृ पक्ष से विशेष लाभ। शुभांक-2-4-7

धनु ये यो मा मी मू धा फा ढा भे

मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-3-5-8

मकर मे जा जी खी खू खे खो गा गी

स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। शुभांक-3-6-9

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। किसी से निकटता प्रेम-प्रसंग में बदलेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-3-5-7

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। शुभांक-5-8-9

काकुरो पहेली - 3859

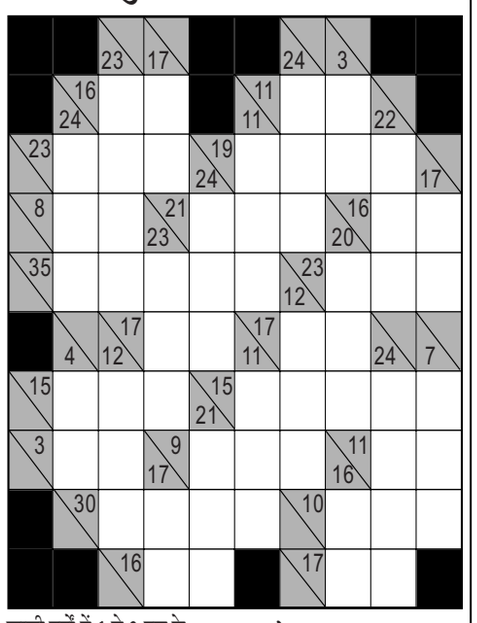

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

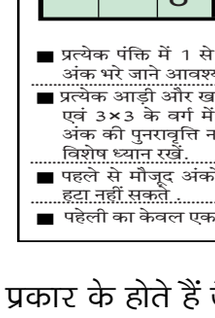

काकुरो - 3858 का हल

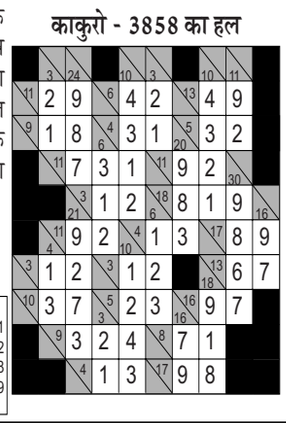

हंसी के फव्वारें

जज (चोर से) - तुम्हारी जेब में जो कुछ है, उसे निकालकर मेज पर रख दो.

चोर (जज से)- यह तो सरासर नाइंसाफी है हुजूर. माल का आधा-आधा होना चाहिए.

□ □ □

बबलू (मम्मी से) - मम्मी प्लीज ये रस्सी अपनी जीभ से काट दो.

मम्मी (बबलू से) - बेवकूफ रस्सी जीभ से कैसे कट सकती है?

बबलू (मम्मी से) - क्यों? कल ही तो पापा कह रहे थे कि आपकी जुबान कैंची की तरह चलती है.

□ □ □

युवा फिल्म अभिनेता (प्रेमिका से)- आज तक मुझसे शादी के सैकड़ों निवेदन किए जा चुके हैं.

प्रेमिका (अभिनेता से)- अच्छा, किस-किस ने निवेदन किया?

अभिनेता (प्रेमिका से) - 'मेरे मम्मी और डैडी ने.' अभिनेता मुस्कराते हुए बोला.

□ □ □

एक छाताधारी सैनिक से उनके अफसर ने पूछा, 'तुमने कितनी बार हवाई जहाज से छलांग लगाई है.'

'केवल एक बार.' सैनिक ने कहा.

'लेकिन तुम्हारे सर्विस रिकार्ड मे तो पन्द्रह बार लिखा हुआ है.'

'शेष चौदह बार तो मुझे धकेला गया था.' सैनिक ने कहा.

फिल्म वर्ग पहेली- 3859

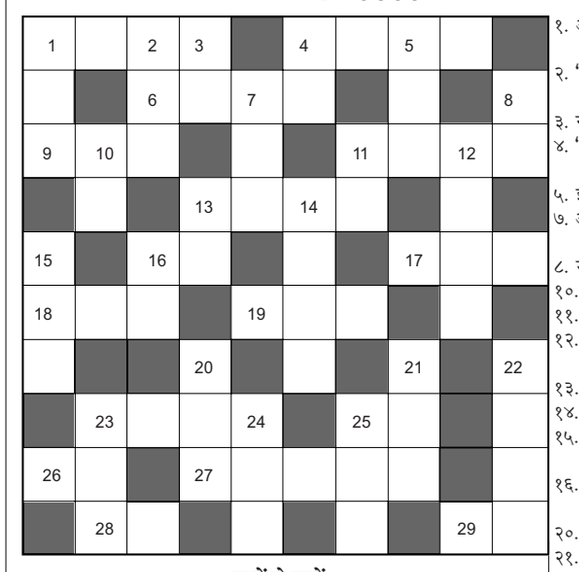

बायें से दायें:-

१. शाहरूख, अपूर्व अग्निहोत्री, महिमा की 'किसी रोज तुम से' गीत वाली फिल्म-४
४. 'हम बेवफा हरगिज न थे' गीत वाली धर्मेन्द्र, जीनत अमान की फिल्म-४
६. विनोद मेहरा, रीना राय की 'दिल का तोहफा लाई हूँ' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मुझे दुनियावलों शरबी' गीत वाली दिलीपकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
११. अजय, सैफ, विवेक, करीना, बिपाशा की 'बीड़ी जलई' गीतवाली फिल्म-४
१३. 'आ ये हसीना रात' गीत वाली जीतेंद्र, आदित्य, एकता की फिल्म-४
१६. अक्षयकुमार, रवीना की 'क्यूं आँचल हमारा गिरा जा' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'आँखों से दिल में' गीत वाली फराज खान, सुमन रंगनाथन की फिल्म-३
१८. दिलीपकुमार, सायरा की 'सारे शहर में आपसा कोई' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'रात दुल्हन बनी चाँद दूल्हा बना' गीत वाली जीतेंद्र, बिस्वजीत, माला सिन्हा, मुमताज की फिल्म-३
२३. धर्मेन्द्र, संजीव, शर्मिला की 'जिंदगी है क्या बोलो' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'दिल गम से' गीत वाली विजय, सुरैया की फिल्म जो सुरैया की अंतिम फिल्म थी-२
२६. संजयदत्त, उर्मिला की 'ओ भंवरे देखो हम दीवानों को' गीत वाली फिल्म-२
२७. आमिर, ममता कुलकर्णी की 'बाजी' में मुख्यमंत्री विश्वासराव चौधरी की भूमिका किसने की थी-२,३
२८. सनी, सुनील शेट्टी, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-२
२९. फिल्म 'सात रंग के सपने' में अरविंद स्वामी के साथ नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, शाहरूख, सुनील, रानी, जूही की फिल्म-३
२. 'दुनिया में ऐसा कहाँ सबका नसीब' गीत वाली फिल्म-३
३. नसीरूद्दीनशाह, पूजा भट्ट की फिल्म-२
४. 'आते जाते हुए मैं सब पे नजर' गीत वाली फिल्म-२
५. इंद्रकुमार, आयशा जुल्का की फिल्म-३
७. आर्यन वैद, सोनाली कुलकर्णी की मकरंद देशपांडे निर्देशित फिल्म-३
८. सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
१०. 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
११. अतीन भल्ला, संदली सिन्हा की फिल्म-२
१२. 'लम्हा लम्हा जिंदगी है' गीत वाली फिल्म-४
१३. मोहित अहलावत, निशा की फिल्म-२
१४. 'ये वादा करो चाँद' गीत वाली फिल्म-४
१५. मनोज बाजपेयी, रेखा, करिश्मा की फिल्म-३
१६. 'हम दर्द के मारों का इतना ही' गीत वाली फिल्म-२
२०. धर्मेन्द्र, संजीवकुमार, आशा की फिल्म-३
२१. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली फिल्म-३
२२. आफताब शिवदासानी, अमीषा पटेल, एशा देओल की फिल्म-४
२३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली फिल्म-३
२४. जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-३
२५. 'इंतहा हो गई इंतजार की' गीत वाली अमिताभ, जया प्रदा की फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3858

को	ह	ग		आँ	धी		आ	नं	द
ह		म		खें		जो	र	दा	र
ग	जा	जा	नी		ध	र	ती		मि
म		ने		क	र्मा			सा	या
	ग		आ		त्मा		सा	ज	न
ग	स्ते	प्या	र	के		श		औ	
	का		जू		मे	ग	ध	र	म
स	प	ने		दु	ला	ग		आ	ह
	त्थ		प्या				स	वा	ल
प्या	र	का	सा	या		सू	र	ज	

सूडोकु -3859

5		9		8	3	2		
	2		4					8
3	8		5	2	6	1		
	7						9	5
9		3	6		8	7		4
2	6						1	
		5	2	7	1	9	8	6
6					4	5	7	1
		8	9	6		4	3	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3858 का हल

8	2	5	3	6	7	9	1	4
4	6	1	8	9	2	3	7	5
3	7	9	1	5	4	6	8	2
1	3	7	4	2	9	5	6	8
6	5	2	7	1	8	4	9	3
9	8	4	6	3	5	1	2	7
2	4	6	9	8	3	7	5	1
5	1	3	2	7	6	8	4	9
7	9	8	5	4	1	2	3	6

शब्द पहेली - 3859

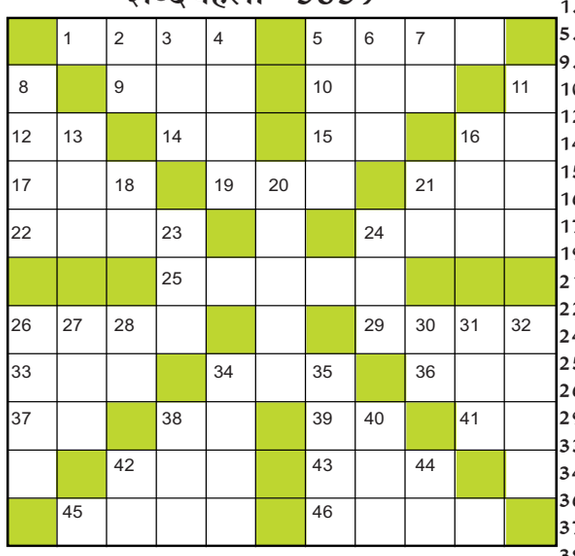

बाएँ से दाएँ

1.मूर्ख,बेवकूफ (उर्दू-4)
5.संपत्ति-4
9.कटि,पीठ -3
10.प्रणाम,नमस्कार-3
12.अधीन-2
14.पितामह-2
15.कार्य-2
16.पराजय-2
17.अच्छे कुल का-3
19.तरंग,हिलोर-3
21.एक प्रकार की दाल-3
22.ओस,रजनी जल(उर्दू-4)
24.गगन,आकाश-4
25.स्वच्छ करना-5
26.आश्चर्यजनक-4
29.जो लायक न हो-4
33.उल्टी,कै-3
34.रनिवास,जनवासा-3
36.पंक्ति,लाइन-3
37.सुर,लय,आलाप-2
38.दंड,शिक्षा-2
39.पराजय-2
41.झुका हुआ -2
42.कर्म,भाग्य-3
43.भार-3
45.भूल,गलती (उर्दू-4)
46.भाग्य,नसीब-4

ऊपर से नीचे

2.अधिकार-2
3.मां का दुलार-3
4.ताली की आवाज-4
5.अनुभवी-4
6.जुड़वा-3
7.दक्षिणा-2
8.राम के पुत्र-2,2
11.अभिलाषा,-4
13.क्रूस,सूली-3
16.पाचनशक्ति-3
18.ईसाई साध्वी-2
20.जीवनसाथी -5
21.गरबा,नृत्य-2
23.मालिश-3
24.दर्पण,शीशा-3
26.ईश्वर-4
27.बाग,गुलिस्तां-3
28.क्रिकेट में बनते हैं-2
30.दुलारा,पुत्र-2
31.भरोसा,विश्वास-3
32.करामात-4
34.शेविंग करना-4
35.हाथी साधने वाला-4
38.आसान,सीधा-3
40.कपड़े धोने वाला-3
42.बलगम-2
44.सरिता-2

शब्द पहेली -3858 का हल

	ज	हा	ल	त			नि	ड	र	
क	प		क्ष्य		आ	स	रा		मा	मा
ल			ही	र	क		ला			हि
प	रा	धी	न	ता		द		अ	सु	र
ना		र		लू	ट	मा	र		रे	
	सा	ज						सा	या	
	व		फि	त	र	त		ह		मा
का	न	न		ल		न	क	ब	ज	न
फि			व		शा	य	र			हा
र	वा		च	म	न		त		श	नि
	द	म	न			रो	ब	दा	र	

सिरदर्द का कारण जानें

सिरदर्द कई प्रकार के होते हैं जैसे- अधिक देर तक सोते रहने या कम समय सोने से, नींद पूरी न होने के कारण भी सिरदर्द हो सकता है। कभी-कभी नींद के बीच-बीच में टूटने के कारण भी सिरदर्द होता है

सिरदर्द को अधिकतर लोग साधारण मानकर गंभीरता से नहीं लेते और सिरदर्द की गोली लेकर सोचते हैं कि उन्हें इससे छुटकारा मिल गया। ये दवाईयाँ दर्द तो समाप्त कर देती हैं, परंतु सिरदर्द के कारणों को नहीं समाप्त करतीं, इसलिए सिरदर्द के कारण को जानकर उस कारण को समाप्त करना बहुत जरूरी है।

सिरदर्द कई प्रकार के होते हैं जैसे- अधिक देर तक सोते रहने या कम समय सोने से, नींद पूरी न होने के कारण भी सिरदर्द हो सकता है। कभी-कभी नींद के बीच-बीच में टूटने के कारण भी सिरदर्द होता है।

- कभी-कभी गर्मी में अधिक व्यायाम कर लेने से भी सिरदर्द शुरू हो जाता है, क्योंकि व्यायाम करते वक्त ग्लूकोज की मात्रा मांसपेशियों द्वारा खर्च कर ली जाती है और मस्तिष्क को ग्लूकोज नहीं मिल पाता।
- दाँतों में दर्द के कारण भी सिरदर्द की शिकायत रहती है। दाँतों में कीड़ा लगने, अक्ल दाढ़ आने आदि से पूरे जबड़े में दर्द रहता है।
- तनाव का पहला लक्षण ही सिरदर्द है। इसके अतिरिक्त निराशा, नींद न आना, थका हुआ महसूस करना आदि भी तनाव के कारण होते हैं। आँखों के चश्मे के नंबर में बदलाव के कारण भी सिरदर्द होता है। जिन लोगों को आँखों का चश्मा न लगा हो और उन्हें सिरदर्द की शिकायत लगातार हो रही हो उन्हें नेत्र विशेषज्ञ के पास जाकर आँखों को दिखाना चाहिए व नजर कमजोर होने पर चश्मा लगाना चाहिए।
- कभी-कभी कुछ दवाईयाँ भी सिरदर्द का कारण होती हैं जैसे हृदय रोगों में ली जाने वाली दवाईयाँ व उच्च रक्तचाप होने पर ली जाने वाली दवाईयाँ।
- माइग्रेन ऐसा सिरदर्द है जो अधिकतर आनुवंशिक होता है। इसमें दर्द सिर के आधे हिस्से में होता है। इसका कारण किसी भोज्य पदार्थ से एलर्जी भी हो सकता है।
- अधिक जुकाम, मौसम में बदलाव, अधिक धूम्रपान आदि के कारण भी सिरदर्द की शिकायत रहती है।
- पूरा दिन किसी बंद कमरे में बिताने से शरीर को शुद्ध वायु नहीं मिल पाती। इस कारण से भी सिरदर्द हो सकता है।
- आज के कम्प्यूटर युग में जहाँ बच्चे से लेकर वृद्ध तक कई घंटों तक कम्प्यूटर के सामने बैठे रहते हैं, सिरदर्द एक आम बात है। अधिक देर तक टीवी देखने से भी सिरदर्द हो सकता है।

सिरदर्द का कारण जानने के लिए काफी समय लगता है। अगर आपको तनाव है तो अपने आपको उस तनावपूर्ण वातावरण से दूर रखने का प्रयास करें। बाजार में सिरदर्द की बहुत-सी दवाइयाँ उपलब्ध हैं लेकिन उनका प्रयोग डॉक्टर की सलाह लेकर ही करें। अगर सिरदर्द बिना किसी कारण के लगातार होता है तो एक्सरे या सीटी स्कैन डॉक्टर की सलाह अनुसार कराएँ।

कई बार आप दिन में कुछ नहीं खाते या व्रत रखते हैं तब भी सिरदर्द की शिकायत हो जाती है। कुछ भोज्य पदार्थ चाइनीज फूड, चॉकलेट, पिजा आइस्क्रीम आदि भी किसी-किसी को एलर्जी करते हैं और उन्हें इनके खाने के तुरंत बाद सिरदर्द शुरू हो जाता है। अगर आप कॉफी अधिक मात्रा में पीते हैं और फिर एकदम उसे छोड़ देते हैं तो भी सिरदर्द हो जाता है। नमक की अधिक मात्रा भी इसका एक कारण है। चाइनीज फूड में सोया सॉस का प्रयोग किया जाता है, जिसमें एक रसायन मोनो सोडियम ग्लूटमेट होता है, जो सिरदर्द का कारण होता है।

जिस भी भोज्य पदार्थ के कारण आपको सिरदर्द की शिकायत हो रही है उसे अपने भोजन से निकाल दें। सिरदर्द की कोई भी दवा लेने से पूर्व कारण को जानने का प्रयास करें और डॉक्टर से परामर्श लेते वक्त भी उन्हें बता दें कि आपका दर्द कौन से प्रकार का है ताकि वह आपको सही दवा दे सके।

हृदयाघात से बचाता है प्याज

रोजाना की खुराक व सब्जियों पर आधारित एक शोध में यह बात सामने आई है कि यदि रोजाना थोड़ी मात्रा में प्याज खाई जाए तो हृदयाघात को कई हद तक टाला जा सकता है। इंस्टीट्यूट ऑफ फूड रिसर्च की रिपोर्ट के मुताबिक चाय, प्याज, सेबफल, रेड वाइन,स्ट्रॉबैरी और चॉकलेट दिल को सुरक्षित बनाए रखने के लिए काफी उपयोगी हैं। इसी के साथ इनके सेवन से मोटापा कम करने में भी सहायता मिलती है। शोधकर्ता पॉल करुन ने बताया कि रोजाना यदि 100 से 200 ग्राम तक प्याज खाई जाए तो यह दिल की बीमारियों से लड़ने में ज्यादा कारगर साबित होगा।

बहरेपन के शिकार हो रहे हैं लोग

ताजा शोध के अनुसार यह बात सामने आई है कि दुनिया में लोग तेजी से बहरेपन का शिकार हो रहे हैं। यह बीमारी अचानक से सामने नहीं आई है, बल्कि आधुनिक उपकरणों के उपयोग ने इसे बढ़ावा दिया है।

बढ़ रही है समस्या

वर्ल्ड डीफनेस डे के ठीक पहले आई इस रिपोर्ट में यह बात सामने आई कि पूरी दुनिया में करीब 50 करोड़ लोग किसी न किसी रूप में बहरेपन के शिकार हैं। रिपोर्ट में इस बात का खुलासा किया गया है कि यह बीमारी युवाओं में ज्यादा तेजी से बढ़ रही है। ऐसा माना जा रहा है कि भारत में यह संख्या ज्यादा हो सकती है। यहाँ बधिरों की कुल संख्या 6.3 फीसदी है, जिनमें करीब 1 प्रतिशत लोगों ने अपने आस-पास बढ़ रहे शोर की वजह से सुनने की क्षमता गँवाई है। खासकर टेलिकॉलिंग एजेंसियों में काम करने वाले युवाओं में सुनने से संबंधित बीमारियाँ काफी तेजी से बढ़ रही है।

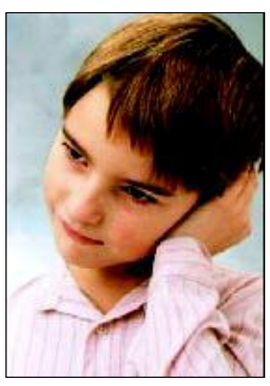

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

इंदौर बाजार भाव

इंदौर ।

दिसावरी मजबूती से मंगलवार को किराना जिंसों में हल्दी बाजार तेजी के रहे। सौंफ अच्छे मालों में मजबूत हुई। खाद्य तेलों में टिकाव रहा। अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा।

व्यापारिक सूत्रों के अनुसार हल्दी में मॉग का सीज़न है। दिसावरी बाजारों में मजबूती से भावों में सुर्खी है।

वहीं, सौंफ व जीरा भी मजबूती बनाए हुए है। खाद्य तेलों में टिकाव कायम है। अम्बेडकर जयंती के उपलक्ष्य में अनाज, दलहन व तिलहन मंडी में अवकाश रहा। भाव इस प्रकार रहे

किराना

शक्कर 4080-4180, खोपरा गोला 350-400, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 270-280, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बार्सो क 220-380,

राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 490-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीर्डो यम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820,

मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2350-2400, (160) 2700-2750, (200) 2550-2600, (250) 2650-2700

तेल

सींगदाना 1730-1750, मुम्बई 1760, राजकोट तेलिया 2730, सोया साल्वेंट 1460-1470, सोया रिफाइंड 1520-1530, कपास्या 1450, धूलिया 1460, कड़ी 1460,

रात की धारणा

गुजरात लुज 1700-1710, मुम्बई पाम 1450, मुम्बई सोया 1560,

खली

कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3725 (प्रति क्विंटल)

तिलहन

सरसो 7200-7300, रायडा 6200-6300, सोयाबीन 5600, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन

चना कांटेवाला बेस्ट 5500-5600, एवरेज 5550-5600, विशाल 5500-5550, महाराष्ट्र विशाल 5650-5675, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रर्शो यन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6000-6100, एवरेज 5600-5700, मूंग गर्मी बेस्ट 7700-8000, मूंग बोल्ड 8200-8400, एवरेज 6500-6700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7300, एवरेज 7000-7100, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7600-7800, महाराष्ट्र लाल 8000-8200, कर्नाटक 8100-8400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल चना

दाल एवरेज 7000-7200, मीर्डो यम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400,

तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

हाजिर कच्चा तेल 135 डॉलर, सौदे में 104 डॉलर प्रति बैरल

मुंबई ।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों को लेकर असामान्य स्थिति देखने को मिल रही है। हाजिर (स्पॉट) बाजार में कच्चा तेल 135 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है, जबकि वायदा सौदों में इसकी कीमत 104 डॉलर प्रति बैरल दर्ज की गई। कीमतों के इस बड़े अंतर ने कारोबारियों और निवेशकों को चौंका दिया है।विशेषज्ञों का मानना है कि भू-राजनीतिक तनाव, आपूर्ति बाधाएं और उत्पादन में कटौती जैसे कारक स्पॉट कीमतों को ऊपर धकेल रहे हैं। वहीं वायदा बाजार में निवेशक आने वाले समय में आपूर्ति सुधरने और मांग में संतुलन बनने की उम्मीद जता रहे हैं, जिससे कीमतें अपेक्षाकृत कम बनी हुई हैं।तेल की ऊंची हाजिर कीमतों का सीधा असर पेट्रोल-डीजल के दाम, परिवहन लागत और महंगाई पर पड़ सकता है। आयात पर निर्भर देशों के लिए यह स्थिति चिंता बढ़ाने वाली है। ऊर्जा बाजार के जानकारों के अनुसार आने वाले हफ्तों में वैश्विक घटनाक्रम और उत्पादन संबंधी फैसले कीमतों की दिशा तय करेंगे।

चीन के निर्यात में धीमी वृद्धि, वैश्विक अनिश्चितताओं और ऊर्जा संकट का असर गहराया

- मार्च में निर्यात 2.5 फीसदी बढ़ा, आयात में तेज उछाल, ईरान युद्ध और ऊर्जा कीमतों ने बढ़ाई चिंता

हांगकांग।

चीन के व्यापार आंकड़ों में मार्च के दौरान निर्यात वृद्धि में तेज गिरावट दर्ज की गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, विशेषकर ईरान से जुड़े युद्ध और ऊर्जा संकट, ने अंतरराष्ट्रीय मांग और आपूर्ति श्रृंखलाओं पर नकारात्मक असर डाला है। चाइना के सीमा शुल्क विभाग द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार मार्च महीने में देश का निर्यात सालाना आधार पर केवल 2.5 प्रतिशत बढ़ा। यह वृद्धि पिछले दो महीनों की तुलना में काफी कमजोर है, जब जनवरी-फरवरी में निर्यात 21.8 प्रतिशत की तेज गति से बढ़ा था। विश्लेषकों का कहना है कि यह गिरावट वैश्विक मांग में आई नरमी का संकेत है। दूसरी ओर, आयात में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई है। मार्च में आयात 27.8 प्रतिशत बढ़ा, जो इस वर्ष के पहले दो महीनों की 19.8 प्रतिशत वृद्धि से अधिक है। इससे संकेत मिलता है कि घरेलू खपत और कुछ क्षेत्रों में मांग अभी भी बनी हुई है,

हालांकि निर्यात क्षेत्र दबाव में है। अर्थशास्त्रियों के अनुसार, इरान से जुड़े युद्ध और मध्य पूर्व में जारी तनाव ने वैश्विक ऊर्जा बाजारों को प्रभावित किया है। इससे न केवल तेल और गैस की कीमतों में अस्थिरता आई है, बल्कि वैश्विक सप्लाई चेन पर भी दबाव बढ़ा है।

इसका सीधा असर चीन के निर्यात पर पड़ रहा है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि युद्ध के कारण वैश्विक मांग कमजोर हुई है,

जिससे निर्यात में गिरावट देखी जा रही है। वैश्विक बाजार अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की संभावित बीजिंग यात्रा और चीनी राष्ट्रपति एक्सआई `जिं पिंग से उनकी मुलाकात पर भी नजर बनाए हुए हैं। विश्लेषकों का मानना है कि कमजोर घरेलू मांग और संपत्ति क्षेत्र की मंदी के बीच चीन के लिए निर्यात ही आर्थिक वृद्धि का मुख्य सहारा बना रहेगा।

ईरान-अमेरिका तनाव का असर भारत में, फ्रिज, पंखे, खाद्य तेल और कपड़ों के दाम 15 फीसद तक बढ़े

मुंबई।

पश्चिम एशिया में ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव का असर अब भारतीय बाजारों में भी दिखाई देने लगा है। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और सप्लाई चेन पर दबाव के कारण रोजमर्रा के सामान महंगे हो गए हैं। फ्रिज, पंखे, पेंट, कपड़े और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं की लागत 10 से 15 फीसदी तक बढ़ी है, जबकि कई खाद्य सामग्रियों की कीमतों में 7 फीसदी तक इजाफा दर्ज किया गया है।विशेषज्ञों के अनुसार भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है, खासकर खाद्य तेल और कच्चा तेल। अंतरराष्ट्रीय बाजार में दाम बढ़ने से परिवहन, पैकेजिंग और उत्पादन लागत पर सीधा असर पड़ता है। कंपनियां बढ़ी लागत का बोझ उपभोक्ताओं पर डाल रही हैं।यदि पश्चिम एशिया में हालात

लंबे समय तक तनावपूर्ण रहे तो महंगाई और बढ़ सकती है। सरकार स्थिति पर नजर बनाए हुए है, लेकिन आम लोगों की जेब पर फिलहाल दबाव साफ महसूस किया जा रहा है।

जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में गोल्ड ईटीएफ में 31,561 करोड़ का निवेश दर्ज किया गया

- सोने में निवेश 6 गुना बढ़ा, एयूएम तीन गुना होकर 1.71 लाख करोड़ रुपए पहुंचा

नई दिल्ली ।

वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों ने सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में सोने की ओर रुख किया है। इसी कारण जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में रिकॉर्ड स्तर पर निवेश देखने को मिला, जो पिछले वर्ष की तुलना में कई गुना अधिक है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में गोल्ड ईटीएफ में कुल 31,561 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया। यह पिछले वर्ष की समान अवधि के 5,654 करोड़ रुपये की तुलना में लगभग छह गुना वृद्धि को दर्शाता है। तिमाही आधार पर भी इस श्रेणी में निवेश 36 प्रतिशत बढ़कर 23,132 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। हालांकि, मासिक प्रवाह में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। जनवरी में जहां 24,040 करोड़ रुपये का भारी निवेश आया, वहीं फरवरी में यह घटकर 5,255 करोड़ रुपये और मार्च में 2,266 करोड़ रुपये रह गया। विशेषज्ञों का मानना है कि जनवरी में असामान्य रूप से अधिक निवेश जोखिम से बचने की प्रवृत्ति, पोर्टफोलियो पुनर्संतुलन और सोने की कीमतों में तेजी के कारण हुआ। मार्च में आई गिरावट को शुरुआती भारी निवेश के बाद

सामान्यीकरण माना जा रहा है। बाजार`` विश्लेषकों के अनुसार बाजार की अनिश्चितताओं के बीच सोना अब भी निवेशकों के लिए एक मजबूत विविधीकरण साधन बना हुआ है।

मजबूत निवेश प्रवाह के चलते मार्च 2026 के अंत तक गोल्ड फंड्स की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां (एयूएम) लगभग तीन गुना बढ़कर 1.71 लाख करोड़ रुपये हो गईं, जो एक वर्ष पहले 58,888 करोड़ रुपये थीं। गोल्ड ईटीएफ जो भौतिक सोने की कीमत को ट्रैक करते हैं, निवेशकों को डिजिटल रूप में सोने में निवेश का आसान विकल्प प्रदान करते हैं।

भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री में रिकॉर्ड उछाल, एयूएम 73.73 लाख करोड़ के पार

- एसआईपी में लगातार मजबूत निवेश और बाजार के उतार-चढ़ाव के बावजूद निवेशकों का भरोसा कायम

मुंबई ।

भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग वित्त वर्ष 2025-26 में मजबूत ग्रोथ दर्ज कर रहा है। निवेशकों के बढ़ते भरोसे और लगातार एसआईपी निवेश के चलते इंडस्ट्री का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। भारतीय म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। एसो सिएशन आफ म्युचुअल फंड इन इं डिया के ताजा आंकड़ों के अनुसार, उद्योग का कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट 12.2 फीसदी बढ़कर 73.73 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद निवेशकों का रुझान इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की ओर बढ़ा है। मार्च महीने में एक्टिव इक्विटी फंड्स में इनफ्लो 40,450 करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो जुलाई 2025 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। फरवरी में यह आंकड़ा 25,978 करोड़ रुपये था, जिससे स्पष्ट है कि बाजार में निवेशकों की भागीदारी बढ़ी है। रिटेल निवेशकों का भरोसा सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) में भी मजबूत दिखाई दिया। मार्च में एसआईपी के जरिए 32,087 करोड़ रुपये का निवेश आया, जो फरवरी के 29,845 करोड़ रुपये से अधिक है। यह दर्शाता है कि निवेशक उतार-चढ़ाव के बावजूद लंबी अवधि की रणनीति पर भरोसा कर रहे हैं। हालांकि, कुल मिलाकर मार्च में इंडस्ट्री से 2.39 लाख करोड़ रुपये का नेट आउटफ्लो भी दर्ज हुआ, जिसका मुख्य कारण डेट म्यूचुअल फंड्स से 2.94 लाख करोड़ रुपये की भारी निकासी रही। इसी अवधि में गोल्ड ईटीएफ में निवेश भी घटकर 2,266 करोड़ रुपये रह गया, जबकि फरवरी में यह 5,254 करोड़ रुपये था। इक्विटी कैटेगरी में फ्लेक्सी-कैप फंड्स सबसे ज्यादा आकर्षण में रहे, जहां 10,054 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश आया। इसके साथ ही मिड-कैप और स्मॉल-कैप फंड्स में भी निवेश बढ़ा, जबकि लार्ज-कैप फंड्स में अपेक्षाकृत कम इनफ्लो देखने को मिला। म्यूचुअल फंड निवेश एक ऐसा माध्यम है जिसमें कई निवेशकों का पैसा एकत्र कर पेशेवर फंड मैनेजर द्वारा शेयर, बॉन्ड और अन्य साधनों में निवेश किया जाता है। एसआईपी के जरिए छोटे निवेश से शुरुआत कर लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न और जोखिम में संतुलन बनाया जा सकता है।

अगले 15 वर्षों में 80 करोड़ नौकरियों की कमी का खतरा- वर्ल्ड बैंक

- तेजी से बढ़ती आबादी और धीमी नौकरी सृजन से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर दबाव की आशंका

मुंबई ।

वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव और आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच वर्ल्ड बैंक ने एक गंभीर चेतावनी जारी की है। बैंक के अनुसार, आने वाले 10 से 15 वर्षों में दुनिया एक बड़े रोजगार संकट की ओर बढ़ रही है, जहां कामकाजी उम्र की आबादी तेजी से बढ़ेगी लेकिन उसके अनुपात में रोजगार के अवसर नहीं बन पाएंगे। इस असंतुलन से वैश्विक स्तर पर सामाजिक और आर्थिक स्थिरता पर बड़ा असर पड़ सकता है। वर्ल्ड बैंक के अनुसार विकासशील देशों में अगले डेढ़ दशक में लगभग 1.2 अरब लोग कामकाजी उम्र में प्रवेश करेंगे, जबकि मौजूदा आर्थिक रुझानों के आधार पर केवल करीब 40 करोड़ नई नौकरियां ही सृजित हो पाएंगी। इसका अर्थ है कि दुनिया को लगभग 80 करोड़ रोजगार अवसरों की भारी कमी का सामना करना पड़ सकता है। वर्ल्ड बैंक के एक प्रमुख अे धिकारी ने कहा कि नीति निर्माता अक्सर तात्कालिक संकटों और क्षेत्रीय संघर्षों में उलझ जाते हैं, जबकि रोजगार जैसे दीर्घकालिक मुद्दे लगातार गंभीर होते जा रहे हैं। उन्होंने चेताया कि यदि समय रहते ठोस नीतिगत कदम नहीं उठाए गए, तो इसका प्रभाव केवल अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि यह वैश्विक प्रवासन, अस्थिरता और सामाजिक तनाव को भी बढ़ा सकता है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि 2025 तक दुनिया भर में 11.7 करोड़ से अधिक लोग विस्थापित हो चुके हैं, जो बढ़ते दबाव का संकेत है। वर्ल्ड बैंक ने सरकारों से आग्रह किया है कि वे केवल तात्कालिक संकटों पर नहीं, बल्कि रोजगार सृजन, स्वच्छ पानी और बिजली जैसी बुनियादी जरूरतों पर भी समान रूप से ध्यान दें। साथ ही कृषि, स्वास्थ्य, विनिर्माण और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में निजी निवेश को बढ़ावा देने की जरूरत बताई गई है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि वर्ल्ड बैंक के नेतृत्व में कुछ वैश्विक और बड़ी कंपनियाँ जैसे` रिलायंस इंडस्ट्रीज, मे हिंद्रा ग्रुप और डेनगोट ग्रुप रोजगार सृजन में अहम भूमिका निभा सकती हैं। वर्ल्ड बैंक का मानना है कि अगर अभी से कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाला दशक वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है।

पश्चिम एशिया तनाव का भारतीय कंपनियों पर असर, बिक्री 40 फीसदी तक घटी

सप्लाई चेन बाधित, कई एफएमसीजी और कंज्यूमर कंपनियों की विस्तार योजनाएं प्रभावित

मुंबई ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव का असर अब भारतीय कंज्यूमर और एफएमसीजी कंपनियों के कारोबार पर साफ दिखाई देने लगा है। बिक्री में गिरावट, लागत में तेज उछाल और सप्लाई चेन बाधित होने से कंपनियों की रणनीतियों पर पुनर्विचार शुरू हो गया है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और अस्थिरता के चलते भारतीय कंज्यूमर कंपनियों के कारोबार पर गंभीर असर पड़ा है। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव के कारण इस क्षेत्र में कई कंपनियों की बिक्री में 30 से 40 फीसदी तक की गिरावट दर्ज की गई है। साथ ही कंटेनर शिपिंग की लागत 4 से 5 गुना तक बढ़ जाने से लॉजिस्टिक्स और ऑपरेशनल खर्च में भारी वृद्धि हुई है। इस क्षेत्र में काम करने वाली प्रमुख कंपनियों में ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज, गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, डाबर, मैरिको, इमामी, रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स, बीबा फैशन, आईडी फ्रेश फूड, रसना और` बिसलेरी शामिल हैं। इन कंपनियों की कुल कमाई का लगभग 5 से 20 फीसदी हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है। आईडी फ्रेश फूड के ग्लोबल सीईओ पी.सी. मुस्तफा के अनुसार कंपनी ने मौजूदा हालात को देखते हुए अपने निवेश और विस्तार योजनाओं की समीक्षा शुरू कर दी है। वहीं रसान के चेयरमैन पीरूज खंबाटा ने स्थिति को कोविड जैसे हालात बताया है, जिससे बाजार में अनिश्चितता बढ़ गई है। बीवा फैशन के एक अे धिकारी ने बताया कि यूएई में ईद तक कारोबार स्थिर था, लेकिन उसके बाद बिक्री में अचानक 30-40 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। कंपनियां अब जोखिम कम करने के लिए अतिरिक्त स्टॉक, वैकल्पिक सप्लाई रूट और बीमा कवरेज पर ध्यान दे रही हैं। डाबर ने भी स्वीकार किया है कि इस क्षेत्र में चल रहे संघर्ष का उसके कारोबार पर असर पड़ा है। कंपनी की लगभग 15 फीसदी सालाना आय मिडिल ईस्ट से आती है और वहां करीब 500 कर्मचारी कार्यरत हैं। कुल मिलाकर, पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने भारतीय कंपनियों के लिए मांग, लागत और विस्तार तीनों मोर्चों पर बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है, जिससे आने वाले समय में उनकी वैश्विक रणनीति और प्रभावित हो सकती है।

ऊर्जा और खाद्य कीमतें लंबे समय तक ऊंची रहने की आशंका आईएमएफ, विश्व बैंक, आईईए

वैश्विक संस्थाओं ने चेताया, तेल, गैस और उर्वरक बाजार पर गहरा असर, आपूर्ति बहाली में लगेगा समय

वॉशिंगटन ।

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने संयुक्त रूप से चेतावनी दी है कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण ऊर्जा और खाद्य वस्तुओं की कीमतें लंबे समय तक ऊंची बनी रह सकती हैं। तीनों संस्थानों ने कहा कि इसका असर वैश्विक अर्थव्यवस्था पर व्यापक और असमान रूप से पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने कहा है कि पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के कारण ईंधन और उर्वरक की कीमतों में लंबे समय तक तेजी बनी रह सकती है। इन संस्थानों ने इस महीने की शुरुआत में गठित एक समन्वय समूह के तहत बैठक कर स्थिति की समीक्षा की। संयुक्त बयान में कहा गया कि युद्ध का प्रभाव केवल ऊर्जा बाजार तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे वैश्विक स्तर पर लोगों का विस्थापन हुआ है, रोजगार प्रभावित हुए हैं और यात्रा व पर्यटन क्षेत्र में गिरावट आई है। इन क्षेत्रों को सामान्य स्थिति में लौटने में काफी समय लग सकता है। तीनों संस्थानों ने स्पष्ट किया कि यह संकट व्यापक, वैश्विक और असमान है। विशेष रूप से ऊर्जा आयात करने वाले देशों और निम्न-आय वाले देशों पर इसका अधिक गंभीर असर पड़ा है। तेल, गैस और उर्वरक की कीमतों में वृद्धि ने खाद्य सुरक्षा और रोजगार से जुड़ी चिंताओं को भी बढ़ा दिया है। बयान में यह भी कहा गया कि पश्चिम एशिया के कुछ तेल और गैस उत्पादक देशों को निर्यात राजस्व में नुकसान हुआ है। साथ ही होर्मुज जलडमरूमध्य से समुद्री आवागमन अभी भी पूरी तरह सामान्य नहीं हो पाया है, जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला प्रभावित हो रही है। संस्थाओं ने चेतावनी दी कि भले ही भविष्य में आवाजाही सामान्य हो जाए, फिर भी युद्ध से प्रभावित बुनियादी ढांचे के कारण वैश्विक आपूर्ति को पूर्व स्तर पर लौटने में समय लगेगा। इससे ईंधन और उर्वरक की कीमतें लंबे समय तक ऊंची रह सकती हैं। आईएमएफ, विश्व बैंक और आईईए ने कहा कि वे स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं और सदस्य देशों को नीति सलाह और आवश्यकतानुसार वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए समन्वित प्रयास जारी रखेंगे, ताकि वैश्विक आर्थिक स्थिरता और रोजगार बहाली को समर्थन मिल सके।

हर तीसरे हार्ट इलाज पर 1.7 लाख से ज्यादा खर्च, स्पेशल इंश्योरेंस बना सहारा

नई दिल्ली ।

भारत में दिल से जुड़ी बीमारियां अब सिर्फ बुजुर्गों तक सीमित नहीं रहीं। 20 से 30 साल के युवाओं में तेजी से बढ़ते मामलों ने स्वास्थ्य और आर्थिक दोनों स्तरों पर चिंता बढ़ा दी है।

इलाज का खर्च बढ़ने के साथ हेल्थ इंश्योरेंस लेना भी चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक हार्ट से जुड़े हर तीन में से एक इलाज का खर्च 1.7 लाख रुपये से अधिक पहुंच जाता है, जबकि गंभीर मामलों में यह 5 लाख रुपये से ऊपर चला जाता है। खासतौर पर आईसीयू में भर्ती या सर्जरी की स्थिति में खर्च और बढ़ जाता है। विशेषज्ञों का अनुमान है

कि देश में करीब 6 से 7 करोड़ लोग किसी न किसी प्रकार की हृदय बीमारी से जूझ रहे हैं और हर साल 20 से 25 लाख नए मामले सामने आते हैं। कम उम्र में दिल की बीमारी का असर सिर्फ स्वास्थ्य तक सीमित नहीं रहता, बल्कि यह बीमा पॉलिसी लेने में भी बाधा बनता है। बीमा कंपनियां ऐसे मामलों में ट्रेडमिल टेस्ट, इको और एंजियोग्राफी जैसी विस्तृत जांच कराती हैं।

इसके अलावा पॉलिसी मिलने पर भी कई शर्तें लागू होती हैं, जैसे 2 से 3 साल का वेटिंग पीरियड और अधिक प्रीमियम। विशेषज्ञों के अनुसार, जोखिम को देखते हुए प्रीमियम में 30 से 80 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की जा सकती है। साथ ही को-पे क्लॉज के तहत मरीज को इलाज का 10 से 30 प्रतिशत खर्च खुद उठाना पड़ सकता है।

ऐसे में दिल के मरीजों के लिए स्पेशलाइज्ड हार्ट इंश्योरेंस पॉलिसी एक बेहतर विकल्प बनकर उभर रही है। यह पॉलिसी न केवल हृदय रोग, बल्कि उससे जुड़ी अन्य बीमारियों और इलाज को भी कवर करती है, जिससे मरीजों को तेजी से और भरोसेमंद कवरेज मिल सकता है।

आईपीएल में आज होगा आरसीबी और सुपर जायंट्स में मुकाबला

बेंगलुरु (एजेंसी)। (ईएमएस)। आईपीएल में बुधवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स से होगा। इस मैच में जहां आरसीबी अपने घरेलू मैदान में जीत दर्ज करना चाहेगी। वहीं सुपरजायंट्स भी जीत के लिए पूरा प्रयास करेगी। आरसीबी का इस सत्र में काफी अच्छा प्रदर्शन रहा है। ऐसे में वह जीत की प्रबल दावेदार रहेगी। उसके पास विराट कोहली, फिल साल्ट, रजत पाटीदार और टिम डेविड जैसे अच्छे बल्लेबाज हैं। टीम ने अभी तक के मैचों में 200 से अधिक रन बनाये हैं। वह अंक तालिका में भी तीसरे स्थान पर है। वहीं दूसरी ओर, लखनऊ सुपर जायंट्स का अब तक का प्रदर्शन सामान्य रहा है। पिछले मैच में उसे गुजरात टाइटन्स के खिलाफ हार मिली थी। टीम के कप्तान ऋषभ पंत भी अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं1 टीम में निरंतरता की भी कमी है। अब सुपर जायंट्स का लक्ष्य किसी भी प्रकार से ये मैच जीतकर अपनी लय हासिल करना होगा। बेंगलुरु के मशहूर चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच पर बड़े स्कोर बनते हैं। ऐस में इस मैच में रोमांचक मुकाला होना तय है। अब तक दोनो टीमों के बीच 6 मैच खेले गये हैं जिसमें से आरसीबी ने 4 जबकि सुपर जायंट्स ने 2 जीते हैं।

टीम इस प्रकार है

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु

विराट कोहली, फिल साल्ट, रजत पाटीदार (कप्तान), क्रुणाल पंड्या, टिम डेविड, जितेश शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, मंगेश यादव। भुवनेश्वर कुमार, जैकब डफी, सुयश शर्मा

इम्पैक्ट प्लेयर- देवदत्त पडिक्कल

लखनऊ सुपर जायंट्स

मिशेल मार्श, एडेन मार्कराम, ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), निकोलस पूरन, अब्दुल समद, मुकुल चौधरी, जॉर्ज लिंडे, मोहम्मद शमी, अवेश खान, दिग्वेश सिंह राठी, प्रिंस यादव

इम्पैक्ट प्लेयर- आयुष बडोनी

धोनी फिट हुए, 19 अप्रैल को सनराइजर्स के खिलाफ मैच से कर सकते हैं वापसी

मुम्बई (एजेंसी)। चेन्नई सुपरकिंग्स के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी फिट हो गये हैं और उनके 19 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद से होने वाले मैच से वापसी की संभावनाएं हैं। धोनी के नहीं होने से सीएसके काफी कठिन हालातों से गुजर रही है। उसे शुरुआती तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में धोनी के प्रशंसक चाहते हैं कि वह शीघ्र वापसी करें। प्रशंसकों को उम्मीद थी वह वह मंगलवार को केकेआर के खिलाफ मैच में उतरेंगे पर प्रबंधन ने इससे इंकार करते हुए कहा था कि वह धोनी की फिटनेस को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता।

44 साल के धोनी 2026 सत्र की शुरुआत से ही पिंडली की चोट परेशान रहे हैं। उनके बाहर होने से सीएसके टीम में नेतृत्व क्षमता और फिनिशिंग की कमी दिखी। इसी कारण सीएसके इस बार अंक तालिका में भी काफी नीचे हैं। उनके नहीं होने से विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संजू सैमसन निभा रहे हैं।

सीएसके की मेडिकल टीम धोनी को जल्दबाजी में पूरी समय मैदान पर उतारने का खतरा मोल नहीं लेना चाहती है। एमएस धोनी 19 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खाफ खेल सकते हैं पर ये तय है कि वह इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर ही उतरेंगे। वैसी भी धोनी पिछले आईपीएल सत्र से ही अंतिम ओवरों में उतरने के बाद भी मैच का रुख बदल देते हैं।

बीसीसीआई ने रॉल्यल्स के मैनेजर रोमी को नोटिस दिया, डगआउट के अंदर मोबाइल के उपयोग पर मांगा जवाब

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की भ्रष्टाचार रोधी ईकाई ने डगआउट के अंदर फोन का प्रयोग करने के मामले में राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर को नोटिस भेजकर एक दिन में जवाब मांगा है। रोमी को गुवाहाटी में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ पिछले मैच में डगआउट में मोबाइल का प्रयोग करते हुए देखा हुआ था जबकि इसपर प्रतिबंध है। मोबाइल का उपयोग केवल ड्रेसिंग रुप में ही किया जा सकता है। गुवाहाटी में रोमी की मोबाइल का प्रयोग करते हुए की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर आई थी जिसके बाद से ही उनपर कार्रवाई किये जाने की मांग हो रही थी। इस दौरान वैभव सूर्यवंशी भी उनके साथ ही बैठे हुए थे। आईपीएल प्रोटोकॉल में साफ तौर पर कहा गया है कि टीम मैनेजर मोबाइल फोन का इस्तेमाल कर सकते हैं पर डगआउट में नहीं, ऐसा करना नियमों के खिलाफ है। भ्रष्टाचार रोधी इकाई ने रोमी से 24 घंटे के अंदर यह बताने को कहा है कि उन्होंने मोबाइल का इस्तेमाल क्यों किया। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि रोमी ने मेडिकली इमरजैंसी के कारण मोबाइल का इस्तेमाल किया था। इसका कारण है कि उनके फेफड़े हो गये हैं जिसके कारण वह पिछले दिनों वेंटिलेशन पर भी थे। इस मामले की जांच अभी भी जारी है।

सैमसन को मिला आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को मार्च महीने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) प्लेयर ऑफ द मंथ का अवार्ड मिला है। सैमसन का प्रदर्शन पिछले कुछ समय में शानदार रहा है। उन्होंने मार्च में टी20 विश्व कप 2026 में भी भारतीय टीम की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। सैमसन को पहली बार ये खिताब मिला है। सैमसन ने टी20 विश्वकप में लगातार तीन अर्धशतक लगाये थे। वेस्टइंडीज के खिलाफ प्लेऑफ में उन्होंने 97 रनों की शानदार पारी खेलकर भारतीय टीम को बड़े अंतर से जीत दिलायी थी। इसके बाद सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 89 रन बनाए। वहीं फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ उन्होंने 89 रनों की पारी खेली थी।

सैमसन ने आईसीसी अवार्ड मिलने पर खुशी जताते हुए कहा है कि ये उनके लिए एक सुखद अनुभव है। साथ ही कहा कि टी20 विश्व कप की जीत में योगदान देना मेरा सपना था जो पूरा हुआ है। इस अवॉर्ड की दौड़ में सैमसन के अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और दक्षिण अफ्रीका के कॉनर एस्टरहुइज़न भी शामिल थे।

टीम इंडिया में वैभव सूर्यवंशी की एंट्री तय

-सचिन तेंदुलकर का 37 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ने की दहलीज पर 15 वर्षीय युवा सनसनी, आयरलैंड दौरे पर कर सकते हैं ऐतिहासिक डेब्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के उभरते हुए सितारे वैभव सूर्यवंशी अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इतिहास रचने के बेहद करीब हैं। अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली चयन समिति आईपीएल 2026 में उनके विस्फोटक प्रदर्शन को देखते हुए उन्हें आगामी जून में होने वाले आयरलैंड दौरे के लिए सीनियर टीम में शामिल करने पर गंभीरता से विचार कर रही है। यदि वैभव इस दौरे पर पदार्पण करते हैं, तो वह मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के 16 साल की उम्र में डेब्यू करने के ऐतिहासिक रिकॉर्ड को तोड़कर भारत के सबसे युवा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बन जाएंगे। बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार, चयनकर्ता राजस्थान रॉयल्स के इस प्रतिभाशाली बल्लेबाज को सीधे सीनियर टीम में परखना चाहते हैं।

वैभव सूर्यवंशी पहली बार तब चर्चा में आए थे जब आईपीएल 2025 की नीलामी में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 1.1 करोड़ रुपये में खरीदा था। उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मात्र 35 गेंदों में शतक जड़कर अपनी आक्रामक बल्लेबाजी का लोहा मनवाया था। इतना ही नहीं, अंडर-19 वर्ल्ड कप के फाइनल में इंग्लैंड के विरुद्ध 80 गेंदों में 175 रनों की अविश्वसनीय पारी ने उन्हें रातों-रात वैश्विक स्तर पर सुर्खियों में ला दिया। उनकी इसी निरंतरता और प्रतिभा को देखते हुए आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने भी उन्हें कम उम्र में भारत के लिए डेब्यू करने का हकदार बताया है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) की रणनीति स्पष्ट है कि आयरलैंड जैसी टीम के खिलाफ वैभव को मौका देकर उनके कौशल को अंतरराष्ट्रीय दबाव में आजमाया जाए। चयनकर्ताओं का मानना है कि वैभव की बल्लेबाजी शैली आधुनिक टी20 क्रिकेट के अनुकूल है और उन्हें लंबा इंतजार कराने के बजाय अनुभव प्रदान करना टीम के भविष्य के लिए फायदेमंद होगा। 'द इंडियन एक्सप्रेस' की रिपोर्ट के मुताबिक, वैभव का नाम शॉर्टलिस्ट किया जा चुका है और यदि वे फिटनेस

मानकों पर खरे उतरते हैं, तो आगामी सीरीज में वे नीली जर्सी में बल्लेबाजी करते नजर आ सकते हैं।

बेंगलुरु या न्यू चंडीगढ़ में खेले जा सकते हैं आईपीएल प्लेऑफ

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ के लिए अभी मैच स्थल घोषित किये जाने हैं। इसके लिए बेंगलुरु और न्यू चंडीगढ़ सबसे आगे माने जा रहे हैं। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल अंतिम चरण की मेजबानी के लिए कई बातों पर विचार कर रही है। कई राज्यों में विधानसभा चुनावों को देखते हुए कार्यक्रम की घोषणा में भी देर हो रही है। वहीं एक रिपोर्ट के मुताबिक, बेंगलुरु और न्यू चंडीगढ़ प्लेऑफ की दौड़ में सबसे आगे हैं हालांकि अंतिम फैसला कई बातों को ध्यान में रखते हुए लिया जाएगा। इसमें लॉजिस्टिक्स, यात्रा की व्यवस्था, ब्रॉडकास्ट की जरूरतें आदि भी इसमें शामिल हैं। आईपीएल के इस सत्र में कुल 74 मैच खेले जाने हैं। जिसमें 70 मैच 13 अलग-अलग स्थलों पर होंगे। इनमें मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद, जयपुर, न्यू चंडीगढ़, लखनऊ, अहमदाबाद, गुवाहाटी, रायपुर और धर्मशाला शामिल हैं। अब तक बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में कुल पांच लीग मैच हुए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) इस बार अपने दो घरेलू मैच रायपुर में खेलेगी। वहीं पंजाब किंग्स को अपने चार मैच घरेलू मैदान मुल्लांपुर (न्यू चंडीगढ़) में खेलने हैं।

ईरान की महिला फुटबॉल कप्तान जहरा गनबरी को कोर्ट से राहत, जब्त संपत्ति लौटाई गई

तेहरान। ईरान की अदालत ने महिला फुटबॉल टीम की कप्तान जहरा गनबरी को बड़ी राहत देते हुए उनकी जब्त संपत्ति वापस करने का आदेश दिया है। यह फैसला उनके आचरण में बदलाव और मामले में निर्दोष पाए जाने के बाद लिया गया। ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कोर्ट ने गनबरी की संपत्ति लौटाने का निर्णय हालिया समीक्षा के बाद सुनाया। इससे पहले उनकी संपत्ति एक विवाद के चलते जब्त कर ली गई थी, जो उस समय शुरू हुआ था जब उन्होंने और कुछ अन्य खिलाड़ियों ने विदेश में शरण लेने की कोशिश की थी। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित एशियन कप के दौरान, जो क्षेत्रीय तनाव के शुरुआती दौर में हुआ था, गनबरी उन खिलाड़ियों में शामिल थीं जिन्होंने शरण मांगी थी। इस कदम ने उस समय काफी विवाद खड़ा कर दिया था और इसके बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की गई थी। हालांकि, बाद में जहरा गनबरी समेत पांच खिलाड़ी और एक स्टाफ सदस्य ईरान लौट आए थे। 19 मार्च को तेहरान पहुंचने पर उनका स्वागत भी किया गया, जिससे संकेत मिला कि स्थिति में कुछ नरमी आई है। यह फैसला ईरान के भीतर खेल और सामाजिक मामलों में बदलते रुख का संकेत हो सकता है। गनबरी के मामले में कोर्ट का यह कदम खिलाड़ियों और खेल समुदाय के लिए एक सकारात्मक संदेश के रूप में देखा जा रहा है। हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर खिलाड़ियों की स्वतंत्रता, सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के दौरान उनकी स्थिति को लेकर बहस को जन्म दिया है। आने वाले समय में इस तरह के मामलों में नीति और रुख किस दिशा में जाते हैं, यह देखना महत्वपूर्ण होगा।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले घाना ने कार्लोस क़्वीरोज़ को बनाया मुख्य कोच

अकरा (घाना)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले घाना ने बड़ा फैसला लेते हुए पुर्तगाल के अनुभवी मैनेजर कार्लोस क़्वीरोज़ को अपनी राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया है। घाना फुटबॉल एसोसिएशन (जीएफए) ने सोमवार को इसकी आधिकारिक घोषणा की। 73 वर्षीय क़्वीरोज़ लगातार पांचवें वर्ल्ड कप में कोच के रूप में हिस्सा लेने जा रहे हैं, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने पिछले महीने ओमान के कोच पद से इस्तीफा दे दिया था, जब टीम वर्ल्ड कप 2026 के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाई। वर्ल्ड कप शुरू होने से महज 72 दिन पहले घाना की टीम बिना कोच के रह गई थी, जब ऑस्ट्रिया और जर्मनी के खिलाफ मार्च में हुए फ्रेंडली मुकाबलों में हार के बाद ओटो अडो से रास्ते अलग कर लिए गए थे। जीएफए ने अपने बयान में कहा, 'कार्यकारी परिषद ने सभी प्रमुख हितधारकों के साथ मिलकर कार्लोस क़्वीरोज़ को सीनियर राष्ट्रीय टीम 'ब्लैक स्टार्स' का मुख्य कोच नियुक्त किया है।' क़्वीरोज़ का कोचिंग करियर बेहद शानदार रहा है। उन्होंने 2010 वर्ल्ड कप में पुर्तगाल को प्री-क्वार्टरफाइनल (राउंड ऑफ 16) तक पहुंचाया था। इसके बाद उन्होंने ईरान की टीम को लगातार तीन वर्ल्ड कप में कोचिंग दी, जहां टीम ने 13 मैचों में 3 जीत दर्ज की। मोज़ाम्बिक में जन्मे क़्वीरोज़ पूर्व गोलकीपर भी रह चुके हैं। उन्होंने अपने करियर में मिस्र, जापान, कोलंबिया और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमों को भी कोचिंग दी है, जबकि 1990 के दशक की शुरुआत में पुर्तगाल टीम का भी नेतृत्व किया। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में घाना को ग्रुप एल में रखा गया है, जहां उसका मुकाबला क्रोएशिया, इंग्लैंड और पनामा जैसी मजबूत टीमों से होगा। अब क़्वीरोज़ के अनुभव के दम पर घाना टीम बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रही है।

प्रफुल्ल हिंगे ने आईपीएल डेब्यू में तीन विकेट झटक कर रचा इतिहास

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज प्रफुल्ल हिंगे सोमवार आईपीएल पर्दापण में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ पहले ही ओवर में दो रन देकर तीन विकेट झटकर इतिहास रच दिया। वह आईपीएल में यह कारनामा करने वाले पहले गेंदबाज बन गये है। आज यहां खेले गये मुकाबले में प्रफुल हिंगे ने अपने आईपीएल करियर के पहले ही ओवर में तीन विकेट लेकर इतिहास रच दिया। इसके बाद अपने दूसरे ओवर में रियान पराग को आउटकर अपना चौथा विकेट लिया। प्रफुल हिंगे अपनी दूसरी ही गेंद पर युवा स्टार बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का बिना खाता खोले ही शिकार कर लिया। अगली 4 गेंदों के भीतर ही ध्रुव जुरेल और लुआन ड्री प्रिटोरियस भी आउट कर दिया। तीनों बल्लेबाजो को खाता भी नहीं खेल सके। प्रफुल हिंगे इतिहास में ऐसे पहले गेंदबाज हैं, जिन्होंने आईपीएल मैच की किसी पारी के पहले ही ओवर में 3 विकेट झटके है। वह पारी के पहले ओवर में 2 रन देकर तीन विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज हैं।

अभिषेक, दीप्ति सहित छह भारतीय क्रिकेटरों को मिले विजडन अवार्ड

लंदन (एजेंसी)। अभिषेक शर्मा और दीप्ति शर्मा सहित छह भारतीय क्रिकेटरों ने विजडन अल्मनैक 2026 पुरस्कारों में 9 में से 7 पुरस्कार जीते हैं। अभिषेक शर्मा को वर्ष का टी20 पुरुष क्रिकेटर। वहीं दीप्ति को वर्ष की महिला क्रिकेटर का अवार्ड मिला है। अभिषेक ने साल 2025 के सत्र में जबरदस्त प्रदर्शन किया। इस सत्र में उन्होंने 21 मैचों में 193 के बेहतरीन स्ट्राइक रेट से 859 रन बनाए, जिसमें एक शतक और 5 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं दीप्ति ने पिछले साल आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप में 22 विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। इस ऑलराउंडर के शानदार प्रदर्शन से भारतीय महिला टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला खिताब जीता था।

दीप्ति ने 9 मैचों में 3 अर्धशतकों की मदद से 215 रन भी बनाए थे। इसके अलावा भारत के शुभमन गिल, मोहम्मद सिराज, ऋषभ पंत और रविंद्र जडेजा को भी इंग्लैंड में हुई टेस्ट सीरीज में अच्छे प्रदर्शन के लिए विजडन के वर्ष के पांच क्रिकेटरों में शामिल किया गया है। इसके अलावा ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क विश्व के सर्वश्रेष्ठ पुरुष क्रिकेटर चुने गये हैं। उनके अलावा इंग्लैंड के बल्लेबाज हसीब हमीद थे को भी चार भारतीय खिलाड़ियों के साथ वर्ष के पांच सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटरों में भी जगह मिली है। शुभमन को पिछले साल टेस्ट सीरीज में इंग्लैंड दौरे पर सबसे अधिक 754 रन बनाए और पांच मैचों की सीरीजको 2-2 से ड्रॉ कराने में अहम भूमिका के लिए पुरस्कार दिया गया। जड़ेजा ने भी पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया था। जडेजा ने सीरीज में 5 अर्धशतक भी लगाये थे, जिसमें मैनचेस्टर में खेली गई उनकी शतकीय पारी भी शामिल है। उन्होंने 86 के औसत से 516 रन बनाए थे। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने इस सीरीज में सबसे अधिक 23 विकेट लिए जबकि ऋषभ ने 479 रन बनाए थे।

मुंबई इंडियंस के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद अभी भी बरकरार

मुम्बई। मुंबई इंडियंस की टीम का प्रदर्शन इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अच्छा नहीं रहा है और वह अब तक चार में से एक ही मैच जीती है। उससे लगातार तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में प्रशंसक आशंकित हैं कि पांच बार की विजेता इस बार प्लेऑफ में पहुंच पायेगी या नहीं। टीम 4 मैच में तीन हार के बाद अब अंक तालिका में 8वें नंबर नजर आ रही है हालांकि उसके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें अभी भी बरकरार है। उसे पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत की थी पर इसके बाद से ही वह लगातार हार रही है। टूर्नामेंट में सभी टीमों को 14-14 मैच खेलने हैं। ऐसे में मुंबई इंडियंस के पास प्लेऑफ में क्वालीफाई करने का अब भी अवसर है। उसे अभी दस मैच खेलने हैं। प्लेऑफ में प्लेऑफ में क्वालीफाई करने के लिए मुंबई इंडियंस को अंक तालिका में शीर्ष चार में जगह बनानी होगी। अंतिम चार में पहुंचने के लिए उसे कुल 16 अंक चाहिये। वहीं अभी उसके 2 अंक ही हैं। ऐसे में टीम को बचे हुए 10 में से सात मैच जीतने होंगे। तभी वह शीर्ष चार में पहुंच सकती है। पहले सत्र में भी मुंबई इंडियंस ने शुरुआती झटकों के बाद वापसी करते हुए प्लेऑफ में जगह बनायी थी।

आईपीएल में इस बार विकेटों के लिए तरस रहे बुमराह

मुम्बई (एजेंसी)। मुम्बई इंडियंस के अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का प्रदर्शन आईपीएल के इस सत्र में अब तक अच्छा नहीं रहा है। बुमराह की गेंदों को खेलना अच्छे-अच्छे बल्लेबाजों के लिए भी कठिन रहा है पर इस सत्र में वैभव सूर्यावंशी जैसे उभरते हुए बल्लेबाज ने भी उनपर जमकर चौके छक्के लगा दिये हैं। पिछले चार मैचों मैचों से बुमराह विकेट के लिए तरस रहे हैं। ये पहली बार है जब बुमराह इतने कठिन दौर से गुजर रहे हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ खेले मैच में भी बुमराह ने विकेट के लिए पूरा जोर लगा दिया पर असफल रहे। इस मैच में बुमराह ने चार ओवर में 35 रन दिये पर उन्हें एक भी विकेट नहीं मिला।

आरसीबी के खिलाफ टक्कर से पहले बुमराह को पहले तीन मैचों में भी विकेट नहीं मिला था। पहला मैच मैच कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ हुआ था जिसमें बुमराह ने चार ओवर में 35 रन दिये पर विकेट नहीं ले पाये। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 4 ओवर में 21 दिये और वह इस मैच में भी विकेट नहीं निकाल पाये।

तीसरे मैच में बुमराह ने राजस्थान के खिलाफ तीन ओवर की गेंदबाजी की और 32 रन दिए पर इस बार भी उन्हें विकेट नहीं मिला। ऐसे में कहा जा रहा है कि आईपीएल में लगता है बुमराह का जादू समाप्त हो गया है। उनके असफल होने से मुम्बई भी लगातार तीन मैचों से हार रही है। आईपीएल में इससे पहले के सत्रों की बात करें तो बुमराह का प्रदर्शन बेहद अच्छा रहा है। साल 2013 में डेब्यू के बाद से ही उन्होंने अब तक 149 मैचों में 183 विकेट लिए हैं। आईपीएल में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 10 रन देकर 5 विकेट लेने का रहा है।

ये भी कहा जा रहा है कहीं वह अपनी फिटनेस से समझौता तो नहीं कर रहे। कोलकाता नाइट राइडर्स, दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ उनके गेंद की रफ्तार थोड़ी कम दिखी। जिसे लग रहा है कि वह अपनी पूरी ताकत से गेंदबाज़ी नहीं कर रहे थे। ऐसे में सवाल बड़ा ये है कि क्या बुमराह चोट छिपाकर खेल रहे है या फ्रेंचाइजी के दबाव में फिट ना होने के बावजूद मैदान पर उतर रहे हैं1 धीमी रफ्तार से गेंदबाज़ी। बुमराह ने सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में ज्यादा समय बिताया था। वह मुंबई इंडियंस के साथ उनके पहले मैच से ठीक पहले ही जुड़े थे। ऐसे में वह अपने को थोड़ा बचाकर गेंदबाज़ी कर रहे थे जिससे भी कई सवाल उठ रहे हैं।

कार्डियोलॉजिस्ट बनकर रखें लोगों के दिलों का ख्याल

एक बेहतरीन हृदय रोग विशेषज्ञ बनने के लिए छात्रों के पास ना सिर्फ चिकित्सा और विज्ञान में संबंधित ज्ञान होना चाहिए, बल्कि रोगियों की सेवा करने, दूसरों के प्रति दया करने, आत्म-प्रेरित होने और चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लंबे समय तक जीवित रहने में सक्षम होना चाहिए। हृदय हमारे शरीर का एक बेहद महत्वपूर्ण आंतरिक अंग है और एक हेल्दी लाइफस्टाइल जीने के लिए जरूरी है कि आप इसका पूरी तरह ख्याल रखें।

आमतौर पर लोग अपने दिल का ख्याल रखने के लिए खानपान से लेकर अन्य कई उपाय अपनाते हैं, लेकिन फिर भी कई बार लोगों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इस स्थिति में व्यक्ति को कार्डियोलॉजिस्ट को कंसल्ट करने की जरूरत पड़ती है। कार्डियोलॉजी चिकित्सा का एक प्रभाग है जो हृदय विकारों से संबंधित निदान और उपचार से संबंधित है। दिल के विकारों से निपटने वाले चिकित्सा चिकित्सकों को आमतौर पर कार्डियोलॉजिस्ट या हृदय रोग विशेषज्ञ कहा जाता है। चिकित्सा विज्ञान की इस शाखा का बेहद महत्व है और अगर आप चाहें तो इस दिशा में अपना कदम बढ़ा सकते हैं-

क्या होता है काम

एक हृदय रोग विशेषज्ञ हृदय, धमनियों और नसों का डॉक्टर है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, हृदय रोग विशेषज्ञ हृदय की विफलता, जन्मजात हृदय दोष और कोरोनरी धमनी रोग का निदान और उपचार प्रदान करते हैं। इसमें धमनियों के संकीर्ण होने, हृदय के वाल्व में समस्याएं, मांसपेशियों के ऊतकों को नुकसान और पेरिकार्डियम के विकार के कारण प्रतिबंधित परिसंचरण के कारण होने वाली समस्याएं शामिल हैं।

स्किल्स

एजुकेशन एक्सपर्ट्स का मानना है कि एक बेहतरीन हृदय रोग विशेषज्ञ बनने के लिए छात्रों के पास ना सिर्फ चिकित्सा और विज्ञान में संबंधित ज्ञान होना चाहिए, बल्कि रोगियों की सेवा करने, दूसरों के प्रति दया करने, आत्म-प्रेरित होने और चिकित्सा शिक्षा और अभ्यास के लंबे समय तक जीवित रहने में सक्षम होना चाहिए। कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए अनुशासन, धैर्य, उत्कृष्टता के लिए प्रतिबद्धता और आत्मविश्वास का होना भी उतना ही आवश्यक है। उनके पास जीवन की खतरनाक स्थितियों में निर्णय लेने की क्षमता होनी चाहिए। कैरियर कोच कहते हैं कि हृदय रोग विशेषज्ञ को भी आहार और व्यायाम विशेषज्ञ भी होना चाहिए।

योग्यता

एक कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए एमबीबीएस की डिग्री के अलावा कई सालों की प्रैक्टिस, लाइसेंस व बोर्ड सर्टिफिकेशन होना चाहिए। कार्डियोलॉजिस्ट बनने के लिए एमडी/एमएस या डीएनबी की डिग्री लेने के बाद इस क्षेत्र में स्पेशलाइजेशन के लिए डीएम इन कार्डियोलॉजी की डिग्री लेनी होगी। इस डिग्री की अवधि लगभग तीन साल की होती है।

अवसर

कॅरियर काउंसलर के अनुसार, एक प्रोफेशनल कार्डियोलॉजिस्ट के लिए अवसरों की कोई कमी नहीं है। आप सरकारी या प्राइवेट हास्पिटल में बतौर डॉक्टर काम कर सकते हैं। इसके अलावा आप कार्डियक रिहैबिलेशन सेंटर या क्लीनिक टेस्टिंग सेंटर्स में भी काम कर सकते हैं। वहीं आप खुद की प्रैक्टिस भी शुरू कर सकते हैं और खुद का क्लीनिक खोल सकते हैं। जो कार्डियोलॉजिस्ट पढ़ाना पसंद करते हैं, वे मेडिकल कॉलेजों में बतौर लेक्चरर भी अपनी सेवाएं दे सकते हैं।

आमदनी

एक कार्डियोलॉजिस्ट की आमदनी उसके अनुभव व भौगोलिक स्थान पर मुख्य रूप से निर्धारित होती है। जो कार्डियोलॉजिस्ट शहर में काम करते हैं, उन्हें अपेक्षाकृत अधिक सैलरी मिलती है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में आमदनी का स्तर कम हो सकता है। हालांकि अगर आप किसी सरकारी अस्पताल में बतौर फ्रेशर काम शुरू करते हैं, तब भी शुरूआती दौर में आप 25000 रूपए आसानी से कमा सकते हैं। जबकि निजी अस्पतालों में वेतन अधिक हो सकता है। वहीं कुछ वर्षों के अनुभव के बाद आपकी आमदनी लाखों में हो सकती है।

प्रमुख संस्थान

- गोविंद वल्लभ पंत इंस्टीट्यूटी ऑफ पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, नई दिल्ली
- रविन्द्रनाथ टैगोर इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियक साइंस, कोलकाता
- मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली
- ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, नई दिल्ली
- आर्म्ड फोर्स मेडिकल कॉलेज, पुणे
- संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस, लखनऊ

फॉरेंसिक साइंस के क्षेत्र में कॅरियर कैसे बनाएं? कोर्स, जॉब और सैलरी

फॉरेंसिक साइंस की फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जाँच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सेंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं।

फॉरेंसिक साइंस का इस्तेमाल आपराधिक मामलों की जांच और कानूनी प्रक्रियाओं के लिए किया जाता है। फॉरेंसिक साइंस में केमिस्ट्री, बायोलॉजी, फिजिक्स, जियोलोजी, साइकोलॉजी, सोशल साइंस, इंजीनियरिंग आदि फील्ड्स शामिल होती हैं। इस फील्ड में काम करने वाले प्रोफेशनल फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट या फॉरेंसिक साइंस एक्सपर्ट्स कहलाते हैं। फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट्स टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके क्राइम स्पॉट पर मौजूद सबूतों की जाँच करते हैं और अपराधियों को पकड़ने में मदद करते हैं। इसके लिए वे क्राइम सीन, ब्लड सेंपल, डीएनए प्रोफाइलिंग आदि की जांच करते हैं।

कोर्स

फॉरेंसिक साइंस में करियर बनाने के लिए 12द्ध में साइंस होनी जरूरी है। आप फोरेंसिक साइंस एंड क्रिमिनोलॉजी या फॉरेंसिक साइंस एंड लॉ में एक वर्षीय डिप्लोमा कर सकते हैं। आप फॉरेंसिक साइंस 3 साल की बीएससी, 2 साल की एमएससी भी कर सकते हैं। इस फील्ड में स्पेशलाइजेशन और रिसर्च करने के इच्छुक हों तो फॉरेंसिक साइंस में पीएचडी और एमफिल भी कर सकते हैं।

जरूरी स्किल्स

एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को जिज्ञासु होना चाहिए और साहसिक कार्यों में दिलचस्पी होनी चाहिए। इस फील्ड में हर कदम पर चुनौती है इसलिए आपको दिमागी तौर पर मजबूत होना जरूर है। इसके साथ ही आपके अंदर मजबूत कम्युनिकेशन स्किल्स होना भी बेहद जरूरी है। एक फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को कई तरह की टेस्ट रिपोर्ट लिखनी होती हैं इसलिए आपकी राइटिंग स्किल्स भी अच्छी होनी चाहिए।फॉरेंसिक साइंस साइंटिस्ट को सबूतों की जाँच करनी होती है इसलिए आपको एकाग्रता और सतर्कता के साथ काम करना आना चाहिए।

कहां मिलेगी नौकरी

इस फील्ड में सरकारी और प्राइवेट जॉब्स की भरमार है। फॉरेंसिक साइंस में डिग्री हासिल करने के बाद आपको पुलिस, लीगल सिस्टम, इंवेस्टिगेटिव सर्विस जैसी जगहों पर जॉब मिल सकती है। वहीं, कोई प्राइवेट एजेंसी भी आपको बतौर फॉरेंसिक साइंटिस्ट्स जॉब ऑफर कर सकती है। अगर आप में योग्यता है तो आपको फॉरेंसिक साइंटिस्ट इंटेलि?जेंस ब्यूरो और सीबीआई में भी नौकरी का अवसर प्राप्त हो सकता है। इसके अलावा आप किसी फॉरेंसिक साइंस शिक्षण संस्थान में टीचर के रूप पढ़ा कर अच्छी सैलरी कमा सकते हैं।

सैलरी

योग्यता के आधार पर आपको शुरुआत में 20-50 हजार रुपये प्रतिमाह तक सैलरी मिल सकती है। समय के साथ अनुभव होने पर आप 6 से 8 लाख रुपये तक महीना कमा सकते हैं।

विदेशों में स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

विदेशों से हायर एजुकेशन प्राप्त करना कई लोगों की टू-डू लिस्ट में शामिल होता है। कई लोग इसे प्राप्त कर लेते हैं और कई लोग इसे प्राप्त करने से वंचित भी रह जाते हैं। विदेशों से हायर एजुकेशन की पढ़ाई करने पर जीवन में कई अवसर मिलते हैं। हालांकि हायर एजुकेशन जितने बेहतर अवसर देता है उतना ही खर्चीला भी है। विदेशों में पढ़ाई करने के लिए एक बेहतर प्लानिंग की आवश्यकता तो होते ही है साथ ही आवश्यकता होती है नॉलेज की। उसी नॉलेज और प्लानिंग में से एक है स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करना। जब स्कॉलरशिप की बात आती है तो हमें कई बातों को ध्यान में रखना पड़ता है। आइए जानते हैं कुछ महत्वपूर्ण बातों को जिन्हें स्कॉलरशिप प्राप्त करने से पहले ध्यान में रखना पड़ता है।

स्ट्रांग प्रोफाइल बनाएं

हालांकि स्कॉलरशिप के लिए एकेडमिक स्ट्रेन्थ आवश्यक है। अगर मास्टर्स करने का आप प्लान बना रहे हैं तो आपका जीपीए 70 से अधिक है तो स्कोर बेहतर माना जाता है। लेकिन केवल इतना ही आवश्यक नहीं है। स्कॉलरशिप के लिए अप्लाई करते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि आपका प्रोफाइल बेहद स्ट्रांग होना चाहिए। इसके लिए आप इसमें एक्स्ट्रा करिकुलम एक्टिविटी जैसे स्पोर्टस, म्यूजिक, ड्रामा इत्यादि की डिटेल जरूर लिखें। इससे आपका प्रोफाइल बेहद स्ट्रांग बनेगा।

यूनिवर्सिटी स्कॉलरशिप से आगे बढ़कर सोचें

ध्यान रखें कि विदेशों में पढ़ने के लिए केवल यूनिवर्सिटी ही नहीं बल्कि कई संस्था स्कॉलरशिप प्रदान करती है। ये स्कॉलरशिप सरकारी के साथ-साथ प्राइवेट संस्थाओं द्वारा भी दिया जाता है। अगर आप भारत में हैं तो कईं संस्था जैसे टाटा आपको विदेश में पढ़ने के लिए स्कॉलरशिप देगी। इसके साथ ही अगर आप विदेश में हैं तो वो देश भी विदेशों छात्रों के लिए कई स्कॉलरशिप प्लान पर कार्य करता है। इन स्कॉलरशिप के बारे में दोनें देशों के एजुकेशन डिपार्टमेंट से जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

कोर्स से पहले कर दें अप्लाई

आप जो कोर्स करना चाहते हैं उसके शुरू होने से 18 महीने पहले आप अप्लाई करने की प्रक्रिया शुरू कर दें। ऐसा इसलिए क्योंकि आवेदन करने के बाद डॉक्यूमेंट सबमिशन और वेरिफिकेशन में काफी वक्त लगता है। ऐसे में आपको समय पर स्कॉलरशिप भी मिल जाएगा और कोर्स में भी कोई समस्या नहीं होगी।

एप्लीकेशन का कराएं रिव्यू

एप्लीकेशन फॉर्म भरने के बाद यह सबसे बेहतर आइडिया है कि उसका रिव्यू करा लिया जाए। रिव्यू कराने से एप्लीकेशन की कमियां सामने आएगी और उसके बाद सुधार किया जा सकेगा। अपना एप्लीकेशन और डॉक्यूमेंट लें और उसे किसी प्रोफेशनल के पास ले जाएं। ये प्रोफेशनल आपके शिक्षक या कोई अन्य एक्सपर्ट भी हो सकते हैं। इससे आपको रिव्यू मिलेगा और आप एप्लीकेशन में सुधार कर पाएंगे।

अधिक से अधिक रियल रहने का प्रयास करें

जब एप्लीकेशन लिखे तो ज्यादा से ज्यादा रियल रहने का प्रयास करें। यूनिवर्सिटी में आप खुद को निखारने और खुद को बेहतर बनाने के लिए जाते हैं इसी कारण एप्लीकेशन में खुद को ज्यादा बढ़ा-चढ़ा कर ना लिखें। जो हैं वह ईमानदारी के साथ लिखें और अपने स्किल, पैशन और इंटरेस्ट आदि के विषय में लिखें।

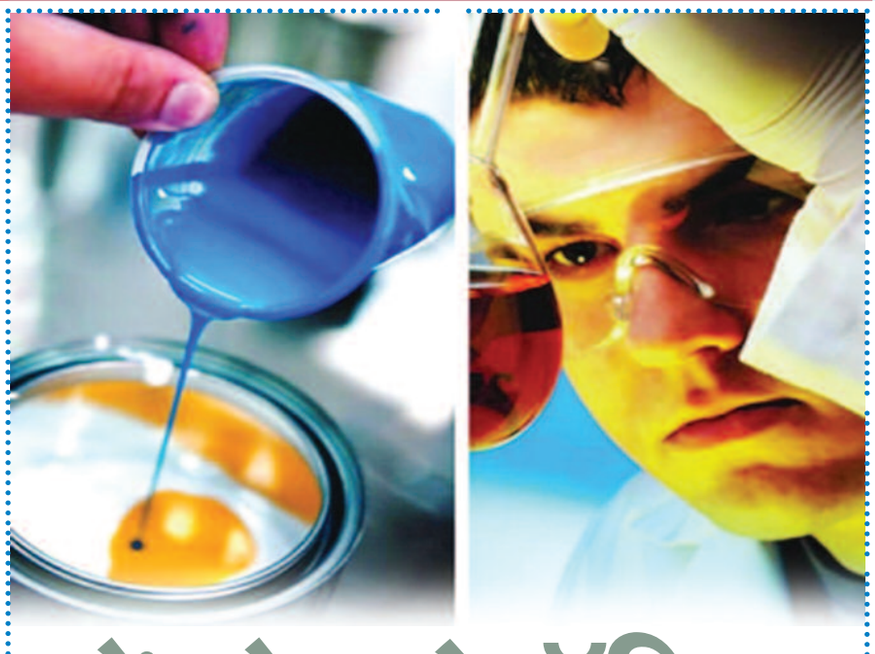

पेंट टेक्नोलॉजिस्ट बनकर कॅरियर को दें एक रंगीन दिशा

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट अलग-अलग एप्लीकेशन के लिए विभिन्न पेंट की उपयुक्तता की पहचान और मूल्यांकन करता है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ग्राहकों को पेंट के सही उपयोग के बारे में समझाता है और उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहचान करता है। रंगों का जीवन से एक गहरा नाता है। रंगों के बिना दुनिया की कल्पना भी नहीं की जा सकती। कपड़ों से लेकर घर तक हर जगह तरह-तरह के रंगों का इस्तेमाल किया जाता है। लेकिन क्या आपने कभी इन्हीं रंगों में अपना करियर बनाने की सोची है। अगर नहीं, तो अब आप इस क्षेत्र में भी अपना भविष्य बना सकते हैं। जी हां, पेंट टेक्नोलॉजी एक ऐसा ही क्षेत्र है। अगर आप भी चाहें तो इस क्षेत्र में अपना सफल भविष्य बना सकते हैं। तो चलिए विस्तार से जानते हैं इस क्षेत्र के बारे में

क्या है पेंट टेक्नोलॉजी

पेंट टेक्नोलॉजी एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें पेंट बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाले विभिन्न इंग्रीडिएंट जैसे रॉल, पॉलिमर व पिगमेंट आदि के बारे में अध्ययन किया जाता है। पेंट टेक्नोलॉजी में, विभिन्न प्रकार के पेंट, उनके निर्माण, विभिन्न प्रकार के पेंट के उपयोग और पेंट के अनुप्रयोग के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीकों के बारे में अध्ययन किया जाता है। इस विषय क्षेत्र में स्नातक करने वालों को पेंट टेक्नोलॉजिस्ट के रूप में जाना जाता है।

क्या होता है काम

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट अलग-अलग एप्लीकेशन के लिए विभिन्न पेंट की उपयुक्तता की पहचान और मूल्यांकन करता है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ग्राहकों को पेंट के सही उपयोग के बारे में समझाता है और उत्पादों के लिए नए बाजारों की पहचान करता है। उनके काम में पेंट के नए रंग और बनावट विकसित करना, पेंट एप्लीकेशन के लिए नई तकनीक को विकसित करना आदि शामिल हैं। सरल भाषा में, वे नए उत्पादों को विकसित करने के साथ-साथ उन उत्पादों के गुणों को बढ़ाने और उन्नत करने के लिए जिम्मेदार हैं जो पहले से ही विकसित किए गए हैं।

पर्सनल स्किल्स

एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट को रंगों से बेहद प्यार होना चाहिए। साथ ही उसमें कई तरह के एक्सपेरिमेंटल स्किल्स भी होने चाहिए, ताकि वह नए रंगों के साथ-साथ उनके टेक्टचर को भी बेहतर बना सके। एक पेंट टेक्नोलॉजिस्ट को मेहनती होना चाहिए। इसके अलावा, आपमें अच्छी संचार कौशल और टीम भावना होनी चाहिए, क्योंकि आपको इस उद्योग में अन्य पेशेवरों के साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता होगी। साथ ही विभिन्न विभागों में टीमों का नेतृत्व करने के लिए पेंट टेक्नोलॉजिस्ट में प्रबंधकीय कौशल भी आवश्यक है।

योग्यता

इस क्षेत्र में कदम रखने के लिए आपको बीटेक इन पेंट टेक्नोलॉजी करना होगा। बीटेक के बाद आप एमटेक कर सकते हैं। अधिकांश संस्थानों द्वारा पेंट इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों को केमिकल इंजीनियरिंग में एक विषय के रूप में भी पेश किया जाता है।

संभावनाएं

पेंट उद्योग के विभिन्न विभागों में पेंट टेक्नोलॉजिस्ट की आवश्यकता होती है। वे पेंट निर्माण कंपनियों के किसी भी विभाग में काम पा सकते हैं। पेंट उद्योग मुख्य रूप से ऑटोमोबाइल और रियल एस्टेट उद्योग पर निर्भर है। कई बड़ी-बड़ी पेंट मैन्युफैक्चिरिंग कंपनियों जैसे एशियन पेंट्स इंडिया लिमिटेड, शालीमार पेंट्स, बर्जर पेंट्स इंडिया लिमिटेड, नेरोलैक पेंट्स लिमिटेड आदि में पेंट टेक्नोलॉजिस्ट की हमेशा ही जरूरत होती है। पेंट टेक्नोलॉजिस्ट ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री, होम फर्निशिंग इंडस्ट्री आदि में भी कार्य कर सकते हैं।

आमदनी

इस क्षेत्र में वेतन आपके अनुभव और उस सेक्टर पर निर्भर करता है, जिसके लिए आप काम कर रहे हैं। इस क्षेत्र में शुरुआत करने वाले व्यक्ति प्रारंभ में 1,25000 रूपए से 2,00000 रूपए प्रति वर्ष कमा सकते हैं। इसके अलावा अगर आप किसी प्रतिष्ठित ब्रांड के साथ काम कर रहे हैं तो आपको आकर्षक वेतन मिल सकता है। वहीं, अनुभव बढ़ने के साथ-साथ आपका वेतन भी बढ़ता जाता है।

प्रमुख संस्थान

हरकोर्ट बटलर तकनीकी विश्वविद्यालय, कानपुर
यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी, जलगांव, महाराष्ट्र
गार्वियर इंस्टीट्यूट ऑफ कॅरियर एजुकेशन एंड डेवलपमेंट, सांताक्रूज, महाराष्ट्र
लक्ष्मीनारायण इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नागपुर

वीकएंड पर फिर गरजी 'धुरंधर 2', जानें 'डकैत' और 'प्रोजेक्ट हेल मेरी' का कैसा है हाल?

सिनेमाघरों में बॉलीवुड, हॉलीवुड और साउथ की फिल्में धमाल मचा रही हैं। रविवार का दिन सभी फिल्मों के लिए ठीक-ठाक रहा। 'धुरंधर 2' सभी फिल्मों पर हावी रही है। इसे वीकएंड का फायदा मिला है। धीमी रफ्तार से 'डकैत' की कमाई जारी है। 'प्रोजेक्ट हेल मेरी' की भी वीकएंड पर कमाई बढ़ी है। आइए जानते हैं सभी फिल्मों का कलेक्शन।

'धुरंधर 2' दुनियाभर में भी अच्छी कमाई कर रही है। इसने 25 दिनों में वर्ल्डवाइड 1712.98 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। अगर फिल्म की कमाई इसी तरह जारी रही तो यह जल्द ही 'पुष्पा 2' का रिकॉर्ड तोड़ देगी। 'पुष्पा 2' का वर्ल्डवाइड कलेक्शन लगभग 1740 करोड़ रुपये है। 'धुरंधर 2' ने रचा इतिहास 'धुरंधर 2' चीन और खाड़ी देशों के कलेक्शन को छोड़कर, दुनिया भर में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बन गई है। चीन और खाड़ी देशों के बिजनेस को छोड़कर 'दंगल' ने 700झ790 करोड़ रुपये, 'पुष्पा 2' 1685 करोड़ रुपये और 'बाहुबली 2' 1615 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

'डकैत' का कुल कलेक्शन

साउथ की फिल्म 'डकैत' ने रिलीज के तीसरे दिन यानी रविवार को 6.40 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। शनिवार को इसने 6.85 करोड़ रुपये कमाए थे। पहले दिन इसकी कमाई 6.55 करोड़ रुपये थी। इस तरह से इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कुल 19.80 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इसमें मृणाल ठाकुर और अदिवि शेष अहम किरदार में हैं। यह फिल्म तेलुगु और हिंदी में रिलीज हुई है।

'प्रोजेक्ट हेल मेरी'

26 मार्च को भारत में रिलीज होने वाली फिल्म 'प्रोजेक्ट हेल मेरी' ने रविवार को 4.05 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। शनिवार को फिल्म ने 4.10 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। दूसरे हफ्ते में इसने 20.30 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया। पहले हफ्ते में फिल्म ने 24.70 करोड़ रुपये कमाए थे। इस फिल्म का टोटल कलेक्शन 55.01 करोड़ रुपये हो गया है।

नीतू कपूर ने ऋषि कपूर के साथ शेयर की थ्रोबैक तस्वीर

अपनी सगाई की 47वीं सालगिरह पर किया याद

रणबीर कपूर की मां और दिग्गज अभिनेत्री नीतू कपूर ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर अपने दिवंगत पति ऋषि कपूर को याद करते हुए एक खास तस्वीर शेयर की है। यह खास तस्वीर उनकी सगाई की 47वीं सालगिरह के दौरान की है। नीतू ने किया ऋषि को याद नीतू कपूर ने इंसटाग्राम स्टोरी पर ऋषि कपूर के साथ अपनी एक खास पुरानी तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर में नीतू और ऋषि दोनों बहुत खुश दिख रहे हैं। इस तस्वीर में दोनों के चेहरों पर प्यारी सी मुस्कान दिखाई दे रही है। नीतू ने इस थ्रोबैक तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, 'आज ही के दिन 1979 में हमारी सगाई हुई थी।' नीतू और ऋषि की शादी नीतू और ऋषि कपूर की शादी 22 जनवरी 1980 को हुई थी। उस समय यह बॉलीवुड की सबसे महंगी और चर्चित शादियों में से एक थी। शादी में फिल्म इंडस्ट्री के बहुत सारे बड़े स्टार आए थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नीतू अपनी शादी के बीच में इतने सारे स्टारों और भीड़ को देखकर बेहोश हो गई थीं। शादी के बाद 1980 में उनकी बेटी रिद्धिमा कपूर साहनी पैदा हुई और 1982 में बेटे रणबीर कपूर का जन्म हुआ। ऋषि कपूर का अप्रैल 2020 में कैंसर की वजह से निधन हो गया था। 'दादी की शादी' में नजर आएंगी नीतू कपूर नीतू कपूर जल्द ही फिल्म ह्यदादी की शादीह्न में नजर आएंगी। यह फिल्म कपिल शर्मा और रिद्धिमा कपूर साहनी के साथ है।

2003 की यादों में लौटीं पूजा भट्ट, 'पाप' के सेट से जॉन अब्राहम संग शेयर की अनदेखी तस्वीर

बॉलीवुड में कई ऐसी फिल्में बनी हैं, जो सिर्फ अपनी कहानी के लिए ही नहीं बल्कि अपनी लोकेशन और असलपन के लिए भी याद की जाती हैं। इन्हीं फिल्मों में एक नाम है 'पाप'... सोमवार को इस फिल्म से जुड़ी एक खास याद अभिनेत्री पूजा भट्ट ने साझा की। उनके इस पोस्ट ने फैंस को एक बार फिर 2003 के दौर में पहुंचा दिया। दरअसल, पूजा भट्ट ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर एक पुरानी तस्वीर शेयर की है, जो फिल्म 'पाप' की शूटिंग के दौरान ली गई थी। इस तस्वीर में वह जॉन अब्राहम के साथ सीढ़ियों पर बैठी नजर आ रही हैं। उनके आसपास काजा के स्थानीय लोग भी मौजूद हैं। सभी के चेहरे पर मुस्कान है। तस्वीर की खास बात यह है कि इसमें स्थानीय लोग अपने पारंपरिक पहनावे में नजर आ रहे हैं। ऊनी टोपी, गर्म कपड़े और सांस्कृतिक गहनों से सजी उनकी वेशभूषा उस इलाके की पहचान को बखूबी दर्शाती है। स्पीति वैली की यह झलक फिल्म की कहानी को और भी असली बनाती है। पूजा भट्ट ने इस तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा, "2003 में काजा में ली गई यह तस्वीर फिल्म की सादगी और उसके असली अंदाज को बहुत खूबसूरती से दिखाती है।" बता दें कि 'पाप' पूजा भट्ट की डायरेक्टर के तौर पर पहली फिल्म थी। इस फिल्म में जॉन अब्राहम और उदिता गोस्वामी मुख्य भूमिका में थे, जबकि दिग्गज अभिनेता मोहन अगाशे ने भी अहम किरदार निभाया था। फिल्म की शूटिंग स्पीति की खूबसूरत वादियों में हुई थी। अगर फिल्म की कहानी की बात करें तो यह 'काया' नाम की एक बौद्ध लड़की (उदिता गोस्वामी) के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसे भविष्य में आध्यात्मिक गुरु बनने के लिए तैयार किया जा रहा होता है। उसकी जिंदगी उस समय बदल जाती है, जब उसकी मुलाकात पुलिस इंस्पेक्टर शिवेन से होती है, जिसका किरदार जॉन अब्राहम ने निभाया है। फिल्म में धर्म, इच्छाएं, आत्मसंघर्ष और मोक्ष जैसे गहरे विषयों को बहुत ही संवेदनशील तरीके से दिखाया गया है।

प्रियंका चोपड़ा ने किए स्वर्ण मंदिर के दर्शन

'वाराणसी' के अलावा इस फिल्म में आएंगी नजर

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा इन दिनों भारतीय फिल्मों में वापसी की तैयारी कर रही हैं। महेश बाबू के साथ फिल्म 'वाराणसी' के बाद अब वह एक नई फिल्म पर काम कर रही हैं। जानिए प्रियंका की नई फिल्म का नाम क्या है। प्रियंका ने किए स्वर्ण मंदिर के दर्शन इस महीने की शुरूआत में प्रियंका चोपड़ा को स्वर्ण मंदिर में प्रार्थना करते और रसोई में सेवा करते देखा गया था। हाल ही में उन्होंने फिर से स्वर्ण मंदिर जाकर प्रार्थना की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रियंका कल रात करीब 12 बजे स्वर्ण मंदिर में नजर आईं। वह वहां प्रार्थना कर रही थीं और परिक्रमा स्थल पर कुछ देर रुकीं। पंजाब में कई जगहों पर की प्रार्थना स्वर्ण मंदिर के अलावा, पिछले कुछ दिनों में प्रियंका ने पंजाब के कई और धार्मिक जगहों पर भी जाकर दर्शन किए। इनमें शहीद बाबा गुरबख्श सिंह जी, थड़ा साहिब, शहीदान सिंह मेमोरियल, झंडा बंगा साहिब, बाबा बुद्धा जी और दुख भंजनी बेर साहिब शामिल हैं। प्रियंका चोपड़ा ने स्वर्ण मंदिर में सेवा भी की कुछ दिन पहले प्रियंका की सेवा करते हुए तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। उन तस्वीरों में प्रियंका सिर पर कपड़ा बांधे, पारंपरिक कपड़े पहने, सबके साथ एक जगह बैठी थीं। वह बर्तन धोने और दूसरे कामों में मदद कर रही थीं। प्रियंका ने मंदिर में सबके साथ प्रार्थना भी की थी। प्रियंका की नई फिल्म 'अमरी' की शूटिंग शुरू प्रियंका इन दिनों अपनी नई फिल्म के लिए पंजाब के अमृतसर में रुकी हुई हैं। फिल्म 'अमरी' की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू हो चुकी है। प्रियंका अपना पूरा शेड्यूल पूरा करने में व्यस्त हैं। वह आखिरी बार फिल्म 'द ब्लफ' में नजर आई थीं, जिसमें उन्होंने अभिनेता कार्ल अर्बन के साथ काम किया था। 'अमरी' के अलावा प्रियंका फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगी। 'वाराणसी' में प्रियंका साउथ अभिनेता महेश बाबू के साथ नजर आएंगी। इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं।

'जना नायकन' लीक मामले में तमिलनाडु साइबर क्राइम ने शुरू की जांच, छह गिरफ्तार

थलपति विजय की आगामी राजनीतिक एक्शन थ्रिलर फिल्म 'जना नायकन' के रिलीज से पहले लीक होने की घटना सोशल मीडिया पर बड़ा मुद्दा बन चुकी है। साउथ के कई बड़े सुपरस्टार ने लीक और पाइरेसी की बढ़ती घटनाओं पर सवाल किए, जिसके बाद अब तमिलनाडु की साइबर पुलिस हरकत में आ गई है और मामले में 6 लोगों की गिरफ्तारी भी कर ली है। इस बात की जानकारी खुद तमिलनाडु की साइबर पुलिस ने दी है। तमिलनाडु पुलिस की साइबर क्राइम विंग ने कथित डेटा लीक की विस्तृत जांच आधिकारिक तौर पर शुरू कर दी है। यह शिकायत केवीएन प्रोडक्शंस के प्रोडक्शन कंट्रोलर आर. उदयकुमार की ओर से आई थी। उन्होंने तत्काल हस्तक्षेप की अपील करते हुए कहा कि अप्रकाशित फुटेज को गैरकानूनी रूप से प्राप्त कर अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर रिलीज किया गया। शिकायत के अनुसार, यह कोई आकस्मिक लीक नहीं थी। इसमें 21 व्यक्तियों के नाम सामने आए हैं, जिन पर एक कथित पायरेसी नेटवर्क में शामिल होने का आरोप है। तमिलनाडु साइबर क्राइम ने अपने ट्वीट में जानकारी दी है कि अब तक छह गिरफ्तारियां हो चुकी हैं और 300 से अधिक अवैध लिंक पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस ने पाइरेसी को अपराध बनाते हुए ऐसी हरकत करने वाले लोगों को चेताया है और कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी भी दी है। बता दें कि थ्रिलर फिल्म 'जना नायकन' अभिनेता विजय के राजनीति में आने से पहले की आखिरी फिल्म है, जिसमें पूजा हेगड़े लीड रोल में हैं। फिल्म में विजय की एंट्री के कुछ सीन्स को लीक कर दिया गया है, जिसमें अभिनेता सादे कपड़ों में बच्चों के साथ खेलते नजर आ रहे हैं। माना जाता रहा है कि यह फिल्म का शुरूआती सीन है, जिसे सोशल मीडिया पर वायरल किया जा रहा है। मामले में कमल हासन, रजनीकांत, चिरंजीवी, विजय देवरकोंडा और अल्लू अर्जुन जैसे अभिनेता घटना को निंदनीय बता चुके हैं। इससे पहले आरआरआर, पुष्पा-2 और बाहुबली-2 जैसी बड़े बजट की फिल्मों को भी पाइरेसी का दंश झेलना पड़ा था। मेकर्स ने उस वक्त भी फैंस से फर्जी लिंक्स से फिल्म न देखने की अपील की थी।

शाहरुख की इस फिल्म में काम ना करने का राजपाल यादव को है पछतावा

अभिनेता राजपाल यादव अपनी अपकमिंग फिल्म 'भूत बंगला' की रिलीज की तैयारी में जुटे हैं। हाल ही में उन्होंने बताया कि गलतफहमी में एक फिल्म ठुकराने का उन्हें बहुत पछतावा है। उनके मुताबिक गलतफहमी की वजह से उनके हाथ से शाहरुख खान की फिल्म 'ओम शांति ओम' निकल गई थी।शाहरुख को किया नाराज राजपाल यादव ने बताया कि शुरूआत में उन्हें प्रियदर्शन की फिल्म 'बिल्लू' में बिल्लू बार्बर का किरदार निभाना था। हालांकि, बाद में यह रोल इरफान खान ने निभाया। उन्हें एहसास हुआ कि 'ओम शांति ओम' में कथित तौर पर एक रोल ठुकराने के बाद उन्होंने अनजाने में शाहरुख खान को नाराज कर दिया था। राजपाल यादव ने बताया कि उन्हें इस गलतफहमी के बारे में तब पता चला, जब वे 'बिल्लू' के सेट पर थे। शाहरुख से मिले राजपाल जूम के साथ बातचीत में राजपाल यादव ने कहा 'बिल्लू' का पूरा प्रोडक्शन जूही चावला के भाई देखते थे। वह मुझसे गले मिले और कहा भाई शाहरुख से मिल लेना। भाई आपको बहुत प्यार करते हैं। जब हम 'कल हो ना हो' में काम कर रहे थे तो उन्होंने कहा था कि कभी एक लंबा और बढ़िया ट्रैक करेंगे, एक सीन में मजा नहीं आया। मैंने कहा मैं तो दोपहर में ही मिला था, उन्होंने कहा थोड़ा कंफ्यूजन है। तो मैंने पूछा क्या? तो वह बोले आपके लिए रोल लिखवाया था। आपने ये कह कर मना कर दिया कि टाइम नहीं है।' किसी ने पेश की खराब छवि राजपाल यादव ने आगे कहा कि मैंने अपने मैनेजर को बुलाया और पूछा कि क्या इस तरह का कोई मामला हुआ था। इस पर उसने कहा उन्हें नहीं पता। राजपाल यादव ने कहा 'पता चला कि बीच में किसी ने मेरी बुराई करके मेरी दूसरी छवि पेश कर दी। इस बारे में शाहरुख को भी नहीं पता और मुझे भी नहीं पता। तो ये बॉलीवुड है। यहां इस तरह के कई किस्से हो जाते हैं। इसके बाद हम और शाहरुख से ऐसे गले मिले जैसे कुछ हुआ ही नहीं।' 'ओम शांति ओम' का कलेक्शन फराह खान के निर्देशन में बनी 'ओम शांति ओम' में दीपिका पादुकोण थीं। फिल्म में शाहरुख खान मुख्य भूमिका में थे। 38 करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म ने 148 करोड़ रुपये कमाए थे।

'ड्रैगन' की शूटिंग के बीच जूनियर एनटीआर ने बना ली शानदार बॉडी

साउथ के मशहूर अभिनेता जूनियर एनटीआर अपकमिंग फिल्म 'ड्रैगन' को लेकर सुर्खियों में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक प्रशांत नील के निर्देशन में बन रही इस फिल्म की शूटिंग जारी है। इस बीच सोमवार को जूनियर एनटीआर ने सोशल मीडिया पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है, जिसकी काफी चर्चा हो रही है। एनटीआर ने फ्लॉन्ट की बॉडी सोशल मीडिया पर जूनियर एनटीआर ने जो तस्वीर शेयर की है, वह वायरल हो रही है। इस तस्वीर में जूनियर एनटीआर अपना बैक साइड फ्लॉन्ट कर रहे हैं। तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा है 'बनाओ, खरीदो नहीं।' इस पोस्ट में उन्होंने अपने कोच और प्रशांत नील को टैग किया है। पोस्ट पर फैंस ने किए कमेंट तस्वीर में जूनियर एनटीआर की गठीली बॉडी देखकर फैंस हैरान हो गए। वे एनटीआर के समर्पण और जुनून की जमकर तारीफ कर रहे हैं। पोस्ट पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा है 'टाइगर'। एक और यूजर ने लिखा 'ड्रैगन'। एक और यूजर ने लिखा 'जय एनटीआर'। एक और यूजर ने लिखा है 'प्रशांत नील की ताकत'। सितंबर में शुरू की तैयारी खबरों के मुताबिक एक्टर ने अपनी फिल्म के लिए पिछले साल सितंबर में तैयारी शुरू की थी। अब ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर सामने आई हैं। उनकी वर्कआउट रूटीन में ताकत बढ़ाने वाली ट्रेनिंग और कोर एक्सरसाइज शामिल हैं, ताकि एक्शन सीन्स के लिए उनका शरीर पूरी तरह से तालमेल में रहे। कब रिलीज होगी 'ड्रैगन'? फिल्म 'ड्रैगन' एक पैन इंडिया प्रोजेक्ट है। प्रशांत नील के निर्देशन में बनी फिल्म में लंबी स्टार कास्ट हो सकती है। जूनियर एनटीआर फिल्म में मुख्य किरदार में हैं। फिल्म एक बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर फिल्म है। रिपोर्ट्स के अनुसार पहले 2026 में रिलीज होने वाली फिल्म अब 2027 तक रिलीज हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान को सऊदी अरब-कतर देंगे पांच अरब डॉलर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान की डूबती अर्थव्यवस्था को सऊदी अरब और कतर ने सहारा प्रदान करने का वादा किया है। दोनों देश खस्ताहाल पाकिस्तान को पांच अरब डॉलर की वित्तीय सहायता देंगे। पाकिस्तानी अंग्रेजी दैनिक डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, देश को महत्वपूर्ण समय में धन मिलने वाला है क्योंकि इस्लामाबाद इस महीने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 3.5 अरब डॉलर चुकाने की तैयारी कर रहा है। ऐसे में पाकिस्तान अपने विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव का सामना कर रहा है। रिपोर्ट में वित्त मंत्रालय के सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि पाकिस्तान के कमजोर विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव को कम करने के लिए सऊदी अरब और कतर पांच अरब डॉलर की वित्तीय सहायता प्रदान करेंगे।

ताइवान और चीन में नरमी के संकेत, शुरू करेंगे सीधी उड़ान

बीजिंग, एजेंसी। ताइवान व चीन के रिश्तों में जमी बर्फ पिघलने के संकेत दिखाई देने लगे हैं। चीन ने रविवार को ताइवान के साथ निलंबित संबंधों को कुछ हद तक बहाल करने का एलान किया है। इनमें चीनी शहरों के लिए सीधी उड़ानें व ताइवानी मत्स्य उत्पादों का आयात शामिल है। ताइवान की विपक्षी पार्टी की नेता चेंग ली-वुन ने लंबे अरसे बाद हाल ही में चीन की यात्रा पर थीं। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के अधीन ताइवान वर्क ऑफिस ने एक बयान में कहा कि वह कम्युनिस्ट पार्टी व ताइवान की कुओमिंतांग पार्टी के बीच एक दीर्घकालिक संचार तंत्र स्थापित करने की संभावना तलाशेगा। इसके साथ ही ताइवान के जलीय कृषि उत्पादों के आयात को सुविधाजनक बनाएगा जिन पर हाल के वर्षों में प्रतिबंध लगा दिया गया था।

नेपाल : पीएम बालेंद्र के खाते में 1.46 करोड़ रुपये

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र उर्फ बालेन शाह ने अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक किया है। उनके बैंक खाते में 1.46 करोड़ नेपाली रुपये जमा हैं। प्रधानमंत्री बालेन शाह की पत्नी सविना काफ्ले के पास सोना, चांदी और हीरा-जवाहरात सहित दो किलो 216 ग्राम आभूषण हैं। सोना, चांदी और हीरे का अलग-अलग ब्योरा नहीं दिया गया है। संपत्ति विवरण में इन आभूषणों का स्रोत पैतृक बताया गया है। प्रधानमंत्री तथा मंत्रिपरिषद कार्यालय ने रविवार शाम प्रधानमंत्री सहित अन्य मंत्रियों की संपत्ति का विवरण सार्वजनिक किया है। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह बालेन की आलोचना करने पर एक यूट्यूबर को गिरफ्तार कर लिया गया। भारी विरोध व जेन-जी आंदोलनकारियों की तरफ से आपत्ति जताए जाने के बाद उसे छोड़ दिया गया। हेड्स नामक यूट्यूब चैनल चलाने वाले रोशन पोखरेल को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार किया गया था।

क्वींसलैंड में अलग-अलग दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई और आठ अस्पताल में भर्ती

ब्रिस्बेन, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड राज्य में 24 घंटे के भीतर हुई तीन भीषण सड़क दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से पांच की हालत गंभीर है और उनकी जान को खतरा है। क्वींसलैंड पुलिस सेवा (क्यूपीएस) ने एक बयान में कहा कि रविवार को स्थानीय समयानुसार शाम 5:40 बजे के आसपास ब्रिस्बेन से 60 किलोमीटर दक्षिण में स्थित छोटे शहर क्रायना के पास एक राजमार्ग पर एक वाहन के अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त होने से दो लोगों की मौत हो गई, जिनकी पहचान नहीं हो पाई है। इससे पहले, रविवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 10:30 बजे के कुछ ही समय बाद क्रायना से 20 किलोमीटर पूर्व में माउंट टैम्बोरिन में दो कारों और एक मोटरसाइकिल के बीच हुई टक्कर के बाद आपातकालीन सेवाओं को बुलाया गया था।

इस्राइल ने रोमन गोफमैन को बनाया मोसाद का नया प्रमुख

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइल ने रोमन गोफमैन को खुफिया एजेंसी मोसाद का नया प्रमुख नियुक्त किया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पिछले साल दिसंबर में गोफमैन को नामित करने की घोषणा की थी। इस्राइली प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि वरिष्ठ पदों पर नियुक्ति के लिए गठित एक समिति ने रविवार को इस फैसले को मंजूरी दे दी। गोफमैन जून में अपना पदभार ग्रहण करेंगे। वह एजेंसी के वर्तमान निदेशक डेविड बार्निया का स्थान लेंगे। 49 वर्षीय गोफमैन एक अनुभवी सैन्य जनरल हैं। वर्तमान में वह प्रधानमंत्री के सैन्य सचिव के रूप में कार्यरत हैं।

अमेरिका-ईरान वार्ता विफल होने के बाद निक्की हेली बोलीं- तेहरान के साथ बातचीत समय की बर्बादी है

वाशिंगटन , एजेंसी। भारतीय मूल की रिपब्लिकन नेता निक्की हेली ने कहा कि अमेरिका का ईरान के साथ बातचीत से पीछे हटना सही था। उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'ब्लॉकेड प्लान' का समर्थन किया और चेतावनी दी कि तेहरान होर्मुज स्ट्रेट का इस्तेमाल वैश्विक अर्थव्यवस्था पर दबाव बनाने के लिए कर रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत आगे नहीं बढ़ पाई, दोनों पक्षों के बीच वार्ता बहुत अलग-अलग थी। निक्की हेली ने सीएनएन को एक इंटरव्यू में बताया, 'अमेरिका के पास 15 पॉइंट का प्लान था। ईरान के पास 10 पॉइंट का प्लान था। वे सच में मीलों दूर थे। ईरानी अपना न्यूक्लियर प्रोडक्शन और होर्मुज पर अपना कंट्रोल छोड़ने को तैयार नहीं थे।' उन्होंने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बातचीत खत्म करने के फैसले का समर्थन करते हुए कहा, 'हम बातचीत जारी नहीं रखेंगे। यह हमारे समय के लायक नहीं है। ट्रंप सरकार अब निश्चित तौर पर आगे बढ़ रहा है। हम ईरान पर वहीं हमला करेंगे जहां उसे चोट पहुंचेगी।'

हेली ने इस ब्लॉकेड को ईरान को कमजोर करने की एक बड़ी आर्थिक रणनीति का हिस्सा बताया। उन्होंने कहा, 'ईरान को असल में घुटनों पर लाने के लिए उस पर आर्थिक रूप से हमला करना होगा। होर्मुज स्ट्रेट को खुला रखना वैश्विक व्यापार के लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान अमेरिका और उसके साथियों पर दबाव बढ़ाने के लिए अपनी स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा, 'ईरान जीत को ट्रंप और खाड़ी के साथियों पर जितना हो सके उतना राजनीतिक और आर्थिक दबाव डालने के तौर पर देखता है। यह एक मुश्किल काम है। हेली ने कहा कि 20 फीसदी तेल, 20 फीसदी लिक्विफाइड नेचुरल गैस और एक तिहाई फर्टिलाइजर स्ट्रेट से होकर गुजरते हैं। उन्होंने कहा कि रुकावटें पहले से ही दिख रही थीं। उन्होंने कहा, 'आमतौर पर एक दिन में 135 जहाज स्ट्रेट से गुजरते थे। अब हमारे पास शायद कुछ ही बचे हैं, आपके पास 400 जहाजों का बैकलॉग है।'

हेली ने कहा कि मकसद कोई लंबी लड़ाई नहीं है। उन्होंने कहा, 'हम कभी न खत्म होने वाली लड़ाई नहीं चाहते। इसे जल्दी पूरा करने की जरूरत है।' उन्होंने बताया कि इस इलाके में अमेरिकी नेवी फोर्स पहले से ही रास्ते को सुरक्षित करने के लिए तैनात हैं। ईरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम पर, हेली ने कहा कि अभियान तब तक पूरा नहीं होगा जब तक यूरेनियम संवर्धन को हटाया नहीं जाता। उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि वह नहीं चाहते कि ईरान के पास न्यूक्लियर हथियार हो। खाड़ी के सहयोगी इस मकसद का समर्थन करते हैं।' उन्होंने सुझाव दिया कि एक टारगेटेड मिलिट्री ऑपरेशन की जरूरत पड़ सकती है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि शायद यही बात होगी, इसे पूरा होने में लगभग एक हफ्ते से 10 दिन लगेंगे।' निक्की हेली ने इसे एक स्पेशल फोर्स मिशन बताया जो खतरनाक होगा। हेली ने चीन और रूस पर ईरान की मदद करने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'चीन ने सैकड़ों बैलिस्टिक मिसाइलें सप्लाई की हैं। बीजिंग जल्द ही और एयर डिफेंस सिस्टम दे सकता है।' उन्होंने सवाल किया कि क्या ट्रंप को चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ प्लान की गई समिट पर आगे बढ़ना चाहिए। इसपर निक्की ने कहा, 'मुझे शक है कि समिट जारी रहनी चाहिए या नहीं। जब तक चीन ईरान को अपना सपोर्ट बंद नहीं करता, तब तक अमेरिका को और सख्त रवैया अपनाना चाहिए।' 2024 के कैंपेन के दौरान ट्रंप की आलोचना करने के बावजूद, हेली ने कहा, 'वह हमारे दुश्मनों से मजबूती से निपट रहे हैं, कमजोर नहीं हैं। उनका तरीका कभी-कभी अफरा-तफरी मचा सकता है।' इस दौरान निक्की ने घरेलू चिंताओं पर भी ध्यान दिलाया और कहा कि अमेरिका की अर्थव्यवस्था और बढ़ता कर्ज देश में सबसे बड़ा मुद्दा बना हुआ है। उन्होंने 40 ट्रिलियन डॉलर के करीब देश के कर्ज और एंटाइटलमेंट प्रोग्राम पर दबाव की ओर इशारा किया।

अमेरिका में विवेकानंद की पहली आदमकद प्रतिमा का अनावरण

सिएटल , एजेंसी। प्रसिद्ध भारतीय दार्शनिक और आध्यात्मिक नेता स्वामी विवेकानंद की अमेरिका में पहली आदमकद प्रतिमा स्थापित की गई है. अमेरिका के सिएटल शहर में स्वामी विवेकानंद की यह प्रतिमा वेस्टलेक स्क्वायर पर लगाई गई है. जो आने वाले दिनों में सिएटल पहुंचने वाले भारतीयों को एक अलग गौरव की अनुभूति कराएगा. स्वामी विवेकानंद की इस प्रतिमा को देखकर सहज ही उनकी 1893 की शिकागो यात्रा का यादें ताजा हो जाएगी. जब पहली बार स्वामी विवेकानंद वैश्विक रूप से चर्चा में आए थे. स्वामी के जीवन में शिकागो की इस यात्रा का बड़ा महत्व है. 1893 में शिकागो में आयोजित विश्व धर्म संसद में स्वामी विवेकानंद ने हिंदू दर्शन की ऐतिहासिक व्याख्या की थी.

सिएटल की मेयर और भारत के महावाणिज्य दूत ने किया प्रतिमा का अनावरण : अधिकारियों ने बताया कि सिएटल शहर में 'वेस्टलेक स्क्वायर' पर स्थापित आदमकद कांस्य प्रतिमा अमेरिका में किसी नगर प्रशासन की ओर से लगाई गई अपनी तरह की पहली प्रतिमा है. भारतीय कलाकार नरेश कुमार कुमावत द्वारा बनाई गई इस प्रतिमा का सिएटल की महापौर केटी विल्सन और सिएटल में भारत के महावाणिज्य दूत प्रकाश गुप्ता ने शनिवार को संयुक्त रूप से अनावरण किया. भारत के महावाणिज्य दूतावास ने स्वामी की शिकागो यात्रा का जिक्र किया सिएटल में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, ''शिकागो 1893 से सिएटल 2026 तक!...सिएटल का प्रशासन शहर के मध्य क्षेत्र में स्वामी विवेकानंद स्मारक स्थापित करने वाला पहला नगर प्रशासन बन गया है.'' विल्सन ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह स्मारक सिएटल की समावेशी भावना को दर्शाता है और भारत एवं अमेरिका के प्रशांत उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के इस विविधतापूर्ण महानगरीय प्रौद्योगिकी केंद्र के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करता है. भारत और अमेरिका के आपसी संबंधों को मजबूत करने की पहल सिएटल में भारतीय मिशन ने एक बयान में कहा कि भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद ने सिएटल की ''समृद्ध बहुसांस्कृतिक पहचान और समावेशी भावना'' के सम्मान में उसे यह प्रतिमा भेंट की. महावाणिज्य दूतावास ने बताया कि प्रतिमा का अनावरण आईसीसीआर दिवस के अवसर पर किया गया और यह भारत की व्यापक सांस्कृतिक कूटनीतिक पहलों का हिस्सा है जिसका उद्देश्य भारत और अमेरिका के प्रशांत उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र के बीच लोगों के आपसी संबंधों को मजबूत करना है।

अमेरिका के स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को ब्लॉक करने से कच्चे तेल की कीमत 10 प्रतिशत बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार

मुंबई , एजेंसी। कच्चे तेल की कीमत में सोमवार को 10 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है, जिससे दाम फिर से 100 डॉलर प्रति बैरल के पार निकल गया है। कच्चे तेल की कीमतों में उछाल की वजह ईरान से वार्ता विफल होने के बाद अमेरिका का स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को ब्लॉक करना है। सुबह 10:45 पर ब्रेंट क्रूड का दाम 7.41 प्रतिशत या 7.05 डॉलर बढ़कर 102.2 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड का दाम 8.54 प्रतिशत या 8.25 डॉलर बढ़कर 104.8 डॉलर प्रति बैरल हो गई है। घरेलू स्तर पर भी कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर क्रूड ऑल फ्यूचर्स (20 अप्रैल कॉन्ट्रैक्ट)7.61 प्रतिशत या 697 रुपए बढ़कर 9,850 रुपए पर था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान 'जलमार्ग को खुला रखने में विफल रहा है' और चेतावनी दी कि अमेरिका स्ट्रेट में प्रवेश करने या बाहर निकलने की कोशिश करने वाले 'सभी जहाजों' को रोकेगा। उन्होंने समुद्री सुरक्षा और वैश्विक तेल आपूर्ति में संभावित व्यवधान को लेकर चिंता व्यक्त की। अमेरिका और ईरान ने 8 अप्रैल को दो सप्ताह के युद्धविराम पर सहमति जताई थी, जिसका उद्देश्य तनाव कम करना और एक महत्वपूर्ण वैश्विक तेल पारगमन मार्ग, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को फिर से खोलना सुनिश्चित करना था। हालांकि, दोनों देशों के बीच वार्ता विफल होने से आपूर्ति में व्यवधान की आशंका बढ़ गई है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज वैश्विक कच्चे तेल के परिवहन का एक महत्वपूर्ण मार्ग है, और इसमें किसी भी प्रकार की रुकावट का आपूर्ति श्रृंखलाओं और कीमतों पर तत्काल प्रभाव पड़ता है। इस बीच, घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट देखी गई, शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी जैसे प्रमुख सूचकांकों में लगभग 2 प्रतिशत की गिरावट आई। एशियाई बाजारों में भी प्रमुख सूचकांक भी लाल निशान में हैं, जिनमें निक्केई, हांग सेंग और कोस्पी जैसे प्रमुख सूचकांकों में 1 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई।

तमिलनाडु चुनाव 2026: क्या ओन्नीपालयम का एल्लई करुप्परायन मंदिर बदलेगा चुनाव का समीकरण?

तमिलनाडु (शिखर समाचार)। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 के लिए चुनाव प्रचार तेज हो चुका है और राज्य की सभी 234 सीटों पर बहुकोणीय मुकाबला देखने को मिल रहा है। मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में किसी एक दल के पक्ष में स्पष्ट अनुमान लगाना कठिन प्रतीत हो रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि राज्य में 1 प्रतिशत तक का वोट शेयर भी चुनाव परिणामों की दिशा बदल सकता है। इसी परिप्रेक्ष्य में तमिलनाडु के पश्चिमी जिलों में स्थित एक विशेष आध्यात्मिक केंद्र-ओन्नीपालयम का अरुल्मिगु एल्ळई करुप्परायन मंदिर-चर्चा का विषय बना हुआ है। कोयंबटूर जिले के मेट्टुपालयम के निकट पश्चिमी घाट की तलहटी में स्थित यह मंदिर पिछले कुछ वर्षों में तेजी से श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना है। स्थानीय लोगों के अनुसार, पहले यह एक सामान्य ग्रामीण मंदिर था, जहाँ आसपास के लोग ही कभी-कभार पूजा के लिए आते थे। हालांकि, समय के साथ मंदिर की मान्यता और इसकी आध्यात्मिक पहचान का दायरा बढ़ा, जिसके बाद विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु यहाँ आने लगे। अब यहाँ आने वाले भक्तों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी जा रही है।

श्रद्धालुओं का विश्वास है कि इस मंदिर में सच्चे मन से की गई प्रार्थनाएं फलदायी होती हैं। यही कारण है कि यह स्थल विशेष रूप से महिलाओं के बीच भी लोकप्रिय होता जा रहा है। मंदिर से जुड़े लोगों का कहना है कि यहाँ आने वाले अधिकांश श्रद्धालु सामाजिक आचरण के कुछ मानकों का पालन करते हैं, जैसे नशे से दूरी और नारी सम्मान को प्राथमिकता देना। पिछले कुछ वर्षों में इस मंदिर से जुड़े एक संगठित नेटवर्क का भी विस्तार हुआ है, जो विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय बताया जाता है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, श्रद्धालुओं के बीच संवाद के लिए अनेक डिजिटल समूह संचालित किए जा रहे हैं, जिससे आपसी समन्वय को बढ़ावा मिला है। मंदिर की एक विशेषता यह भी बताई जाती है कि यहाँ धार्मिक अनुष्ठानों या दर्शन के लिए किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाता, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोग भी सहज रूप से यहाँ पहुँच पाते हैं। साथ ही, ह्वहर घर में तिरुविलक्कु पूजाह्व जैसे आयोजनों के माध्यम से बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी देखी गई है। राजनीतिक दृष्टिकोण से कुछ जानकारों का मानना है कि इस तरह के संगठित सामाजिक-आध्यात्मिक समूह चुनावों में अप्रत्यक्ष रूप से प्रभाव डाल सकते हैं, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहाँ इनके अनुयायियों की संख्या अधिक है। कोयंबटूर, तिरुप्पुर, नीलगिरी, इरोड, नमक्कल, सलेम, करूर और डिंडीगुल जैसे जिलों में इस प्रभाव को लेकर चचाएँ भी हो रही हैं। हालांकि, इस प्रभाव के वास्तविक स्तर को लेकर कोई आधिकारिक पुष्टि उपलब्ध नहीं है। इस पूरे परिदृश्य में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या ओन्नीपालयम का यह आध्यात्मिक केंद्र आगामी चुनावों में किसी प्रकार की भूमिका निभाता है या यह चर्चा केवल संभावनाओं तक ही सीमित रहती है। फिलहाल, तमिलनाडु का चुनावी परिदृश्य पूरी तरह खुला हुआ है और अंतिम फैसला मतदाताओं के हाथ में ही है।

कोविड वैक्सीन ने ले ली हजारों जानें, दावे के समर्थन में उतरे एलन मस्क बोले- ऐसा लगा जान निकल जाएगी

वाशिंगटन, एजेंसी। कोरोना काल के दौरान जिस वैक्सीन को लेकर होड़ लगी हुई थी उसी को लेकर कई तरह के डरावने दावे भी किए जाते हैं। कोविड वैक्सीन को लेकर दावे करने वालों में अब एलन मस्क काभी नाम जुड़ गया है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 वैक्सीन का दूसरा डोज लेने पर उन्हें लगा कि जैसे यह उन्हें मार ही देगी। बता दें कि फाइजर के एक पूर्व टॉक्सिकोलॉजिस्ट ने जर्मनी की संसद में दावा किया था कि द्वन्ह वैक्सीन को मंजूरी ही नहीं मिलनी चाहिए थी। उन्होंने दावा किया कि इस कोविड-19 वैक्सीन की वजह से जर्मनी में हजारों लोगों की जान चली गई। अमेरिकी बायोफार्मा कंपनी फाइजर

के यूरोपीय सेंटर के पूर्व टॉक्सिकोलॉजी हेड ने भी इसी तरह का दावा किया कि इतिहास में सबसे बड़े स्तर पर इस्तेमाल की गई वैक्सीन बेहद खतरनाक है। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। पिछळे सप्ताह इसे करोड़ों लोगों ने देखा। मस्क ने कहा कि इतने बड़े दावे को भी खबरों में हाइलाइट नहीं किया गया। दुनियाभर में शुरू हो गई बहस कोविड-19 वैक्सीन को लेकर इस तरह के दावे के बाद पूरी दुनिया में इसको लेकर बहस शुरू हो गई। बता दें कि इस बात का दावा करने वाले डॉ. हेलमुत स्टर्ज ने दशकों टॉक्सिलॉजी के क्षेत्र में काम किया है। इसमें पता लगाया जाता है कि कोई वस्तु कैसे इंसानों या फिर अन्य जीवों को प्रभावित करती है। 2007 में वह रिटायर हो गए थे। जर्मनी की धुर दक्षिणपंथी विपक्षी पार्टी की तरफ से उन्हें संसद में बुलाया गया था। उन्होंने वैक्सीन माफिया नाम की एक किताब भी लिखी। उनका कहना है कि शॉर्टकट तरीके से बिना पर्याप्त ट्रायल के ही वैक्सीन को मंजूरी दे दी गई। स्टर्ज ने दावा किया कि इस वैक्सीन को मंजूरी देने से पहले पांच जरूरी प्रीक्लिनिकल सेफ्टी मेजर पर ध्यान नहीं दिया गया। वहीं फाजर-बायोएनटेक की mRNA वैक्सीन पूरी दुनिया में करोड़ों लोगों को लगा दी गई। इस दावे को लेकर मस्क ने कहा कि दूसरा डोज लेने के बाद उनकी अस्पताल में भर्ती होने की नौबत आ गई थी। उन्होंने कहा, मुझे ऐसा लग रहा था कि जान निकल जाएगी। स्टर्ज का मुख्य तर्क है कि जल्दबाजी में कोविड-19 वैक्सीन का प्रीक्लीनकल ट्रायल नहीं हुआ। भारत में एम्स की एक स्टडी में कहा गया था कि युवाओं में हार्ट अटैक से वैक्सीन को कोई लेना देना नहीं है।

ईरान ने बातचीत विफल होने के लिए यूएस को ठहराया दोषी, अमेरिका पर शर्तों को बदलने का लगाया आरोप

तेहरान , एजेंसी। ईरान ने अमेरिका पर आरोप लगाया है कि उसने एक संभावित समझौते को अंतिम चरण में आकर पटरी से उतार दिया। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के मुताबिक, बातचीत के दौरान अमेरिका ने ज्यादा से ज्यादा दबाव बनाने, बार-बार शर्तें बदलने (गोलपोस्ट शिफ्ट करने) और नाकाबंदी जैसी रणनीतियों का सहारा लिया, जिससे सहमति बनने की प्रक्रिया बाधित हो गई। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची का दावा है कि प्रस्तावित 'इस्लामाबाद समझौता' (एमओयू) लगभग तैयार था और दोनों पक्ष अंतिम सहमति के बेहद करीब थे। उनका कहा है कि इन परिस्थितियों के चलते 21 घंटे तक चली गहन और मुश्किल बातचीत आखिरकार बिना किसी समझौते के समाप्त हो गई। तेहरान ने यह भी संकेत दिया कि अगर बातचीत के दौरान शर्तों में लगातार बदलाव न किए जाते, तो यह डील संभव हो सकती थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि तेहरान ने 47 सालों में वॉशिंगटन के साथ अपनी सबसे ऊंचे स्तर की सीधी बातचीत ईमानदारी और चल रहे झगड़े को खत्म करने में मदद करने के इरादे से की है। अराघची ने दुख जताया कि 'कोई सबक नहीं मिला। अराघची ने एक्स पर लिखा, '47 सालों में सबसे ऊंचे स्तर पर हुई गहरी बातचीत में, ईरान ने युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिका के साथ

अच्छी नीयत से बातचीत की। लेकिन जब 'इस्लामाबाद एमओयू' से बस कुछ इंच दूर थे, तो हमें गोलपोस्ट बदलने और ब्लॉकेड का सामना करना पड़ा। कोई सबक नहीं मिला। अच्छी नीयत से अच्छी नीयत पैदा होती है। दुश्मनी से दुश्मनी पैदा होती है।' ईरानी विदेश मंत्री का यह कहना कि दोनों पक्ष एक समझौते को फाइनल करने से कुछ ही दूर थे, यह दिखाता है कि आखिरी स्टेज पर तनाव तेजी से बढ़ने से पहले अमेरिका और ईरान के बीच हुई बातचीत सफलता के कितने करीब आ गई थी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन ने कहा कि अमेरिका के साथ डिप्लोमैटिक ब्रेकथ्रू की संभावना अभी भी है, बशर्ते वॉशिंगटन अपना नजरिया बदले। उन्होंने अमेरिका से 'सर्वाधिकारवाद' को छोड़ने और ईरान के अधिकारों का सम्मान करने की अपील की। ऐसा बदलाव एक समझौते का रास्ता बना सकता है। बता दें, सर्वाधिकारवाद एक ऐसी राजनीतिक प्रणाली है, जिसमें राज्य सार्वजनिक और निजी जीवन के हर पहलू पर पूर्ण नियंत्रण रखता है। राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने एक्स पर एक पोस्ट में बातचीत करने वाले डेलिगेशन के सदस्यों की सराहना करते हुए कहा, 'अगर अमेरिकी सरकार अपना सर्वाधिकारवाद छोड़ दे और ईरानी देश के अधिकारों का सम्मान करे।

ईरान मुद्दे पर पोप लियो की टिप्पणी से भड़के ट्रंप, धर्मगुरु को अपराध और कूटनीति में बताया कमजोर

वाशिंगटन , एजेंसी। ईरान के साथ संघर्ष और पाकिस्तान में आयोजित बातचीत विफल होने के बाद पोप लियो XIV ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कड़ी आलोचना की। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक लंबे सोशल मीडिया पोस्ट में पोप पर तीखा पलटवार किया। ट्रंप ने उन पर अपराध रोकने में ढिलाई बरतने का आरोप लगाया। साथ ही, उन्होंने विदेश नीति, ईरान और अमेरिका के घरेलू मुद्दों पर पोप के विचारों की कड़ी आलोचना भी की। ट्रंप ने अपने ट्रूथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा, 'पोप लियो अपराध के मामले में कमजोर हैं और विदेश नीति के लिए बहुत बुरे हैं।' इससे व्हाइट हाउस और वेटिकन के बीच तनाव फिर से बढ़ गया। पोस्ट में, ट्रंप ने पोप पर आरोप लगाया कि वे कोविड-19 महामारी के दौरान धार्मिक सभाओं पर लगी पिछली पाबंदियों को नजरअंदाज करते हुए अपने सरकार की आलोचना पर ध्यान दे रहे हैं। ट्रंप ने लिखा, 'पोप मेरी सरकार के 'डर' की बात तो करते हैं, लेकिन वो उस डर के बारे में कुछ नहीं बोलते जो कोरोना के समय चर्च ने झेला था। उस वक्त चर्च में प्रार्थना सभा आयोजित करने के लिए पादरियों और अन्य लोगों को गिरफ्तार किया जा रहा था।' राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान को लेकर पोप की राय पर भी निशाना साधा और कहा कि वे उस नरमी से सहमत नहीं हैं जिसे उन्होंने (पोप ने) नरमी बताया। उन्होंने कहा, 'मुझे ऐसा पोप नहीं चाहिए जो सोचता हो कि ईरान के पास न्यूक्लियर हथियार होना ठीक है।'

ट्रंप ने वेनेजुएला समेत विदेशों में अमेरिका के कामों का बचाव किया और उन्हें अमेरिका में ड्रग्स और अपराध संबंधित चिंताओं से जोड़ा और लिखा, 'मुझे ऐसा पोप नहीं चाहिए जो सोचता हो कि यह बहुत बुरा है कि अमेरिका ने वेनेजुएला पर हमला किया, एक ऐसा देश जो अमेरिका में भारी मात्रा में ड्रग्स भेज रहा था। वह देश अपनी

जेल खाली कर अपराधियों को हमारे देश में भेज रहा था। पोप की आलोचना यहीं तक नहीं रूकी। राष्ट्रपति ट्रंप ने व्यक्तिगत तौर पर हमला करते हुए पोप की तुलना उनके भाई से की। उन्होंने कहा, 'मुझे उनका भाई लुइस उनसे ज्यादा पसंद है, क्योंकि लुइस पूरी तरह से एमएजीए (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) के समर्थक हैं। वह इसे समझते हैं और लियो नहीं!' ट्रंप ने चुनावी जीत, अपराध में कमी और आर्थिक परफॉर्मेंस का हवाला देते हुए अपनी प्रेसीडेंसी का बचाव किया और लिखा, 'मैं ठीक वही कर रहा हूं जिसके लिए मुझे भारी बहुमत से चुना गया था, अपराध में रिकॉर्ड कम नंबर लाना और इतिहास का सबसे बड़ा स्टॉक मार्केट बनाना।' एक चौंकाने वाले दावे में, ट्रंप ने कहा कि पोप का चुनाव उनके अपने राष्ट्रपति पद से जुड़ा था। उन्होंने कहा, 'लियो को शुक्रगुजार होना चाहिए क्योंकि वह सबके लिए एक हैरान करने वाला सरप्राइज थे। अगर मैं व्हाइट हाउस में नहीं होता, तो लियो वेटिकन में नहीं होते।' उन्होंने पोप के राजनीतिक हस्तियों के साथ बातचीत की भी आलोचना की और पूर्व सलाहकार डेविड एक्सलरॉड का जिक्र करते हुए कहा, 'लियो को पोप के तौर पर अपना काम ठीक से करना चाहिए। कट्टरपंथी वामपंथ की सेवा करना बंद करें और एक महान पोप बनने पर ध्यान दें, न कि एक राजनेता बनने पर।'

ये बातें ट्रंप और वेटिकन के बीच बढ़ती दरार को दिखाती हैं, जिसमें दोनों पक्ष युद्ध और डिप्लोमेसी से लेकर इमिग्रेशन और घरेलू नीति जैसे मुद्दों पर अलग-अलग राय रखते हैं।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)